{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 04 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 311
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 78,639.03
निफ्टी - 24,774.30
सोना - 1,52,506
चांदी - 2,35,000
डॉलर - 95.31

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

ट्रेन के इंजन में आग, मची भगदड़

पटना। सहरसा-मानसी रेलखंड के सिमरी बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन पर समस्तीपुर-सहरसा पैसेंजर ट्रेन के इंजन बोगी में आग लग गई। घटना प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर खड़ी ट्रेन नंबर 63344 में हुई। आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया कि आग कैसे और क्यों लगी। हालांकि, घटना में किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया।एक यात्री ने बताया कि वह खगड़िया से सहरसा जा रहा था। करीब 3 बजकर 40 मिनट पर ट्रेन में आग लगने की जानकारी मिली। यात्री का कहना है कि उसने इसकी शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला। हालांकि, दूसरी ट्रेन आ रही थी। यात्री ने बताया कि ट्रेन के गार्ड ने घटना के दौरान काफी मेहनत की।

आसिया ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

श्रीनगर। कश्मीरी अलगाववादी नेता और प्रतिबंधित संगठन दुख्तरान-ए-मिल्लत की प्रमुख आसिया अंद्राबी ने उम्रकैद की सजा के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में अपील दायर की है। अदालत ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हाई कोर्ट ने अंद्राबी के साथ ही इस मामले में दोषी करार दी गई उनकी दो सहयोगियों- सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन की अपीलों पर भी एनआईए से जवाब तलब किया है। साथ ही ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा पर अपील लंबित रहने तक रोक लगाने की मांग पर भी एजेंसी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। यह मामला 2018 में एनआईए द्वारा दर्ज की गई एफआईआर से जुड़ा है। एनआईए ने आरोप लगाया था कि अंद्राबी और उनकी सहयोगी दुख्तरान-ए-मिल्लत के बैनर तले जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने के लिए साजिश रच रही थीं।

सांसद अफजाल अंसारी को बड़ी राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराने के मामले में समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी को राहत दी है। एफआईआर को चुनौती देते हुए दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिस पर हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक अफजाल अंसारी की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। गाजीपुर के थाना कोतवाली में 22 जुलाई 2026 को अफजाल अंसारी के खिलाफ शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप है कि उन्होंने संबंधित शस्त्र लिपिक के साथ मिलीभगत कर शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराई।

कुछ ना कहना

उपचुनाव नतीजे

मप्र में कांग्रेस को राहत, बिहार में जन सुराज का उदय; गुजरात में भाजपा की पकड़ कायम

भोपाल/पटना। तीन विधानसभा उपचुनावों के नतीजों ने अलग-अलग राज्यों में अलग राजनीतिक संदेश दिए हैं। मध्यप्रदेश के दतिया में कांग्रेस ने अपनी सीट बरकरार रखते हुए भाजपा को 6,016 मतों से हराया, जबकि बिहार की राजधानी पटना की बांकीपुर सीट पर चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने भाजपा के 30 साल पुराने गढ़ में सेंध लगाकर पहली बड़ी चुनावी सफलता हासिल की। गुजरात की मांजलपुर सीट पर भाजपा ने अपनी पारंपरिक पकड़ कायम रखी।

दतिया में कांग्रेस की प्रतिष्ठा बरकरार

मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता समाप्त होने के बाद रिक्त हुई थी। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भारती ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और तत्कालीन गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को 7,742 मतों से हराया था। इस उपचुनाव को भाजपा के लिए वापसी और कांग्रेस के लिए सीट बचाने की चुनौती माना जा रहा था। मतगणना में कांग्रेस ने 6,016 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा। दतिया में 71.44 प्रतिशत मतदान हुआ, जो तीनों उपचुनाव वाली सीटों में सबसे अधिक रहा। यह परिणाम स्थानीय मुद्दों, उम्मीदवार की स्वीकार्यता और जमीनी संगठन की भूमिका को रेखांकित करता है। कांग्रेस के लिए यह जीत मध्यप्रदेश में मनोबल बढ़ाने वाली मानी जा रही है, वहीं भाजपा के लिए यह परिणाम प्रभाव वाले क्षेत्र में संगठन और रणनीति की समीक्षा का संकेत है।

बांकीपुर में भाजपा का तीन दशक पुराना किला ध्वस्त

बिहार की राजधानी पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने भाजपा के लंबे राजनीतिक प्रभाव को समाप्त कर दिया। पार्टी ने करीब 19 हजार मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

वर्ष 1995 से भाजपा के कब्जे में रही बांकीपुर सीट को पार्टी का मजबूत शहरी गढ़ माना जाता था। पूर्व विधायक नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद हुए इस उपचुनाव को भाजपा के शहरी जनाधार की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा था।

प्रशांत किशोर ने इस चुनाव को विकास, रोजगार और नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित किया। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में खाता नहीं खोल पाने वाली जन सुराज के लिए यह जीत राजनीतिक पहचान स्थापित करने वाली मानी जा रही है।

बांकीपुर में मतदान प्रतिशत 34.30 रहा, जो पिछले विधानसभा चुनाव के 41.45 प्रतिशत से कम था। कम मतदान के बावजूद जन सुराज की बड़ी जीत ने बिहार में तीसरे राजनीतिक विकल्प की संभावनाओं को लेकर नई चर्चा शुरू कर दी है।

मांजलपुर में भाजपा की पकड़ कायम

गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज कर अपनी पारंपरिक बढ़त बनाए रखी। हालांकि तीनों उपचुनावों में सबसे ज्यादा राजनीतिक चर्चा दतिया और बांकीपुर के परिणामों को लेकर रही।

नतीजों के राजनीतिक संकेत

दतिया ने मध्यप्रदेश में यह संदेश दिया है कि स्थानीय नेतृत्व और संगठनात्मक मजबूती के सहारे कांग्रेस भाजपा के प्रभाव वाले क्षेत्रों में भी मुकाबला बनाए रख सकती है। वहीं बांकीपुर का परिणाम बिहार की राजनीति में नए विकल्प के उभार का संकेत दे रहा है। जन सुराज के सामने अब इस जीत को संगठन विस्तार और भविष्य की चुनावी रणनीति में बदलने की चुनौती होगी। उपचुनावों के परिणाम सीधे तौर पर आगामी विधानसभा चुनावों की तस्वीर तय नहीं करते, लेकिन ये मतदाताओं के बदलते रुझान, राजनीतिक दलों की रणनीति और संगठनात्मक ताकत के महत्वपूर्ण संकेत जरूर देते हैं।

एक-एक कार्यकर्ता की मेहनत का परिणाम - कमलनाथ

दतिया विधानसभा उपचुनाव में शानदार जीत पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने कहा है कि शह जीत, कांग्रेस पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता की मेहनत का परिणाम है। मैं दतिया की जनता का हृदय से अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने सत्ता के दबाव में झुकने से इनकार कर दिया। यह जीत सिर्फ एक उपचुनाव की जीत भर नहीं है, बल्कि देश और प्रदेश की हवा में हो रहे बदलाव का संकेत है।

आने वाले चुनाव में और ताकत से लड़ेंगे- मुख्यमंत्री

दतिया सीट पहले भी कांग्रेस के पास थी और आज भी कांग्रेस के पास ही गई है। किंतु यह भी उतना ही महत्वपूर्ण तथ्य है कि पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में भारतीय जनता पार्टी को लगभग 1,700 अधिक मत प्राप्त हुए हैं। लोकतंत्र में जनता का निर्णय सर्वोपरि होता है और हम दतिया की जनता के जनादेश का पूर्ण सम्मान करते हैं। हमें इस बात का भी संतोष है कि प्रदेश की जनता का विश्वास आज भी भारतीय जनता पार्टी पर कायम है। बीते विधानसभा चुनाव के बाद हुए लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश की जनता ने भाजपा को 29 की 29 सीटों पर ऐतिहासिक विजय दिलाकर आज़ादी के बाद पहली बार नया इतिहास रचा।

2028 के परिवर्तन का शंखनाद - जीतू पटवारी

यह जीत केवल एक विधानसभा उपचुनाव का परिणाम नहीं है, बल्कि मध्यप्रदेश में बदलाव की शुरुआत और वर्ष 2028 में बनने वाली जनपक्षीय सरकार की मजबूत नींव है। पटवारी ने कहा कि दतिया का चुनाव लोकतंत्र और सत्ता के अहंकार के बीच सीधी लड़ाई था। भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव में जीत हासिल करने के लिए हर संभव सरकारी और राजनीतिक संसाधन झोंक दिए। भाजपा ने चुनाव में लगभग ?50 करोड़ खर्च करने का दावा किया जा रहा है। इसके साथ ही पार्टी के 25 मंत्री लगातार चुनाव प्रचार में डटे रहे।

दोषियों पर होगी कार्रवाई- हेमंत खंडेलवाल

भारतीय जनता पार्टी दतिया उपचुनाव में पार्टी की पराजय को लेकर आगामी दिनों में समीक्षा करेगी। समीक्षा में भीतरघात करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। दतिया उपचुनाव के परिणाम आने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने इस पराजय को जनता का निर्णय बताते हुए स्वीकार करते हुए कहा है कि पार्टी इस उपचुनाव की पराजय की समीक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि समीक्षा का जो निष्कर्ष आएगा, उसके अनुसार पार्टी अपनी आगामी रणनीति तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए अनुशासन सर्वोपरि है, और कोई भी कार्यकर्ता चाहे वो किसी भी पद पर हो उसको अनुशासन में ही रहकर पार्टी का काम करना चाहिए ऐसा पार्टी का अपेक्षा करती है। इस लिए अनुशासन बनाए रखने के लिए जो भी दोषी होगा निश्चित तौर पर पार्टी उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

लोकसभा में संशोधन विधेयक 2026 पारित

सुप्रीम कोर्ट में अब 38 हो जाएगी जजों की संख्या

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों के बढ़ते बोझ को कम करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लोकसभा में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पारित कर दिया गया। इस विधेयक के जरिए सुप्रीम कोर्ट में जजों की अधिकतम स्वीकृत संख्या बढ़ा दी गई है। अब सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश समेत कुल 38 जज काम कर सकेंगे।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने यह बिल सदन में पेश किया। यह विधेयक द सुप्रीम कोर्ट (नंबर ऑफ जज)एमेडमेंट बिल-2026 1956 में संशोधन करता है। संशोधन के तहत मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर अन्य न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या 33 से बढ़ाकर 37 कर दी गई है। यानी मुख्य न्यायाधीश सहित अब सुप्रीम कोर्ट की कुल स्वीकृत क्षमता 34 से बढ़कर 38 जज हो जाएगी।

संविधान पीठों के गठन में मिलेगी सुविधा

यह विधेयक मई 2026 में राष्ट्रपति की ओर से जारी किए गए अध्यादेश का स्थान लेगा। सरकार का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट में लगातार बढ़ रहे लंबित मामलों को देखते हुए न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना समय की जरूरत बन गई थी। सरकार के अनुसार, अतिरिक्त चार जजों की नियुक्ति से मुख्य न्यायाधीश को संविधान पीठों का गठन अधिक नियमित रूप से करने में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही नियमित अपीलों और अन्य मामलों की सुनवाई भी तेज हो सकेगी। इससे संवैधानिक महत्व के लंबे समय से लंबित मामलों और सामान्य अपीलों, दोनों के निपटारे में तेजी आने की उम्मीद है। बिल के वित्तीय प्रभाव का भी सरकार ने आकलन किया है। इसके अनुसार, इस फैसले पर करीब 14.04 करोड़ रुपये का प्रारंभिक खर्च आएगा। इसमें 10.56 करोड़ रुपये का वार्षिक आवर्ती व्यय शामिल है, जो नए न्यायाधीशों, उनके स्टाफ और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर खर्च होगा। वहीं 3.47 करोड़ रुपये का एकमुश्त गैर-आवर्ती खर्च आधिकारिक बुनियादी ढांचे और आवश्यक सुविधाओं के विकास पर किया जाएगा।

अदालत पर लंबित मामलों का बोझ

संसद में पेश किए गए न्यायिक आंकड़ों के अनुसार, 2026 की शुरुआत तक सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या 92 हजार से अधिक हो चुकी थी। हालांकि सर्वोच्च अदालत लगभग अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रही है, लेकिन हर साल दाखिल होने वाले नए मामलों की संख्या उनके निपटारे से अधिक बनी हुई है। यही कारण है कि अदालत पर मामलों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकार का मानना है कि न्यायाधीशों की संख्या बढ़ने से मामलों का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा, अलग-अलग विषयों के लिए अधिक पीठों का गठन किया जा सकेगा और न्यायिक प्रक्रिया को गति मिलेगी। विशेष रूप से संविधान से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई में तेजी आने की संभावना जताई गई है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर सरकार का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा

छात्रों पर नहीं होगी कार्रवाई; 2700 एफआईआर रहेंगी बरकरार

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के विरोध में हुए जंतर-मंतर प्रदर्शन से जुड़े मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया है कि आंदोलन में शामिल छात्रों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि प्रदर्शन के दौरान गंभीर अपराधों के आरोप में दर्ज 2,700 से अधिक एफआईआर वापस नहीं ली जाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार अपने वादे पर कायम है और छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंसा, तोड़फोड़ या अन्य गंभीर अपराधों में दर्ज मामलों पर कानून के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी। यह मामला कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में नीट पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन से जुड़ा है। संगठन ने तीन प्रमुख मांगें रखी थीं, जिन्हें सरकार ने स्वीकार किया था। इनमें प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन

भी शामिल था। मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी।

जिन जवानों ने सख्ती की, उन्हें न बचाएं

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया गया है। वकील वृंदा ग्रोवर ने पूछा कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाएंगी या रद्द की जाएंगी। इस पर मेहता ने कहा कि कानूनी तौर पर जो भी तरीका सही हो, सरकार अपने वादे पर कायम है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कोई पुलिस अधिकारी जरूरत से ज्यादा बल का इस्तेमाल करता है, तो उसे बेवजह बचाया नहीं जाना चाहिए। और ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि छात्र प्रदर्शन की आड़ में किसी कुख्यात अपराधी को बचाया जाए। परीक्षाओं में गड़बड़ी और नीट पेपर लीक के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध प्रदर्शन 36 दिन तक चला था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद यह प्रदर्शन खत्म कर दिया गया था।

कर्नाटक में 20 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

बंगलूरू। बंगलूरू लोकभवन में सोमवार शाम को 20 कांग्रेस विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सभी विधायकों को पद व गोपनियता की शपथ दिलाई। जिनमें एकमात्र महिला विधायक गायत्री शांतिगौड़ा भी शामिल हैं। इस नई सूची में 12 नए चेहरों को मौका मिला है, जबकि 8 मौजूदा मंत्रियों को दोबारा मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। इस दौरान मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत राज्य के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मंजूरी के बाद जिन नेताओं के मंत्री पद की शपथ ली है। उनमें पीएम नरेंद्रस्वामी, शिवराज तंगडगी, रुद्रप्पा लामाणी, केएस बसवन्थप्पा, बी. नागेंद्र, टी. रघुमूर्ति, बीजेड ज़मीर अहमद खान, रिजवान अरशद, संतोष लाड, मधु बंगारप्पा, पुट्टरंगशेट्टी, एसएस मल्लिकार्जुन, अजय सिंह, एन. चालुवरायस्वामी, केएम शिवलिंगे गौड़ा, एचसी बालकृष्ण, गायत्री शांतिगौड़ा, बसवराज रायरेड्डी, विजयानंद काशप्पनावर और लक्ष्मण सावदी शामिल हैं।

विश्वेश नेगी ईरान में राजदूत नियुक्त

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव, होर्मुज स्ट्रेट पर संकट और पश्चिम एशिया में बदलते हालात के बीच भारत ने तेहरान में अपना नया राजदूत नियुक्त किया है। भारतीय विदेश सेवा के सीनियर अफसर विश्वेश नेगी अब ईरान में भारत की नई जिम्मेदारी संभालेंगे। वह मौजूदा राजदूत रुद्र गौरव श्रेष्ठ की जगह लेंगे, जिन्हें तुर्किये भेजा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि विश्वेश नेगी जल्द ही अपना कार्यभार संभालेंगे। विश्वेश नेगी 2002 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं। पिछले दो दशकों में उन्होंने विदेश नीति, रक्षा सहयोग, संयुक्त राष्ट्र और भारत के कई अहम रणनीतिक मामलों पर काम किया है। फिलहाल वह विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं। इससे पहले वह ओशिनिया डिवीजन की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं, जहां उन्होंने भारत और पापुआ न्यू गिनी जैसे देशों के साथ उच्चस्तरीय कूटनीतिक बातचीत का नेतृत्व किया।

ई20 पर सरकार से दो-दो हाथ करने को तैयार आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली। देश भर में ई20 पेट्रोल को लेकर बहस छिड़ी हुई है। इस बीच आम आदमी पार्टी सरकार पर लगातार दबाव बना रही है कि वह ई20 पेट्रोल को वापस ले। अब इसी कड़ी में मंगलवार को दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पीएम आवास का घेराव करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने प्रेस वार्ता कर केंद्र सरकार को ई20 मुद्दे पर जमकर घेरा। केजरीवाल ने कहा कि कि इथेनॉल को लेकर देश की जनता परेशान है। लोगों के गाड़ियों की माइलेज कम हो रही है और वाहन लगातार खराब हो रहे हैं। लेकिन फिर भी सरकार बिना कोई जवाब दिए लोगों पर जबरदस्ती इथेनॉल थोप रही है। इससे ये लगता है कि इसमें पीछे सरकार का हिडेन एजेंडा है।

100 लोगों के साथ आज पीएम आवास घेरेंगे केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ई20 पेट्रोल को लेकर लगातार विरोध दर्ज करा रहे हैं। बीते दिनों केजरीवाल ने दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में ई20 के खिलाफ नेशनल टाउन हॉल अगेंस्ट ई20 कार्यक्रम आयोजित किया था। अब वो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास तक पैदल मार्च करने की तैयारी में हैं। सोमवार को केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि कि ट्रंप के दबाव में केंद्र सरकार इथेनॉल के प्रयोग को बढ़ावा दे रही है। ट्रंप जबरदस्ती अपने देश का इथेनॉल भारत में एक्सपोर्ट करना चाहते हैं। केजरीवाल ने एक अनुमान लगाते हुए कहा कि अगले पांच साल में भारत 20 मिलियन डॉलर का इथेनॉल अमेरिका से खरीदेगा। जो पूरे देश पर थोपा जाएगा। अपने टाउन हॉल कार्यक्रम के बारे में केजरीवाल ने कहा कि इस प्रोग्राम को 7 लाख से ज्यादा लोगों ने लाइव देखा था। जो इसकी सफलता बताता है और इससे ये भी साफ हो रहा है कि, कितनी भारी मात्रा में लोग ई20 से परेशान हैं। यदि कोई कंटेंट क्रिएटर या सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ई20 का विरोध करता है तो उसे डराया और धमकाया जाता है।

पत्र लेकर पीएम आवास तक मार्च

केजरीवाल ने कहा कि,हमने कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री के नाम से एक ऑनलाइन पिटीशन साइन करवाई थी।

बिजली संकट पर कांग्रेस का पावर हाउस घेराव, स्मार्ट मीटर से बढ़े बिल, किसानों को नहीं मिल रही बिजली

किसान कांग्रेस सहित कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठों का प्रदर्शन, बिजली कंपनी पर मनमानी का आरोप, समस्याएं नहीं सुधरीं तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में किसानों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं होने, स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बढ़े हुए बिजली बिल, अघोषित बिजली कटौती, लाइनमैनों की कमी और मेंटेनेंस के नाम पर घंटों बिजली बंद रखने जैसे मुद्दों को लेकर सोमवार को कांग्रेस ने बिजली कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। किसान कांग्रेस के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल, महिला कांग्रेस सहित कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शहर के वार्ड क्रमांक-23 स्थित पावर हाउस कॉलोनी पहुंचे, जहां बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार और बिजली कंपनी किसानों तथा आम उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के बजाय उन्हें परेशान करने का काम कर रही है। एक ओर किसानों को खेती के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं कराई जा रही है, वहीं दूसरी ओर स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ताओं पर भारी-भरकम बिजली बिलों का बोझ डाला जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस जिलेभर में व्यापक आंदोलन करेगी। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भुरु पटेल ने कहा कि जिले में इस समय किसानों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। सामान्य से कम वर्षा होने के कारण धान सहित अन्य फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई हैं। ऐसे समय किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध बिजली की आवश्यकता है, लेकिन बिजली विभाग पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल साबित हो रहा है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में घंटों बिजली गुल रहती है, जिससे किसान अपने खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं और उनकी मेहनत पर संकट मंडरा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली विभाग में लाइनमैनों की भारी कमी होने से उपभोक्ताओं की शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं हो रहा है। आंधी, बारिश या तकनीकी खराबी के कारण यदि कहीं बिजली आपूर्ति बाधित होती है तो उसे सुधारने में कई-कई घंटे, बल्कि कई स्थानों पर पूरा दिन लग जाता है। इसका सबसे अधिक नुकसान ग्रामीण क्षेत्रों और किसानों को उठाना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता श्याम पंजवानी ने कहा कि बिजली कंपनी उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने के बजाय लगातार मनमानी कर रही है। स्मार्ट मीटर लगाने के बाद अनेक उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, जिससे आम लोगों में भारी असंतोष है। लोगों को यह समझ ही नहीं आ रहा कि उनकी वास्तविक खपत से कहीं अधिक बिल आखिर किस आधार पर भेजे जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली कंपनी पारदर्शिता के बजाय केवल राजस्व वसूली पर ध्यान दे रही है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि जिले के कई क्षेत्रों में मेंटेनेंस के नाम पर घंटों बिजली बंद रखी जाती है। कई बार बिना पूर्व सूचना के बिजली आपूर्ति रोक दी जाती है, जिससे किसानों के साथ-साथ व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बार-बार बिजली कटौती के कारण घरेलू और कृषि कार्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार एक ओर किसानों की आय बढ़ाने और कृषि विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, जबकि जमीनी स्तर पर किसानों को सबसे बुनियादी सुविधा बिजली भी समय पर उपलब्ध नहीं हो रही है। यदि सिंचाई के समय बिजली नहीं मिलेगी तो फसलें कैसे बचेंगी और किसान आर्थिक संकट से कैसे बाहर निकल पाएंगे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने बिजली विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि किसानों को निर्धारित समय पर पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जाए, लाइनमैनों के रिक्त पदों को तत्काल भरा जाए, स्मार्ट मीटर से जुड़े विवादों की निष्पक्ष जांच कर उपभोक्ताओं को राहत दी जाए तथा अघोषित बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि बिजली विभाग और शासन ने जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों और आम उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर जिलेभर में चरणबद्ध आंदोलन कर बिजली विभाग का घेराव किया जाएगा।

डेढ़ साल बाद घर लौटा लापता नंदकिशोर, वृंदावन के संतों की सेवा से परिवार में लौटी खुशियां

रहस्यमय परिस्थितियों में हुए थे लापता, संत आश्रम में हुआ उपचार, सोशल मीडिया और जनसहयोग भी बना परिवार की उम्मीद का सहारा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लगभग डेढ़ वर्ष पहले रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुए ग्राम जराही, तहसील किरनापुर निवासी नंदकिशोर सेन्द्रे आखिरकार सकुशल अपने घर लौट आए हैं। उनकी वापसी से लंबे समय से दुख और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे परिवार में एक बार फिर खुशियां लौट आई हैं। पत्नी, दो छोटे बच्चों तथा बुजुर्ग और बीमार माता-पिता के लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, नंदकिशोर सेन्द्रे

करीब डेढ़ वर्ष पहले अचानक लापता हो गए थे। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। गुमशुदगी की रिपोर्ट भी किरनापुर थाने में दर्ज कराई गई थी। समय बीतने के साथ परिवार की उम्मीदें कमजोर पड़ने लगी थीं, लेकिन उन्होंने उनके सकुशल लौटने की आस कभी नहीं छोड़ी। बताया गया कि लापता होने के बाद नंदकिशोर किसी तरह उत्तर प्रदेश के वृंदावन पहुंच गए, जहां एक सेवा-भावी संत आश्रम के संतों ने उन्हें सहारा दिया। उस समय उनके सिर और हाथ में गंभीर चोटें थीं तथा उनकी शारीरिक स्थिति भी कमजोर थी। आश्रम के संतों ने बिना किसी परिचय और स्वार्थ के उनका उपचार कराया, रहने और भोजन की व्यवस्था की तथा पूरी तरह स्वस्थ होने तक उनकी देखभाल की। मानवीय सेवा का परिचय देते हुए संतों ने केवल उपचार ही नहीं कराया, बल्कि जब नंदकिशोर अपने घर लौटने की स्थिति में आए तो उनके गांव तक पहुंचने की यात्रा की भी व्यवस्था कराई। बताया गया कि 1 अगस्त 2026 की रात करीब 9ः30 बजे वे वृंदावन से ट्रेन द्वारा नागपुर होते हुए गोंदिया पहुंचे। वहां से बस के माध्यम से रजेगांव आए और फिर लगभग 10 किलोमीटर पैदल चलकर अपने गांव जराही पहुंचे। लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण उनका शरीर काफी कमजोर हो चुका है, लेकिन परिवार के बीच उनकी वापसी ने सभी की आंखें नम कर दीं। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए सेवानिवृत्त सूबेदार तोमेश्वर राहंगडाले, भारतीय सेना (जेई सिग्नल्स एवं सर्वे अधिकारी) ने वृंदावन के संतों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संतों ने निस्वार्थ भाव से जिस प्रकार एक अनजान व्यक्ति की सेवा की, उसका उपचार कराया और उसे उसके परिवार तक पहुंचाने में सहयोग किया, वह मानवता और सनातन संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा का संदेश संतों ने अपने आचरण से सिद्ध कर दिखाया है। उन्होंने उन सभी समाजसेवियों, मीडिया कर्मियों, मित्रों और नागरिकों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने नंदकिशोर की गुमशुदगी की सूचना सोशल मीडिया, व्हाट्सएप समूहों और अन्य माध्यमों से लगातार साझा कर परिवार की उम्मीद को जीवित रखा। अब नंदकिशोर सेन्द्रे के सकुशल मिल जाने के बाद उनके संबंध में दर्ज गुमशुदगी की एफआईआर को नियमानुसार किरनापुर थाना में बंद (क्लोज) कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पहले सावन सोमवार को भक्तों से गुलजार हुआ बाबा भोलेनाथ का द्वार

शिवालयों में गूजां महादेव का जयकारा, भक्तो का लगा ताता, विशेष आराधना में जुटे श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन में पहले सावन सोमवार पर नगर के तमाम शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना

की। सावन के पहले सोमवार पर सुबह 6 बजे से ही मंदिरों में भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ दिखाई दी।जहा सुबह स्नान करने के बाद बड़ी तादात में लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिरों में पहुंचे। जिनके द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की गई।वही श्रद्धालु भक्तो द्वारा शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, शमीपत्र सहित अनेक शुभ वस्तुएं चढ़ाई गई।वही नगर के सभी शिवालयों में सुबह से लेकर देर शाम तक बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे।

सुबह से लेकर देर शाम तक सुनाई दी हर-हर महादेव की गूंज

सावन महीने के पहले सोमवार को शहर के शिवालयों में श्रद्धालुओ की खासी भीड़ नजर आई। जहा सुबह से लेकर देर शाम तक हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी। अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में खासी भीड़ रही।वहीं शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी दिनभर भक्तों को ताता लगा रहा है। जहा भक्तो द्वारा शिवलिंगों का दूध, व जल से अभिषेक किया गया। वही शिवलिंगों को पुष्प, बेल पत्र, आंक, धतूरे से सजाकर महाआरती की गई। इस दौरान मंदिरों में घंटी, घडि?ाल, शंख व झालर के बीच भोलेनाथ के उद्घोष से माहौल भक्तिमय बना रहा। भक्तिमय माहौल का यह नज़ारा नगर के शंकरघाट, बूढ़ी शिव मंदिर, बैहर चौकी समीप स्थित शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में देखा गया।जहा इन सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जहा कई श्रद्धालु भक्तो द्वारा पंडितों की मौजूदगी में शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप, और रुद्राभिषेक किया। वही पंडितों के द्वारा शिव महापुराण पाठ कराकर रात्रि को भगवान भोले की भक्ति में जगराता किया गया।

भक्ति भाव के साथ जारी है कांवड़ यात्रा

सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है।खासकर सावन के पवित्र महीने में पड़ने वाले सोमवार और शिवरात्रि के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है।शास्त्रों के अनुसार, इस माह भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है।और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है।शायद यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी, कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्रथाएं की जाती है।जिसका एक नजारा पहले सावन सोमवार को देखने को मिला। जहा बाबा भोलेनाथ के भक्त वैनगंगा नदी से जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते नजर आए तो कुछ भक्तो ने कावड़ धारण कर भोलेनाथ के दूर दराज मंदिरों के लिए कावड़ यात्रा शुरू की। जहां श्रद्धालु भक्त वैनगंगा या अन्य जलाशयों का पानी कावड़ में ले जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर अपनी मनोकामनाओ की पूर्ति में जुटे हुए है।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

सावन माह के पहले सोमवार होने और मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ होने के चलते, नगर के तमाम शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां किसी भी अनहोनी को रोकने और भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस व्यवस्था मुस्तैद नजर आई। जहां सभी मंदिरों में महिला और पुरुष पुलिसकर्मी श्रद्धालु भक्तों को सुरक्षा प्रदान करते नजर आए।जिसके चलते भारी भीड़ होने के बावजूद भी शांतिपूर्ण तरीके से श्रद्धालु भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

पिंजरे में कैद हुई आदमखोर बाघिन,घर मे घुसकर किया था महिला का शिकार

घिसे मिले कैनाइन दांत; आसान शिकार की तलाश में गांव तक पहुंच रही थी, रेस्क्यू कर,वन विहार भोपाल भेजी गई कान्हा की बाघिन,स्थानीय लोगो ने ली राहत की सांस, महिला की जान लेने के 24 घंटे के भीतर बड़ी कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन अंतर्गत आने वाले, खापा बफर परिक्षेत्र की कुम्हादेही बीट के ग्राम पर्रापुर में, शनिवार की रात घर मे घुसकर महिला का शिकार करने वाली आदमखोर बाघिन को, आखिरकार वन विभाग की टीम ने पिंजरे में कैद कर लिया।जहां वरिष्ठ स्तर से ली गई अनुमति के बाद वन विभाग की स्पेशल टीम ने आदमखोर बाघिन का रेस्क्यू कर, उसे वन विहार भोपाल रवाना किया है।बताया जा रहा है कि बाघिन के दांत घिस चुके थे, जिसके चलते वहां जंगल में वन्य प्राणियों का ठीक से शिकार नहीं कर पा रही थी, आसान शिकार की तलाश में वह गांव पहुंची थी।जहां घर में दरवाजा न होने का फायदा उठाते हुए बाघिन सीधे महिला के घर में घुस गई और महिला को जबड़े में दबाकर खींचते हुए बाहर ले गई। जहां उक्त महिला का शिकार कर लिया था, जिससे मौके पर ही महिला की मौत हो गई थी। जहां मामला जैसे ही प्रकाश में आया वैसे ही वन विभाग हरकत में आ गया और उन्होंने गांव के आसपास और जंगल क्षेत्र में गस्ती बढ़ा दी,वहीं आदमखोर बाघिन के रेस्क्यू के लिए वरिष्ठ स्तर से अनुमति प्राप्त की।जहां अनुमति मिलते ही वन विभाग की स्पेशल टीम मैके पर पहुंची और 24 घंटे के भीतर आदमखोर बाघिन का रेस्क्यू कर लिया।उधर बाघिन के रेस्क्यू के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने मानव-वन्यजीव संघर्ष की गंभीर घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला की मौत के लिए जिम्मेदार मानी जा रही 14 वर्षीय बाघिन (टी-27) का सोमवार को सफल रेस्क्यू कर उसे वन विहार भोपाल भेज दिया। बाघिन के कैनाइन दांत अत्यधिक घिसे हुए पाए गए हैं, जिसके चलते वह आसान शिकार की तलाश में लगातार ग्रामीण क्षेत्रों के आसपास विचरण कर रही थी। वन विभाग ने इसे समस्या जनित बाघिन मानते हुए शासन से अनुमति प्राप्त कर यह कार्रवाई की है।महिला की मौत के बाद कान्हा प्रबंधन की त्वरित कार्रवाई से प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। वन विभाग का कहना है कि पूरे इलाके में निगरानी जारी रहेगी और भविष्य में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे।

दांत घिसने से बदल गया था शिकार का व्यवहार

स्वास्थ्य परीक्षण में बाघिन के कैनाइन दांत अत्यधिक घिसे हुए पाए गए।अधिकारियों के अनुसार दांत कमजोर होने के कारण वह जंगल में बड़े शिकार करने में सक्षम नहीं रह गई थी और इसी वजह से आसान शिकार की तलाश में गांवों की ओर आने लगी थी। यही स्थिति मानव-वन्यजीव संघर्ष का कारण बनी।

शनिवार की रात में हुआ था हमला, महिला की गई थी जान

जानकारी के अनुसार 2 अगस्त की मध्य रात्रि में कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन अंतर्गत खापा बफर परिक्षेत्र की कुम्हादेही बीट के ग्राम पर्रापुर (स्कूल टोला), थाना बैहर, तहसील परसवाड़ा में बाघ के हमले में 45 वर्षीय सुगनी बाई पति बुधराम बैगा की मौत हो गई थी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में ह?कंप मच गया था। जहां घर में घुसकर महिला को जबड़े में दबाकर ले जाने और घर के कुछ दूरी पर ही महिला का मांस खाने वाले इस मामले को लेकर पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ था, स्थानीय लोगों द्वारा तत्काल उक्त बाघिन को पकड़ने की मांग की जा रही थी। जहां मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही कर बाघिन का सफल रेस्क्यू किया गया।

कैमरा ट्रैप, हाथी दल और सर्च ऑपरेशन से मिली सफलता

घटना के तुरंत बाद कान्हा प्रबंधन ने पूरे इलाके में कैमरा ट्रैप लगाए, विशेष गश्ती दलों का गठन किया तथा हाथी दल की सहायता से सघन सर्च अभियान चलाया। जांच के दौरान 14 वर्षीय मादा बाघिन टी-27 गांव के आसपास घूमती हुई मिली। यह भी सामने आया कि बाघिन पहले भी कई बार ग्रामीण क्षेत्र के निकट देखी गई थी।वही घटना वाली रात भी गांव के समीप शिकार करने का प्रयास किया था।

शासन की अनुमति के बाद हुआ सुरक्षित रेस्क्यू

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश शासन से अनुमति मिलने के बाद सोमवार दोपहर कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक रवींद्र मणि त्रिपाठी एवं उपसंचालक (बफर) सुश्री अमिता के.बी. के मार्गदर्शन में हाथी दल की सहायता से बाघिन का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप अग्रवाल ने बाघिन को निश्चेत(बेहोश) कर उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया।

ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

वन विभाग ने बाघिन को विशेष परिवहन वाहन से सुरक्षित रूप से वन विहार, भोपाल रवाना कर दिया है। साथ ही ग्रामीणों से अपील की है कि वन्यजीवों की गतिविधियों की सूचना तुरंत वन विभाग को दें और किसी भी परिस्थिति में स्वयं जोखिम उठाने का प्रयास न करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि मानव और वन्यजीव दोनों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गायखुरी रोड पर स्कूटी दो युवक को रोककर किये चाकू से हमला

हाथ बुक्के से की मारपीटःदो युवक घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शहर के गायखुरी रोड स्थित कुमार फर्नीचर के पास रविवार रात स्कूटी सवार दो युवकों को रोककर चाकू और हाथ-मुक्कों से मारपीट करने का मामला सामने आया है। हमले में दोनों युवक घायल हो गए। यह हमला उस समय हुआ जब दोनों युवक गायखुरी जा रहे थे घायल दोनो युवक जिनमे बृजेश पिता लक्ष्मीकांत धुर्वे 29 वर्ष वार्ड नंबर 26 प्रेम नगर बालाघाट और अनिकेत पिता रमेश सुंदरकर 28 वर्ष वार्ड नंबर 33 श्री राम नगर बालाघाट निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार बृजेश धुर्वे इंडियन टूर एंड ट्रेवल्स में ड्राइवरी करते हैं। 2 अगस्त की रात्रि 11ः00 बजे बृजेश को अनिकेत का फोन आया था कि वह बूढ़ी आईटीआई के पास है। उसे घर गायखुरी छोड़ना है। इसके बाद बृजेश उसे लेने पहुंचा और दोनों स्कूटी में बूढी से गायखुरी की ओर जा रहे थे। तभी नगर के गायखुरी रोड पर कुमार फर्नीचर के पास पहुंचते ही थे कि हिमांशु नामक युवक और उसके चार साथियों ने स्कूटी रोकी। आरोप है कि हिमांशु और उसके साथियों ने अनिकेत को खींचकर पहले हाथ मुक्कों से मारपीट किये फिर कनपटी पर चाकू से वार कर दिया। बीच बचाव करने आए बृजेश पर भी एक युवक ने चाकू से हमला कर उसे भी हाथ बुक्के मारपीट कर दिए । हमला करने के बाद सभी युवक मौके से फरार हो गए। इस हमले में बृजेश धुर्वे और उसका दोष अनिकेत सुंदरकर घायल हो गए थे इसके बाद बृजेश अपने दोस्त अनिकेत के साथ स्कूटी से रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचे। कोतवाली पुलिस ने दोनों युवक को आगे अपना इलाज करवाने के लिए जिला अस्पताल जाने की सलाह दी। जिसके बाद दोनों युवक स्कूटी से जिला अस्पताल पहुंचे। जहां दोनों को भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने बृजेश का बयान दर्ज कर प्रकरण को अग्रिम कार्रवाई के लिए कोतवाली को सौंप दिया है।

गुम इंसान सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुष्पा अड़में पति कपूरचंद अड़में ग्राम मिरेगांव थाना लालबर्रा जिला बालाघाट निवासी हुं।

मेरा बेटा मनीष पिता कपूरचंद अड़में उम्र 33 वर्ष जिसका गांव में ही आरो प्लांट है। 27 मई 2026 की शाम 05:00 बजे अपने आरो प्लांट गया था किन्तु रात में घर नही लौटा। 28 मई 2026 को काफी खोजबीन किये किन्तु वह कही नही मिला। लगातार तलाश करने पर नही मिलने से 01 जून को लालबर्रा थाने में रिपोर्ट दर्ज गई।

यदि मेरा बेटा जिस किसी सज्जन को दिखाई दे कृप्या 9826365637 पर सूचित करे।

श्रीमति पुष्पा अड़में
ग्राम मिरेगांव तह. लालबर्रा
जिला बालाघाट(म.प्र)

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

न्यूज़ गैलरी

जयश्री की संदिग्ध मौत पर उठे सवाल

परिजनों ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

प्रेम प्रसंग, सोशल मीडिया चैट और डिजिटल साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच की मांग, पुलिस बोली-एफएसएल व साइबर रिपोर्ट का इंतजार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम मुरझड़ टोला में युवती जयश्री भुरे की संदिग्ध मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मृतिका के माता-पिता ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक बालाघाट को आवेदन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष, गहन एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि मामले की शुरुआती जांच आत्महत्या की दिशा में केंद्रित रही जबकि कई ऐसे तथ्य हैं जिनकी जांच आवश्यक है। परिजनों ने सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जयश्री अपनी मां सरिता भुरे के साथ ग्राम मुरझड़ टोला में रहती थी।जबकि उसके पिता महेंद्र भुरे रोजगार के सिलसिले में अधिकांश समय महाराष्ट्र में रहते हैं। परिजनों के अनुसार 19 जून 2026 को जयश्री अपने मामा के गांव गई थी। शाम को घर लौटने के कुछ समय बाद वह घर के भीतर साड़ी के फंदे से लटकी हुई मिली। परिजनों ने तत्काल उसे नीचे उतारकर बचाने का प्रयास किया।लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर खैरलांजी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। मृतिका के माता-पिता का कहना है कि घटना वाले दिन जयश्री सामान्य थी। हालांकि घर लौटने के बाद वह कुछ परेशान दिखाई दे रही थी। उनका कहना है कि उन्हें यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी बेटी ने आत्महत्या की या फिर उसके साथ कोई अप्रिय घटना हुई। इसी कारण वे पूरे मामले की सभी संभावित पहलुओं से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि जयश्री का एक युवक से प्रेम संबंध था और घटना से पहले दोनों के बीच इंस्टाग्राम एवं व्हाट्सएप पर लगातार बातचीत होती थी। उनका कहना है कि मोबाइल फोन, सोशल मीडिया चैट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की गहराई से जांच किए बिना घटना की वास्तविकता सामने नहीं आ सकती। उन्होंने जांच एजेंसियों से इन सभी तकनीकी साक्ष्यों का परीक्षण कराने की मांग की है।इधर, खैरलांजी थाना प्रभारी शशांक राणा ने बताया कि मामले में विसरा जांच के लिए जबलपुर और भोपाल स्थित एफएसएल भेजा गया है। इसके अलावा इंस्टाग्राम से संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच के लिए साइबर सेल को भी पत्र भेजा गया है। उन्होंने कहा कि एफएसएल और साइबर जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

सेवा भारती आश्रम की 14 बालिकाएं बीमार, पेड़ा खाने के बाद फूड प्वाइजनिंग की आशंका

रात से शुरू हुई उल्टी-दस्त की शिकायत, अस्पताल में कराया गया भर्ती; सभी बच्चियां खतरे से बाहर, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर के वार्ड क्रमांक-32 स्थित निर्मल नगर के सेवा भारती आश्रम में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब आश्रम में रहने वाली 14 बालिकाएं अचानक उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बुखार की शिकायत के बाद बीमार हो गईं। सभी बालिकाओं को तत्काल उपचार के लिए श्री विचक्षण जैन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार सभी बालिकाओं की हालत फिलहाल स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गया है।प्रारंभिक तौर पर पेड़ा व बासी भोजन खाने के बाद फूड प्वाइजनिंग की आशंका जताई जा रही है।हालांकि छात्रावास अधीक्षका ने फूड प्वाइजनिंग की बात से इनकार करते हुए इसे महज बुखार या नॉर्मल बीमारी बताया है तो वही चिकित्सको द्वारा फूड प्वाइजनिंग की आशंका जताते हुए सभी बच्चों का ईलाज किया जा रहा है। बहरहाल एक साथ सभी 14 बालिकाओं को यह नॉर्मल बीमारी हुई है या फिर बालिकाए फूड प्वाइजनिंग का शिकार हुई है यह तो जांच रिपोर्ट के बाद ही तय हो पाएगा। यह स्पष्ट करने के लिए जांच रिपोर्ट आने का इंतजार चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है।

एक नजर में

- 14 बालिकाएं एक साथ हुई बीमार
- पेड़ा खाने के बाद बिगड़ी तबीयत
- उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बुखार के लक्षण
- श्री विचक्षण जैन हॉस्पिटल में उपचार जारी
- सभी बालिकाएं खतरे से बाहर
- स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू की, खाद्य नमूने लिए जाने की संभावना

70 में से 14 बालिकाए हुई बीमार

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवा भारती आश्रम में विशेष जनजातीय समुदाय की लगभग 70 बालिकाएं निवास करती हैं, जो सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में अध्ययनरत हैं। बताया गया कि 2 अगस्त की शाम पवार मंगल भवन में आयोजित एक कार्यक्रम से प्रसाद स्वरूप पेड़े आश्रम भेजे गए थे। रात में बालिकाओं को पेड़े वितरित किए गए। इसके बाद नियमित भोजन में दाल, चावल और कद्दू की सब्जी परोसी गई। देर रात सबसे पहले तीन बालिकाओं की तबीयत बिगड़ी और उन्हें उल्टी, दस्त तथा पेट दर्द की शिकायत के चलते अस्पताल ले जाया गया। सोमवार सुबह तक बीमार होने वाली बच्चियों की संख्या लगातार बढ़ती गई और दोपहर करीब दो बजे तक कुल 14 बालिकाएं अस्पताल में भर्ती हो चुकी थीं। इनमें कुछ बालिकाएं सुबह विद्यालय भी गई थीं, लेकिन वहां तबीयत बिगड़ने पर उन्हें भी अस्पताल पहुंचाया गया।

स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन सक्रिय

घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन सक्रिय हो गया है। संभावना जताई जा रही है कि पेड़ों एवं रात्रि भोजन के नमूने जांच के लिए भेजे जाएंगे, ताकि बीमारी के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। यदि जांच में खाद्य सामग्री दूषित पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

बीमार बालिकाओं में इनका शमावेश

अस्पताल में भर्ती बालिकाओं में अर्चना मेरवी, रेणुका टेकाम, प्राची मसराम, नव्या उइके, दामिनी धुर्वे, कौशिकी माड़वी, आरुषि उइके, दुर्गेश्वरी यादव, मयूरी माड़वी, माधुरी धुर्वे, प्रज्ञा टेकाम, अवनी कुलस्ते, अगीता वल्के तथा खुशबू खुसरे शामिल हैं। चिकित्सकों के अनुसार सभी बालिकाओं की स्थिति सामान्य है और उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

पेड़ा खाने के बाद तबियत खराब होने की कही जा रही बात

अस्पताल में भर्ती बालिकाओं ने बताया कि रविवार शाम उन्हें भ्रमण के लिए मोती गार्डन ले जाया गया था, जहां उन्होंने कुछ भी नहीं खाया और न ही पानी पिया। आश्रम लौटने के बाद उन्हें पेड़ा और भोजन दिया गया। इसके कुछ घंटों बाद ही अधिकांश बच्चियों को पेट दर्द, उल्टी, दस्त और बुखार की शिकायत शुरू हो गई, जिससे फूड प्वाइजनिंग की आशंका और गहरा गई।

फूड प्वाइजनिंग जैसे लक्षण दिखाई दे रहे है- डॉ रेड्डी

श्री विचक्षण जैन हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ शिव किरण रेड्डी ने बताया कि बच्चियों में फूड प्वाइजनिंग जैसे लक्षण दिखाई दिए हैं। सभी का उपचार किया जा रहा है तथा किसी भी बालिका की स्थिति गंभीर नहीं है। एहतियात के तौर पर सभी को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। जब तक की जांच रिपोर्ट नहीं आ जाती तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता।

बच्चो को फूड प्वाइजनिंग नही है- भारती गौतम

उधर मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान, सेवा भारती आश्रम की अधीक्षिका भारती गौतम ने बताया कि पवार मंगल भवन से आए पेड़े बच्चों में प्रसाद के रूप में वितरित किए गए थे। उन्होंने माना कि बच्चियों को उल्टी-दस्त, पेट दर्द और बुखार की शिकायत होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन उन्होंने इसे फूड प्वाइजनिंग मानने से इनकार करते हुए कहा कि बच्चियां सामान्य रूप से बीमार हुई हैं और उनका उपचार कराया जा रहा है।

डबल मनी घोटाले में बढ़ा शिकंजा, सोमेंद्र की रिमांड तीन दिन और बढ़ी, अब तक 563 निवेशकों के नाम का हुआ खुलासा

172 निवेशक अब भी पुलिस हेल्प डेस्क से दूर, एसआईटी को पूछताछ में मिले कई अहम सुराग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बहुचर्चित 500 से 600 करोड़ रुपये के डबल मनी घोटाले की जांच अब निर्णायक दौर में प्रवेश करती नजर आ रही है। करोड़ों रुपये की इस ठगी के मास्टरमाइंड सोमेंद्र कंकरायाने पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। पांच दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद एसआईटी ने न्यायालय से दोबारा रिमांड की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए न्यायालय ने सोमेंद्र की पुलिस रिमांड तीन दिन और बढ़ा दी है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि पुलिस को पूछताछ के दौरान ऐसे महत्वपूर्ण तथ्य और सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर जांच को आगे बढ़ाना आवश्यक माना गया। इधर, पुलिस ने 2 अगस्त की देर रात डबल मनी घोटाले में निवेश करने वाले लोगों की चौथी सूची भी जारी कर दी है। अब तक चार चरणों में 563 निवेशकों के नाम सार्वजनिक किए जा चुके हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इनमें से 172 निवेशक अब तक पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बनाए गए हेल्प डेस्क तक नहीं पहुंचे हैं। इससे जांच एजेंसियों के सामने कई नए सवाल खड़े हो रहे हैं। एसआईटी द्वारा आरोपियों से जब्त रजिस्टर, दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड के आधार पर निवेशकों की पहचान की जा रही है। इन्हीं रिकॉर्ड के आधार पर सूची तैयार कर सार्वजनिक की जा रही है, ताकि प्रत्येक निवेशक का दावा दर्ज किया जा सके और न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत भविष्य में जब्त संपत्तियों से राशि लौटाने की

कार्रवाई की जा सके। अब तक पुलिस ने सबसे पहले 113 निवेशकों की सूची जारी की थी, जिसके बाद लगातार तीन और सूचियां जारी की गईं। चौथी सूची के साथ अब कुल 563 निवेशकों के नाम सामने आ चुके हैं। इन सभी निवेशकों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित हेल्प डेस्क में आवेदन, चेक, बैंक दस्तावेज, रसीद और निवेश से जुड़े अन्य प्रमाण जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार अब तक 391 निवेशकों ने अपने दस्तावेज जमा करा दिए हैं, जबकि 172 निवेशक अब भी सामने नहीं आए हैं। सूत्रों की मानें तो दस्तावेज जमा नहीं कराने वालों में कुछ ऐसे लोग भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो विभिन्न शासकीय विभागों से जुड़े हैं। हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन जांच एजेंसी सभी सूचीबद्ध निवेशकों से आगे आकर दस्तावेज प्रस्तुत करने की अपील कर रही है। उधर, सोमेंद्र कंकरायाने से पांच दिन की रिमांड के दौरान एसआईटी ने लगातार पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार पूछताछ में पुलिस को करोड़ों रुपये के लेन-देन, निवेशकों के नेटवर्क, बैंक खातों, संपत्तियों में निवेश और इस पूरे आर्थिक तंत्र से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं। माना जा रहा है कि इन्हीं तथ्यों के आधार पर पुलिस ने रिमांड बढ़ाने का आग्रह किया। एसआईटी प्रमुख एवं नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में बताया कि पहले सोमेंद्र की पांच दिन की पुलिस रिमांड ली गई थी। उसके बाद 3 अगस्त को न्यायालय से तीन दिन की अतिरिक्त पुलिस रिमांड प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि जांच लगातार जारी है और हर पहलू पर गंभीरता से पूछताछ की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि एसआईटी अब केवल मुख्य आरोपियों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे नेटवर्क की आर्थिक परतों को खंगाल रही है। जांच इस दिशा में भी आगे बढ़ रही है कि करोड़ों रुपये की निवेश राशि किन-किन लोगों तक पहुंची, किसने इस नेटवर्क को विस्तार देने में भूमिका निभाई और किन प्रभावशाली लोगों को इस पूरे खेल से लाभ मिला। पुलिस फिलहाल इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कुछ भी कहने से बच रही है, लेकिन जांच का दायरा लगातार बढ़ रहा है। दूसरी ओर पुलिस ने उन निवेशकों से भी अपील की है, जिनके नाम सूची में आ चुके हैं, कि वे बिना देरी किए हेल्प डेस्क पहुंचकर अपने दस्तावेज जमा करें। पुलिस का कहना है कि दस्तावेजों का सत्यापन ही भविष्य में राशि वापसी की प्रक्रिया का आधार बनेगा। जिन लोगों के नाम अभी तक सूची में शामिल नहीं हुए हैं, उन्हें भी घबराने की जरूरत नहीं है। जब्त रजिस्टरों के सत्यापन का कार्य लगातार जारी है और आने वाले दिनों में निवेशकों की नई सूचियां भी जारी की जाएंगी।

बुजुर्ग के नाम पर खुला फर्जी बैंक खाता, मनरेगा और सरकारी योजनाओं से निकले 2.70 लाख रुपये, पंचायत से जनपद तक हुई गड़बड़ी

23 हजार की गड़बड़ी समझकर पहुंचा था परिवार, बैंक स्टेटमेंट ने खोली लाखों के फर्जीवाड़े की परतें, सहायक सचिव, मेट और जनपद के कर्मचारियों पर भी संदेह, जांच की मांग तेज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत जागपुर में मनरेगा और शासकीय योजनाओं के नाम पर कथित अनियमितताओं का ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पंचायत व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहले जिस मामले को महज 23 हजार रुपये की अनियमितता माना जा रहा था, अब वही मामला करीब 2 लाख 70 हजार रुपये के कथित वित्तीय अनियमितता में बदलता दिखाई दे रहा है। बैंक स्टेटमेंट सामने आने के बाद न केवल ग्राम पंचायत, बल्कि जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में आ गई है।

शहर से लगी ग्राम पंचायत जागपुर निवासी बुजुर्ग रीतनलाल बोहने के नाती प्रदीप बोहने ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा करते हुए बताया कि उन्होंने सबसे पहले जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद जब संबंधित बैंक से खाते का विस्तृत स्टेटमेंट निकलवाया गया, तो परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें केवल मनरेगा मजदूरी के नाम पर करीब 23,500 रुपये की राशि निकाले जाने की जानकारी मिली थी, लेकिन बैंक स्टेटमेंट में अलग-अलग शासकीय योजनाओं और मनरेगा भुगतान के माध्यम से करीब 2.70 लाख रुपये का लेन-देन सामने आया। परिवार का आरोप है कि यह पूरा खेल ग्राम पंचायत के सहायक सचिव विकास शिंदे और मेट तेजराम लांजेवर ने मिलकर अंजाम दिया। आरोप है कि पेंशन का केवाईसी कराने और बायोमैट्रिक सत्यापन के बहाने बुजुर्ग रीतनलाल बोहने के दस्तावेज और अंगूठे के निशान लिए गए। बाद में इन्हीं दस्तावेजों का कथित दुरुपयोग कर उनके नाम से फिनो बैंक में खाता खोल दिया गया, जिसकी भनक तक परिवार को नहीं लगने दी गई। शिकायत के अनुसार वर्ष 2021-22 के दौरान रीतनलाल बोहने के नाम से मनरेगा के विभिन्न कार्यों में फर्जी हाजिरी दर्ज की गई और मजदूरी की राशि उनके नाम से संचालित खाते में जमा होती रही। जबकि परिवार का दावा है कि बुजुर्ग ने कभी किसी मनरेगा कार्य में मजदूरी नहीं की। वर्ष 2026 में जब ऑनलाइन जॉब कार्ड का रिकॉर्ड देखा गया, तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। प्रदीप बोहने का कहना है कि यदि उन्होंने ऑनलाइन रिकॉर्ड की जांच नहीं की होती तो यह कथित अनियमितता शायद वर्षों तक दबा रहता। उनका आरोप है कि बैंक खाते का इस्तेमाल केवल मनरेगा भुगतान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अन्य शासकीय योजनाओं की राशि भी इसी खाते के माध्यम से निकाली गई हो सकती है। इसलिए पूरे वित्तीय लेन-देन की निष्पक्ष और विस्तृत जांच आवश्यक है। मामले ने तब और गंभीर रूप ले लिया, जब प्रदीप बोहने ने आरोप लगाया कि शिकायत करने पर ग्राम पंचायत के सहायक सचिव ने कथित तौर पर कहा कि इस पूरे मामले में जनपद पंचायत के कुछ कर्मचारी भी शामिल हैं, इसलिए उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यदि यह आरोप जांच में सही साबित होते हैं, तो मामला केवल पंचायत स्तर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली भी कठघरे में खड़ी हो सकती है। रीतनलाल बोहने ने पूरे मामले की शिकायत जिला प्रशासन और जनपद पंचायत से करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि उनके नाम पर बिना जानकारी बैंक खाता खोलकर सरकारी राशि निकाली गई है, तो इसमें शामिल प्रत्येक जिम्मेदार व्यक्ति पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए और पूरी राशि की जांच कर दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। इधर, इस पूरे मामले में जनपद पंचायत बालाघाट की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्ते का पक्ष जानने के लिए पद्मेश न्यूज़ ने दूरभाष पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। ऐसे में प्रशासन की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। फिलहाल, बैंक स्टेटमेंट में सामने आए 2.70 लाख रुपये के कथित लेन-देन ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया है। अब सभी की निगाहें प्रशासनिक जांच पर टिकी हैं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला केवल फर्जी मनरेगा भुगतान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शासकीय योजनाओं के नाम पर हुए बड़े वित्तीय घोटाले के रूप में सामने आ सकता है।

सड़क खोदी, ट्रैफिक छोड़ दिया भगवान भरोसे

गोंदिया रोड पर नाला निर्माण से बिगड़ी व्यवस्था लगा लंबा जाम , लोग खुद संभालते रहे ट्रैफिक व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बरसात के बीच शहर में चल रहे अधूरे निर्माण कार्य अब आम लोगों के लिए मुसीबत का कारण बनने लगे हैं। नगर पालिका द्वारा अंबेडकर चौक से गोंदिया रोड तक जल निकासी व्यवस्था सुधारने के नाम पर कराया जा रहा नाला निर्माण अब शहर की यातायात व्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। निर्माण कार्य के चलते सड़क के एक हिस्से को बंद कर दिया गया है, वहीं निर्माण सामग्री भी सड़क पर ही फैला दी गई है। नतीजा यह है कि हर दिन जाम की स्थिति बन रही है और आम नागरिक घंटों सड़क पर फंसने को मजबूर हैं। 3 अगस्त की शाम करीब 4:30 बजे गोंदिया रोड पर हालात उस समय और बिगड़ गए, जब कृष्णा डेयरी के पास निर्माण कार्य के कारण सड़क संकरी हो गई और एक ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। देखते ही देखते दोपहिया, चारपहिया, बसें और भारी वाहन सड़क पर रेंगने लगे। कुछ ही मिनटों में पूरा मार्ग जाम की चपेट में आ गया और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति इतनी खराब हो गई कि कई वाहन चालकों को अपने वाहन छोड़कर स्वयं सड़क पर उतरना पड़ा और यातायात सुचारु कराने का प्रयास करना पड़ा। आश्चर्य की बात यह रही कि जिस स्थान पर जाम की सबसे अधिक समस्या बनी हुई थी, वहां ट्रैफिक पुलिस का कोई जवान मौजूद नहीं था। लोग अपने स्तर पर वाहन हटाकर रास्ता साफ करते रहे, जबकि जिम्मेदार विभाग नदारद दिखाई दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका ने बरसात के बीच निर्माण कार्य शुरू कर बड़ी लापरवाही की है। यदि यही कार्य गर्मी के मौसम में किया जाता तो लोगों को इतनी परेशानी नहीं होती। निर्माण एजेंसी ने न तो वैकल्पिक मार्ग की समुचित व्यवस्था की और न ही निर्माण सामग्री को व्यवस्थित रखा। पाइप, मुरुम और अन्य सामग्री सड़क किनारे रखने के बजाय सीधे सड़क पर डाल दी गई, जिससे पहले से संकरी सड़क और भी बाधित हो गई। राहगीरों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य चल ही रहा था तो कम से कम भारी वाहनों और बसों को पहले ही दूसरे मार्ग से डायवर्ट किया जाना चाहिए था। गोंदिया रोड शहर का सबसे व्यस्त मार्ग है, जहां से प्रतिदिन सैकड़ों बसें, ट्रक, स्कूल वाहन और अन्य भारी वाहन गुजरते हैं। ऐसे में बिना ट्रैफिक प्लानिंग के सड़क खोद देना सीधे-सीधे लोगों को परेशानी में धकेलने जैसा है। गौरतलब है कि यह निर्माण कार्य केवल कृष्णा डेयरी तक सीमित नहीं है, बल्कि हनुमान चौक तक अलग-अलग स्थानों पर खुदाई और नाला निर्माण चल रहा है। इसके बावजूद कहीं भी प्रभावी ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था नहीं की गई। अंबेडकर चौक पर लगे ट्रैफिक सिग्नल भी कई दिनों से बंद पड़े हैं, जिससे वाहनों का दबाव और बढ़ गया है। परिणामस्वरूप शाम होते ही शहर के प्रमुख मार्गों पर जाम लगना अब आम बात बन चुकी है। शहरवासियों ने आरोप लगाया कि ट्रैफिक पुलिस की प्राथमिकता अब केवल हेलमेट और चालानी कार्रवाई तक सीमित होकर रह गई है। जहां यातायात नियंत्रण की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, वहां पुलिसकर्मी दिखाई नहीं देते। यदि समय रहते ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंच जाती और भारी वाहनों का डायवर्जन कराया जाता, तो इतनी विकट स्थिति पैदा नहीं होती। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर शहर में विकास कार्य तो कराए जा रहे हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन की कोई समुचित योजना नहीं है। बिना ट्रैफिक प्रबंधन, बिना सुरक्षा व्यवस्था और बिना वैकल्पिक मार्ग के निर्माण कार्य शुरू कर दिए जाते हैं, जिसका खामियाजा हर दिन आम जनता भुगत रही है। शहरवासियों ने जिला प्रशासन, नगर पालिका और यातायात पुलिस से मांग की है कि निर्माण कार्य के दौरान तत्काल प्रभाव से ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जाए, सड़क पर फैली निर्माण सामग्री हटाई जाए, प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त यातायात पुलिस तैनात की जाए और अंबेडकर चौक के बंद पड़े ट्रैफिक सिग्नलों को शीघ्र चालू कराया जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो बरसात के पूरे मौसम में शहरवासियों को रोजाना जाम और अव्यवस्था का सामना करना पड़ेगा।

लालबर्रा उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में दर्ज संख्या 1700 से अधिक

वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट उमावि. को सीएम राइज स्कूल (सांदीपनि विद्यालय) की मिल चुकी है स्वीकृति, नही हुई शुरू

कमरों की कमी से एक-एक कक्ष में बैठ रहे 100 से अधिक विद्यार्थी, पढ़ाई पर पड़ रहा असर, जिम्मेदार मौन

विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं स्कूल प्रबंधन ने अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कर बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने की प्रशासन से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा (प्रास्तवित सांदीपनी विद्यालय) में नये शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ चुकी है। कक्षा 1 से 12 वीं तक में विद्यार्थियों की कुल संख्या 1700 से अधिक के आंकड़े पार कर गई है। लेकिन छात्र-छात्राओं को इस भारी संख्या के चलते विद्यालय प्रशासन को मूलभूत अधोसंरचना, विशेषकर कक्षाओं (कमरों) की कमी का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि कुछ कक्षाओं में 100 से अधिक विद्यार्थियों को एक साथ बिठाकर पढ़ाने की मजबूरी बनी हुई है। ऐसी स्थिति में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। जबकि स्कूल प्रशासन के साथ ही विद्यार्थियों के अभिभावकों के द्वारा अतिरिक्त कक्ष का निर्माण करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन इस मांग की ओर जनप्रतिनिधि एवं जिम्मेदारों के द्वारा पूरा नही किया जा रहा है। जिससे सभी में रोष व्याप्त है। वहीं तीन वर्ष पूर्व इस विद्यालय को सांदीपनि (सीएम राइज) विद्यालय बनाने की घोषणा की गई थी लेकिन बाद में इस विद्यालय को राजनीतिक कारणों के चलते लेंडेझरी में बना दिया गया। जिसके बाद द्वितीय चरण में लालबर्रा उत्कृष्ट विद्यालय को सीएम राइज विद्यालय बनाने की घोषणा की गई है। यानि की सीएम राइज (सांदीपनि विद्यालय) प्रस्तावित है लेकिन शासन स्तर से अब तक सांदीपनि विद्यालय नियमानुसार घोषित नही किया गया है, न ही भवन, शिक्षक एवं अन्य सुविधा मुहैया भी नही करवाया गया है और वर्तमान में उत्कृष्ट विद्यालय के नाम से ही विद्यालय संचालित हो रहा है। लेकिन इस विद्यालय को सांदीपनि विद्यालय बनने एवं इंग्लिश मीडियम होने के कारण बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को इसी विद्यालय में पढ़ाना चाह रहे है जिसके चलते विद्यार्थियों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ते जा रही है। वर्ष 2026-27 मे 1700 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत है। किन्तु कक्षों के कमी के कारण कुछ कक्षों में 100 से अधिक विद्यार्थियों को बिठाया जा रहा है जिससे पढ़ाई प्रभावित हो रही है और हर कक्ष में 70 से अधिक ब%चें पढ़ाई कर रहे। जबकि शासन की मंशा है कि 40 विद्यार्थी एक कक्ष में बैठकर पढ़ाई करेगें। लेकिन उत्कृष्ट विद्यालय में उससे दुगुना विद्यार्थी एक कक्ष में पढ़ाई करने मजबूर है। जिससे शिक्षकों को अध्यापन कार्य करवाने एवं विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में परेशानी हो रही है।

40-50 की जगह 100 छात्र बैठ रहे है एक कक्ष में, अतिरिक्त कक्ष निर्माण की उठी मांग

आपकों बता दे कि प्रदेश के हर क्षेत्र में गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सरकार के द्वारा जिले के समस्त विकासखण्डों में सीएम राइज स्कूल (सांदीपनी विद्यालय) खोले गये है। जिसका मुख्य उद्देश्य है कि ब%चों को ज्ञान, कौशल और नागरिकता के संस्कार देना एवं भारतीय संस्कारों की शिक्षा के साथ-साथ पाठ्यपुस्तक की बेहतर शिक्षा प्रदान करना। ताकि वे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपना भविष्य बेहतर बना सके और सीएम राइज स्कूल में पढ़ाने के लिए शिक्षकों की अलग से परीक्षा आयोजित कर उनकी पदस्थापना की जाती है जिनके द्वारा शिक्षा अध्यापन कार्य संपन्न करवाया जाता है। इसी तरह लालबर्रा विकासखण्ड में प्रथम चरण में शासकीय उत्कृष्ट उमावि. लालबर्रा को सीएम राइज स्कूल (सांदीपनि विद्यालय) घोषित किया गया था परन्तु राजनीतिक कारणों के चलते यह विद्यालय लेण्डेझरी में चले गया जहां सांदीपनि विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) संचालित हो रहा है एवं करोड़ों रूपयों की लागत से भवन का निर्माण किया गया है। वहीं सीएम राइज स्कूल के द्वितीय चरण में वर्ष 2024-25 में शासकीय उत्कृष्ट उमावि. लालबर्रा को सीएम राइज स्कूल की स्वीकृति मिल चुकी है। लेकिन अब तक नवीन भवन का निर्माण नही किया गया है, न ही शासन स्तर से उक्त विद्यालय को सीएम राइज (सांदीपनि विद्यालय) नही बनाया गया है, वर्तमान में उत्कृष्ट विद्यालय के नाम पर ही स्कूल संचालित हो रहा है। किन्तु सांदीपनि विद्यालय के नाम पर ही बच्चें अपना प्रवेश ले रहे है जिसके चलते वर्तमान में विद्यालय में 1700 से अधिक बच्चों ने प्रवेश लिये है किन्तु कक्षों की कमी के कारण पढ़ाई प्रभावित हो रहे है। जबकि शासन-प्रशासन को सांदीपनि विद्यालय द्वितीय चरण में बनाने की घोषणा की गई है तो नवीन भवन का निर्माण के साथ ही सांदीपनि विद्यालय के नियमानुसार विद्यालय का संचालन करना चाहिए है या फिर उत्कृष्ट विद्यालय में ही अतिरिक्त कक्ष का निर्माण करवाना चाहिए ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो सके।

अतिरिक्त कक्ष का निर्माण जल्द करवाये प्रशासन - सनत

चर्चा में स्कूल प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि शास. उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा की साख क्षेत्र में पहले से ही काफी अच्छी रही है। वर्तमान में यहां अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई के साथ-साथ वोकेशनल एजुकेशन (आईटी एवं स्वास्थ्य देखभाल/हेल्थकेयर) की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। इसलिए निजी स्कूलों को छोड़कर अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला इस सरकारी स्कूल में करवा रहे हैं, क्योंकि अन्य सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम और ऐसी आधुनिक व्यावसायिक शिक्षा का विकल्प उपलब्ध नहीं है। साथ ही यह भी बताया कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सांदीपनि विद्यालय (सीएम राइज) बनाने के लिए इस विद्यालय का नाम पहले एवं दूसरे चरण में चिन्हित किया गया है। अभिभावकों को उम्मीद है कि भविष्य में यह विद्यालय सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एक मॉडल स्कूल बनेगा, जिसके चलते प्रवेश संख्या बड़ी है। श्री दुबे ने बताया कि छात्रों की संख्या अधिक होने से भवनों एवं कमरों की कमी बनी हुई है और दो से तीन कक्षों में 100 से अधिक विद्यार्थी एक कक्ष में बैठ रहे है। साथ ही शिक्षकों का पर्याप्त स्टाफ है और पढ़ाई भी अच्छी हो रही है लेकिन कक्ष संख्या कम होने से कुछ परेशानी हो रही है। शासन-प्रशासन से अतिरिक्त कक्ष निर्माण की मांग की गई है, भवन का निर्माण होने से कक्षाओं में बैठने की समस्या का स्थायी समाधान हो जायेगा।

जनपद सदस्य दीपक कावरे ने कार्यालय में मनाया दतिया जीत का जश्न, बांटी मिठाइयां

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद लालबर्रा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। जनपद सदस्य दीपक कावरे ने अपने कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ मिठाई खिलाकर जीत की खुशी का इजहार किया और एक-दूसरे को बधाई दी। जनपद सदस्य दीपक कावरे ने कहा कि दतिया की जीत केवल एक विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण मध्यप्रदेश की जनता की जीत है। दतिया चुनाव के परिणामों ने सिध्द कर दिया है कि जनता के सामने अहंकार की हार हुई है और सत्य की जीत हुई है। यह जीत प्रदेश के प्रत्येक मेहनतकश नागरिक, किसान, मजदूर, बेरोजगार युवाओं और व्यापारियों के संघर्ष की जीत है। श्री कावरे ने कहा कि आज महंगाई चरम सीमा पर पहुंच चुकी है, जिससे आम जनता, युवा और व्यापारी वर्ग परेशान है, जनता भाजपा को नकार रही है। दतिया विधानसभा में उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी की इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय दतिया की सम्मानित जनता, हमारे प्रदेश नेतृत्व जीतू पटवारी और संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं को जाता है। साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के कुशल नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि इस परिणाम से पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं में नये उत्साह का संचार हुआ है। आगामी समय में प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी जी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में निश्चित रूप से कांग्रेस की सरकार बनेगी। इस अवसर पर जनपद सदस्य दीपक कावरे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वैश्य समाज महिला मंडल का 'सावन झूला' उत्सव कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। श्रावण मास के पावन अवसर पर वैश्य समाज महिला मंडल लालबर्रा के तत्वाधान में 4 अगस्त को शाम 4 बजे से नगर मुख्यालय स्थित गार्डन में भव्य 'सावन झूला' उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस उत्सव में वैश्य समाज की बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होकर पारंपरिक ढंग से सावन का स्वागत करेंगी। चर्चा में वैश्य समाज महिला मंडल लालबर्रा के पदाधिकारी श्रीमती सरोजिनी अवधिया ने बताया कि सावन के पवित्र महीने में महिलाओं द्वारा झूला झूलने और खुशियां बांटने की यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। इस प्राचीन संस्कृति व परंपरा को जीवंत बनाये रखने के लिए लालबर्रा में प्रतिवर्ष वैश्य समाज महिला मंडल द्वारा यह विशेष आयोजन किया जाता है। इस दौरान महिलाएं पारंपरिक सावन गीतों, झूला उत्सव और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से आपस में एकजुट होकर खुशहाली और समृध्दि की कामना करेंगी। समाज की वरिष्ठ प्रतिनिधि सरोजिनी अवधिया एवं महिला मंडल ने वैश्य समाज की सभी महिलाओं से अपील की है कि वे अधिक संख्या में लालबर्रा गार्डन पहुंचकर इस 'सावन झूला' कार्यक्रम में उपस्थित होवें।

दतिया उपचुनाव जीत पर लालबर्रा में जश्न, कांग्रेसियों ने बांटी मिठाइयां

बस स्टैंड में जमकर हुई आतिशबाजी, कार्यकर्ताओं ने शीर्ष नेतृत्व और दतिया की जनता को दिया जीत का श्रेय

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश की बहुचर्चित दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह की ऐतिहासिक जीत पर लालबर्रा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर व्याप्त है। इस जीत की खुशी में लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा सोमवार को नगर मुख्यालय स्थित बस स्टैंड पर आतिशबाजी कर जश्न मनाया गया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर जीत की बधाई दी। साथ ही इस जीत का श्रेय कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की दूरदर्शी नीतियों और दतिया की जनता के अटूट विश्वास को दिया है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि दतिया विधानसभा उपचुनाव का यह परिणाम प्रदेश में लगातार बढ़ रही बेरोजगारी, पेपर लीक मामलों और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आम मतदाताओं का स्पष्ट जनादेश है। दतिया के जागरूक मतदाताओं ने यह साबित कर दिया है कि रा'य की वर्तमान भाजपा सरकार से जनता का पूरी तरह से मोहभंग हो चुका है। आगे कहा कि भाजपा सरकार के पास अब केवल ढाई साल का कार्यकाल शेष बचा है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह द्वेषपूर्ण राजनीति से ऊपर उठकर गरीब, शोषित, पीड़ित और वंचित वर्गों के वास्तविक कल्याण के लिए काम करे। वहीं कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि राहुल गांधी के कुशल नेतृत्व में आने वाले समय में प्रदेश और देश दोनों जगह कांग्रेस की मजबूत सरकार बनेगी। युथ कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष अंकित पिपलोद ने बताया कि दतिया उपचुनाव में पूरी भाजपा सरकार जोर लगा रही थी, लेकिन जनता ने कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह जी को प्रचंड मतों से विजयी बनाया है। दतिया तो केवल एक झांकी है, असली परिणाम 2028 के विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव में दिखेगा, जब देश की जनता जननायक राहुल गांधी जी के नेतृत्व में केंद्र से भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकेगी। ब्लाक कांग्रेस कमेटी पूर्व उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे ने बताया कि प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी और लगातार हो रहे पेपर लीक के खिलाफ जनता ने अपना जनादेश दिया है। यह परिणाम भारतीय जनता पार्टी के कुशासन के खिलाफ जनता का सीधा संदेश है। दतिया में कांग्रेस पार्टी की जीत से कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर व्याप्त है और लालबर्रा बस स्टैण्ड में आतिशबाजी एवं मिठाईयां बांट कर जीत का जश्न मनाया गया है। श्री ढांडे ने बताया कि प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है और आने वाले समय में मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनीराम भोयर, जिला सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर, पूर्व उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विनीता सोनी, दीपक तोमर, अमीनुद्दीन हन्फी, गोविंद पटले, ओपी बिसेन, मुनेन्द्र ठाकरे, विनोद सोनी, प्रेमसिंह मर्सकोले, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अंकित पिपलोद, एनएसयूआई सहित सभी विंगों के प्रमुख पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वैनगंगा का पवित्र जल लेकर दादा कोटेश्वर धाम पहुंचेगी डाक कांवड़, समनापुर से निकलेगी आस्था और शिवभक्ति की अनवरत यात्रा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन माह में भगवान भोलेनाथ की आराधना को समर्पित धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला में इस वर्ष भी ग्राम समनापुर से भव्य डाक कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रद्धा, अनुशासन और सनातन परंपरा का प्रतीक बन चुकी यह यात्रा 5 अगस्त, बुधवार को प्रात: 8 बजे ग्राम समनापुर स्थित पावन वैनगंगा नदी से जल भरकर प्रारंभ होगी। विशेष बात यह रहेगी कि डाक कांवड़ परंपरा के अनुसार कांवड़िए बिना रुके और निर्धारित धार्मिक नियमों का पालन करते हुए लगातार यात्रा पूरी करेंगे तथा लांजी स्थित दादा कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक करेंगे। डाक कांवड़ यात्रा समिति के प्रभारी त्रिलोक सुलाखे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह यात्रा इस वर्ष अपने चौथे वर्ष में प्रवेश कर रही है। बीते तीन वर्षों से यह धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है और हर वर्ष इसमें शिवभक्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यात्रा ग्राम समनापुर से प्रारंभ होकर भटेरा चौकी, बालाघाट शहर के काली पुतली चौक, आंबेडकर चौक, हनुमान चौक, कोसमी, नवेगांव, हट्टा और किरनापुर होते हुए लांजी स्थित दादा कोटेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी, जहां मां वैनगंगा का पवित्र जल भगवान शिव को अर्पित किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि डाक कांवड़ केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा, सेवा, अनुशासन और सनातन संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। यात्रा के दौरान शिवभक्त पूरी निष्ठा और नियमों के साथ बिना विश्राम किए अपनी मंजिल तक पहुंचते हैं और जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से जिले की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना करते हैं। यह भव्य आयोजन महाकाल सेवा मंडल समनापुर एवं हनुमान मंदिर समिति समनापुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। समिति ने जिलेभर के शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। समिति का कहना है कि सावन मास में डाक कांवड़ यात्रा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। मां वैनगंगा का पवित्र जल लेकर भगवान शिव का अभिषेक करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक एकता का संदेश भी प्रसारित होता है। इसी उद्देश्य के साथ इस वर्ष भी बड़ी संख्या में शिवभक्तों के यात्रा में शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

पुरानी रंजिश में युवक पर कुल्हाड़ी और लाठियों से जानलेवा हमला,हालत गंभीर

नागपुर में घायल का उपचार जारी पुलिस जुटी जांच में

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रजेगाँव में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर प्राणघातक हमला करने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। तीन आरोपियों ने मिलकर युवक को रास्ते में रोककर गंदी.गंदी गालियाँ दीं और जान से मारने की नियत से कुल्हाड़ी व लाठियों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक की नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रिफर किया गया है जहाँ उसकी स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है।

सत्संग से लौटते वक्त रास्ते में घेरा

प्राप्त जानकारी और पुलिस फरियादी रमेश नगपुरे ५५ वर्ष निवासी वार्ड नं.१४ रजेगाँव ने शिकायत में पुलिस को बताया कि १ अगस्त २०२६ की रात लगभग ९.३० बजे वह अपने साथी बस्तन लिल्हारे ३६ वर्ष और कोमलसिंह जचपेले के साथ बरबसपुर सत्संग से मोटरसाइकिल से अपने गाँव रजेगाँव लौट रहे थे।जैसे ही बस्तन लिल्हारे की मोटरसाइकिल सरदार पटेल कॉलेज मदरसा रोड पर पहुँची तभी गाँव के ही पंकज नगपुरे, अनिल खरे और प्रकाश खरे ने पुरानी रंजिश को लेकर बस्तन को रोक लिया और विवाद करने लगे। उस वक्त किसी तरह बीच.बचाव कर सभी अपने घर चले गए।

दुर्गा चौक पर घात लगाकर किया हमला

इसके बाद जब रमेश नगपुरे, बस्तन लिल्हारे को उसके घर छोड़कर पुन: लौट रहे थे तभी गाँव के दुर्गा चौक पर साहेबलाल की दुकान के सामने पहले से मौजूद तीनों आरोपियों पंकज नगपुरे, अनिल खरे और प्रकाश खरे ने बस्तन की मोटरसाइकिल को दोबारा जबरन रोक लिया। आरोपियों के हाथों में लकड़ी के डंडे और कुल्हाड़ी थी। पुरानी दुश्मनी का बदला लेने और जान से खत्म करने की नियत से आरोपी अनिल खरे ने बस्तन के सिर के पीछे कुल्हाड़ी से जानलेवा वार कर दिया जिससे बस्तन के सिर से खून का फव्वारा फूट पड़ा। इसके बाद पंकज नगपुरे और प्रकाश खरे ने लाठियों से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

सिर, हाथ, पैर और कमर पर आए गंभीर घाव

घातक हमले में बस्तन लिल्हारे के सिर के पिछले हिस्से, बाएँ हाथ की कोहनी, बाएँ पैर के घुटने, दाहिने हाथ की हथेली, कमर तथा दाहिने पैर के घुटने में गंभीर चोटें आईं। घटनास्थल पर चीख पुकार सुनकर फरियादी रमेश नगपुरे ने गाँव के लोगों को आवाज दी। मौके पर कोमलसिंह जचपेले और लोकेशसिंह जचपेले को दौड़कर आते देख तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।

नागपुर किया गया रिफर हालत बेहद नाजुक

घटना के तुरंत बाद लहूलुहान अवस्था में घायल बस्तन लिल्हारे को १०८ एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत बहुत ज्यादा नाजुक और गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए नागपुर रिफर कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज किया। वारासिवनी थाने में आरोपियों पंकज नगपुरे,अनिल खरे एवं प्रकाश खरे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा २९६ बी,१०९,१, १२६, ३५१,३,,३/५ के तहत अपराध क्रमांक ३८७/२६ कायम कर मामला विवेचना में लिया है। प्रकरण की विवेचना की जा रही है पुलिस की टीमें आरोपियों की पतासाजी एवं जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं।

इनका कहना हैं

मौखिक रूप से बताया कि तीनो व्यक्ति सत्संग से लौट रहे थे उसमें शामिल बस्तन लिल्हारे पर तीन व्यक्तियों के द्वारा हमला कर दिया गया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल था जिसकी हालत काफी नाजुक है मामले में अपराध दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

अभिषेक चौधरी
एसडीओपी वारासिवनी

चावल घोटाले में संचेती राइस मिल का अकाउंटेंट गिरफ्तार

कोर्ट ने अकाउंटेंट को पुलिस रिमांड पर भेजा,बाकि ६ आरोपी जेल दाखिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारतीय खाद्य निगम के बहुचर्चित चावल घोटाले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। मामले की जांच कर रही एसआईटी पुलिस टीम ने इस घोटाले में संचेती राइस मिल के अकाउंटेंट को नया आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। वहीं रिमांड अवधि समाप्त होने पर न्यायालय में पेश किए गए अन्य ६ आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

पूछताछ में धाराया एक नया आरोपी

विशेष जांच टीम के द्वारा चावल घोटाले में लगातार आरोपी बना कर रिमांड में पूछताछ की जा रही थी। ऐसे में छह आरोपी पूर्व से रिमांड पर थे जिसमें पूछताछ में आए तथ्यों के आधार पर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले में नए आरोपी अकाउंटेंट संचेती राइस मिल को गिरफ्तार किया हैं। जिसे न्यायालय में पेश कर अकाउंटेंट को पूछताछ के लिए न्यायालय ने पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है।

यह ६ आरोपी जेल भेजे गए

घोटाले में पूर्व में गिरफ्तार किए गए ६ आरोपियों की पुलिस रिमांड अवधि ३ अगस्त को समाप्त होने पर उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। कोर्ट ने सुनवाई के बाद सभी ६आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया हैं, इसमें पूर्व मंत्री एवं भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे के भतीजे अविनाश पिता स्व. सरोज कावरे निवासी बघोली, राजेश पिता लूनकरण संचेती निवासी नेहरू चौक वार्ड नं.१५ वारासिवनी, गोपाल पिता हीरालाल ठाकुर निवासी आवलाझरी, विनोद पिता गोपाल दत्त शर्मा निवासी चित्रगुप्त नगर वार्ड नं.६ बालाघाट, सोनू पिता बालकृष्ण जैन निवासी जेतो जिला फरीदकोट पंजाब, कुंजबिहारी पिता जगलाल पटले निवासी नैतरा शामिल हैं।

पूछताछ में खुलेंगी घोटाले की और परतें

जानकारी अनुसार संचेती राइस मिल के अकाउंटेंट से रिमांड के दौरान गहन पूछताछ की जा रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि आरोपी से पूछताछ के बाद एफसीआई चावल घोटाले से जुड़े कई अन्य अहम सुराग और बड़े नामों का खुलासा हो सकता है। पुलिस इस पूरे सिंडिकेट के नेटवर्क और वित्तीय लेनदेन की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हुई है। मामले में आगे भी कई बड़ी गिरफ्तारियों होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

दतिया उपचुनाव की जीत पर कांग्रेसियों ने मनाई खुशी, आतिशबाजी कर बांटी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के जय स्तंभ चौक पर कांग्रेसियों के द्वारा दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी की जीत का जश्न मनाया गया। यह खुशियां विधायक विवेक पटेल की उपस्थिति में मनाई गई। जीत की खबर मिलते ही भारी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता और पदाधिकारी विधायक जनसंपर्क कार्यालय में एकत्रित हुए। जहां से पैदल रैली निकाल कर सभी जय स्तंभ चौक पहुंच कर जीत का जश्न मनाये। इसमें जय स्तंभ चौक पर जमकर आतिशबाजी कर उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी तथा राहगीरों व स्थानीय नागरिकों में भी मिठाइयां बांटी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद सहित अनेक प्रकार के नारे लगाए गए। विधायक विवेक पटेल ने बताया कि यह ऐतिहासिक जीत है जैसा जनता पर चुनाव थोपा गया था जीते हुए प्रत्याशी को हटाया गया था। इस चुनाव में सरकार सत्ता भीड गई थी फिर भी दतिया की जनता ने मां बगलामुखी के आशीर्वाद से कांग्रेस प्रत्याशी को विजयी बनाई। सरकार के खिलाफ यह जनादेश है किसान युवा व्यापारी पर जो अत्याचार हुआ है उसका बदला लिया गया है। जनता में आक्रोश है प्रदेश में महंगाई भ्रष्टाचार बेरोजगारी के प्रति लोगों का आक्रोश था। यह जनादेश २०२८ बता रहा है यह सेमीफाइनल है बहुत बड़ी जीत है हम भी वहां प्रचार करने गए थे सभी का आशीर्वाद से चुनाव जीते हैं। कांग्रेस में उत्साह का माहौल है सभी कार्यकर्ता उत्साहित है। इस अवसर पर कांग्रेसजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गटापायली-जरामोहगांव मार्ग स्थित नाले में मिला अज्ञात महिला का शव,क्षेत्र में फैली सनसनी

पुलिस ने शव बरामद कर महिला की शिनाख्त एवं जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत गटापायली से जरामोहगांव मार्ग पर स्थित नाले में ३ अगस्त की सुबह एक अज्ञात महिला का शव मिलने से पूरे ग्रामीण अंचल में हड़कंप मच गया। नाले के पानी में शव तैरता देख मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची वारासिवनी पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। फिलहाल महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है और पुलिस पहचान जुटाने के प्रयासों में लगी हुई है।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गटापायली के ग्रामीण रोजाना काम और आवाजाही के लिए जरामोहगांव की ओर आते जाते हैं। सोमवार की सुबह जब कुछ ग्रामीण इस मार्ग से गुजर रहे थे तब उन्होंने नाले के पानी में एक महिला का शव बहते हुए देखा। घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हो गए। ग्रामीणों के द्वारा तुरंत इसकी सूचना थाना वारासिवनी को दी गई। सूचना मिलते ही सहायक उप निरीक्षक धनेश वल्के पुलिस आरक्षकों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच पड़ताल की और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ कर जरूरी जानकारी जुटाई। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत करते हुए नाले में तैर रहे शव को सुरक्षित बाहर निकाला गया। शव बाहर निकालने के बाद पुलिस ने आसपास के कई गांवों के लोगों को बुलाकर मृतक महिला की पहचान कराने की कोशिश की लेकिन शव की शिनाख्त संभव नहीं हो सकी। इसके उपरांत पुलिस ने नगर पालिका के शव वाहन की मदद से शव को सिविल अस्पताल वारासिवनी के शव विच्छेदन गृह पहुंचाया जहां उसे सुरक्षित फ्रीजर में रखवा दिया गया है।

३ दिन पुराना शव बहकर आने की आशंका

पुलिस व प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला का शव काफी डीकंपोज गल.पच चुका है जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि मौत करीब ३ दिन पहले हुई होगी। बताया जा रहा है कि यह नाला आगरी क्षेत्र की ओर से बहकर आता है। बीते दिनों इलाके में हुई भारी बारिश के कारण क्षेत्र के नदी नाले उफान पर थे। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि महिला का शव ऊपरी इलाके से पानी के तेज बहाव में बहकर यहां तक आया होगा। फिलहाल वारासिवनी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के थानों में गुमशुदगी की दर्ज रिपोर्टों के आधार पर महिला की शिनाख्त करने की हर संभव कोशिश कर रही है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि थाने में सूचना आई थी इसमें ग्रामीणों ने नाले में अज्ञात महिला का शव डूबा होने की बात कही थी। मौके पर जाकर आवश्यक जांच एवं कार्यवाही कर शव को सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रख दिया है। महिला की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है अभी तक पहचान अज्ञात है। बॉडी पुरानी है बहुत ज्यादा डीकंपोज हो गयी हैं।

महाविद्यालय के प्रयोगशाला सहायक संतोष कुमार त्रिवेदी की प्रयोगशाला तकनीशियन शिक्षक पद पर हुई पदोन्नति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शंकर साव पटेल शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी में लंबे समय से सेवारत प्रयोगशाला सहायक संतोष कुमार त्रिवेदी के लिए वर्ष २०२६ की यह छमाही अत्यंत हर्ष और गौरव की सौगात लेकर आई है। विगत लगभग ३६ वर्षों से संस्था को अपनी निष्ठावान सेवाएँ दे रहे संतोष त्रिवेदी का पदोन्नति का बहुप्रतीक्षित इंतजार अब समाप्त हो गया है। उन्हें प्रयोगशाला तकनीशियन शिक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संतोष कुमार त्रिवेदी वर्ष १९९० से वारासिवनी के शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में प्रयोगशाला सहायक के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। अपनी नियुक्ति के समय से ही वे महाविद्यालय की प्रयोगशालाओं का सुचारू संचालन और विद्यार्थियों की सहायता पूरी लगन से करते आ रहे थे। वे पिछले काफी समय से अपनी पदोन्नति की राह देख रहे थे। श्री त्रिवेदी की यह पदोन्नति शासन के नियमानुसार एवं उच्च शिक्षा विभाग के स्पष्ट दिशा निर्देशों कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश शासन भोपाल पत्र दिनांक ३०/०८/२००० द्वारा यह स्पष्ट किया गया था कि उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रयोगशाला तकनीशियन के पद को शैक्षणिक शाखा के अधीन माना गया है। जिसमें कार्यालय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर के आदेश और पात्रता के संदर्भ में अतिरिक्त संचालक कार्यालय द्वारा जारी आदेश १२/०७/२०२६ के अनुपालन में संतोष कुमार त्रिवेदी को प्रयोगशाला तकनीशियन शिक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया। शैक्षणिक पद पर पदोन्नति मिलने से श्री त्रिवेदी उनके परिजनों और इष्ट.मित्रों में अत्यंत हर्ष व्याप्त है। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सत्यशिला गेडाम के साथ साथ संस्था के सभी वरिष्ठ प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं साथी कर्मचारियों ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएँ दी हैं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी शैक्षणिक कार्यकाल के लिए मंगलकामनाएँ व्यक्त की हैं।

सांदीपनी विद्यालय में संभागीय योग प्रतियोगिता प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरकार की मंशा होती है कि वह अपने राज्य या देश के हर नागरिक को अपने स्तर पर लाभ पहुंचाए और इस कार्य के लिए हर प्रकार के विभाग बने होते है। और वे विभाग अपने स्तर पर योजना बनाकर सभी नागरिक को लाभान्वित करती है। स्कूल शिक्षा विभाग की शिक्षा विभाग के द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न प्रकार से छात्र छात्राओं को अपनी योजना के अनुसार कार्य करता है। वर्तमान समय में विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया जा रहा है। सांदीपनी विद्यालय वारासिवनी में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन के निर्देशन, सांदीपनी विद्यालय प्राचार्य हुमराज पटले, जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी के मार्गदर्शन, जिला योग प्रभारी कृष्ण कुमार कुशवाहा, अशोक शिवने, संभागीय पर्यवेक्षक हरीश धुवारे, प्राचार्य अरविंद पारधी एवं जबलपुर संभाग के विभिन्न जिलों से आए कोच, मैनेजर और खिलाड़ी की गरिमामय उपस्थिति में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती माता की पूजा कर अतिथि का स्वागत से किया गया। कार्यक्रम में संस्था प्राचार्य हुमराज पटले ने कहा कि सभी खिलाड़ी अपने खेल पर ध्यान दें और आने वाली प्रतियोगिता के विजेता उपविजेता को शुभकामनाएं दी। वही जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी ने कहा कि आप सभी को खेल भावना से खेलना है। आप सभी के लिए उचित आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था कर दी गई है आप सभी अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के द्वारा विभिन्न आसन,आर्टिस्ट्री रिद्धमिक प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा रहा है। कार्यक्रम का मंच संचालन कमल टेंभरे के द्वारा किया गया। इस दौरान राजेंद्र सहारे, लखन रिनायत, राजेश सोनेकर, दुर्गाप्रसाद राहंगडाले, श्रीमती आशा सुलाखे, श्रीमती कँचनबाला फुलबाधे ,चंदशेखर पटले, थानसिंह राणा, जय ठाकरे, नवजीत दुबे, प्रेमेंद्र पारधी, हेमंत माहुले सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हेल्थ क्लब कालोनी के नवीन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नं. ५ हेल्थ क्लब कालोनी में श्री गणेश ,श्री हनुमान, श्री नर्मदेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की मनुष्य के द्वारा ईश्वर की मूर्ति का निर्माण करने के बाद उसमें ईश्वरीय गुण और ईश्वर की समस्त शक्तियों को समाहित करने के लिये वैदिक मंत्रो एवं अनेक विधि विधान द्वारा प्राण प्रतिष्ठा की जाती है। जिससे पाषाण मुर्ति में प्राणो का संचार हो जाता है। इस शुभ अवसर पर मंदिर परिसर में ही पंचव्रक्ष पौधो का रोपण किया गया। जिसमें पीपल, बरगद,बेल, अशोक और आंवला के पौधारोपण किया गया। इनको एक साथ लगाने और इनकी पूजा करने से घर में सुख शांति का वास होने के साथ साथ पर्यावरण भी शुद्ध होता है। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे, धर्मू जोशी, मोनू लिमजे, सोनू जायसवाल, शरद दुबे, राम रूसिया, विजय वहिले,कन्हैयालाल राजपुरोहित,राजकुमार मिश्रा,अभिजीत ठाकुर,पवन रिनायत,श्री मंडलेकर,श्री तिवारी,श्रीवास सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बंद करो राष्ट्रवाद का प्रमाण पत्र बांटना ?

दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों नीट पेपर लीक मामले के खिलाफ 36 दिनों तक चला छात्र आंदोलन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद समाप्त हुआ। इस आंदोलन के राष्ट्रव्यापी होने से पहले ही सरकार ने आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें स्वीकार करते हुये यह साबित कर दिया कि यदि छात्र व युवा संगठित हों और उनकी मांगें भी जायज हों तो बहुमत वाली सरकार को भी झुकाया जा सकता है और हमारी सरकार में इस्तीफे नहीं होते जैसे सत्ता के अहंकारी मिथक को तोड़ा जा सकता है। परन्तु इस आंदोलन के दौरान और आंदोलन समाप्त होने के बाद भी मीडिया से लेकर सत्ता समर्थक नेताओं व तथाकथित सेलेब्रिटी द्वारा आंदोलनकारी युवाओं के प्रति अत्यंत अभद्र व आपत्तिजनक भाषाओँ का इस्तेमाल किया जाता रहा। निश्चित रूप से लगभग नेतृत्वविहीन से समझे जाने वाले इस आंदोलन में कुछ छात्र छात्राएं ऐसे भी थे जिन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से कई ऐसी अभद्र बातें कीं जिन्हें शिक्षित छात्रों की भाषा कतई नहीं कहा जा सकता। कुछ युवाओं द्वारा तो प्रधानमंत्री मोदी व उनकी दिवंगत माताजी के विरुद्ध आपत्तिजनक व अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। हालांकि नरेंद्र मोदी ने एक वीडिओ जारी कर उन्हें माफ भी कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कभी-कभी गल्ती से दांतों के बीच जीभ आ जाती है और खून निकल आता है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ते क्योंकि दांत और जीभ दोनों हमारे अपने हैं। परन्तु यह भी सच है कि गिनती के ऐसे युवाओं की गाली गलौज वाली भाषा के आधार पर पूरे आंदोलन,उसके विचारों व उसकी आत्मा का गला भी नहीं घोंटा जा सकता। उनके बहाने समस्त आंदोलनकारी युवाओं को अपमानित नहीं किया जा सकता। परन्तु ऐसा ही किया जा रहा है। भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रानावत जिन्होंने स्वयं अपने एक साक्षात्कार में अपने ही अतीत को लेकर कुछ ऐसे रहस्योद्घाटन किये थे जिन्हें सुनकर किसी भी व्यक्ति का सिर शर्म से झुक जाये,वही कंगना, छात्र आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ पहले तो अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर और बाद में संसद परिसर में मीडिया के सामने बेहद आपत्तिजनक बयान देती हैं? वे आंदोलनकारी छात्रों को गटर जनरेशन और गटर छाप गंदगी और बदसूरत कहकर संबोधित करती हैं। वे कहती हैं कि जंतर-मंतर आंदोलन के वायरल वीडियो को देखकर उन्हें उबकाई आती है। वे इस पूरे प्रदर्शन को कचरा तथा भद्देपन का प्रदर्शन बताती हैं। वे कहती हैं कि प्रदर्शन करने वाले युवाओं को नीट का कुल फॉर्म भी नहीं पता होगा। गोया कंगना युवाओं की वैध नाराज़गी को समझने के बजाय चंद बेहूदगी दिखाने वाले छात्रों को सम्बोधित करने के बजाये उन्हीं की आड़ में पूरे आंदोलन व आंदोलनकारी युवाओं का तिरस्कार कर उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश करती हैं। आंदोलनकारी युवाओं को अपमानित करने उन्हें धमकाने व नीचा दिखाने की ऐसी ही कोशिश टी. जी. मोहनदास नामक एक ऐसे व्यक्ति द्वारा की गयी जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ा केरल का एक प्रमुख दक्षिणपंथी राजनीतिक विश्लेषक, हिंदुत्व विचारक और भारतीय जनता पार्टी का राज्य बौद्धिक सेल का पूर्व प्रमुख है। इस व्यक्ति ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ अपने यूट्यूब चैनल पत्रिका पर एक अत्यंत आपत्तिजनक,विवादित और हिंसक बयान दिया था। इस ने अपने वीडियो में प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाते हुए कहा कि अगर मैं जिम्मेदार (अधिकार) में होता, तो जंतर-मंतर के चार वर्ग किलोमीटर के इलाके में कर्फ्यू लगा देता। मैं लोगों से तीन बार वहां से हटने के लिए कहता और इसके बाद सीधे गोली चलवा देता।

पश्चिम एशिया में फिर युद्ध का खतरा; क्या दुनिया एक और महाविनाश की ओर बढ़ रही है?

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां एक छोटी-सी चिंगारी पूरे क्षेत्र को भीषण युद्ध की आग में झोंक सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ता तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष शुरू होता है तो इसका प्रभाव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुकाएगी।

हाल के दिनों में अमेरिका की ओर से दिए गए कड़े संकेत और ईरान की आक्रामक चेतावनियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। वहीं ईरान ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि उसके रणनीतिक ठिकानों पर हमला हुआ तो उसकी प्रतिक्रिया केवल अपने भूभाग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों और इजरायल को भी इसका सामना करना पड़ सकता है।

युद्ध की भाषा हमेशा विनाश की प्रस्तावना होती है। इतिहास बताता है कि जब राष्ट्र संवाद की बजाय सैन्य शक्ति पर भरोसा करने लगते हैं तो परिणाम केवल तबाही होता है। अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि ईरान लगातार यह कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण और ऊर्जा उत्पादन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।परमाणु कार्यक्रम पर अविश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार खराब किया है। आर्थिक प्रतिबंध, तेल निर्यात पर रोक, वित्तीय प्रतिबंध और सैन्य दबाव ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। अब यदि यह विवाद खुले युद्ध में बदलता है तो उसके परिणाम केवल सैन्य नहीं बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय भी होंगे।

आधुनिक युद्धों में केवल सैनिकों पर हमला नहीं किया जाता बल्कि विरोधी देश की आर्थिक रीढ़ को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है। ऊर्जा प्रतिष्ठान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होते हैं। तेल रिफाइनरी, गैस संयंत्र, बिजलीघर और पाइपलाइन किसी राष्ट्र की जीवनरेखा हैं। यदि इन पर हमला होता है तो केवल ऊर्जा उत्पादन ही प्रभावित नहीं होता बल्कि उद्योग, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, संचार व्यवस्था और आम नागरिकों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है।ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों में शामिल है। ऐसे में उसके ऊर्जा ढांचे पर किसी भी प्रकार का हमला वैश्विक तेल बाजार को तुरंत प्रभावित कर सकता है।

दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा का सबसे संवेदनशील बिंदु होर्मुज जलडमरूमध्य माना जाता है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।यदि युद्ध की स्थिति में यह मार्ग बाधित होता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर पड़ेगा, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करते हैं।पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, विमान ईंधन और बिजली उत्पादन की लागत बढने से महंगाई तेज होगी। परिवहन से लेकर खाद्य पदार्थों तक हर क्षेत्र प्रभावित होगा। भारत के पश्चिम एशिया के लगभग सभी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। लाखों भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है।

भारत पहले भी पश्चिम एशिया के संकटों के दौरान अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े अभियान चला चुका है। इसलिए किसी भी नए संघर्ष की स्थिति में भारत को कूटनीतिक और मानवीय दोनों स्तरों पर तैयार रहना होगा। ईरान ने संकेत दिए हैं कि यदि उस पर हमला होता है तो वह केवल अपने क्षेत्र की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया में अमेरिका के अनेक सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। कतर, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, जॉर्डन और अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति लंबे समय से बनी हुई है। यदि इन ठिकानों पर हमले होते हैं तो संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कई देश अनचाहे रूप से इसमें शामिल हो सकते हैं। यही किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष को वैश्विक संकट में बदलने का सबसे बड़ा कारण बनता है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से गहरा तनाव रहा है। दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष और परोक्ष टकराव समय-समय पर सामने आते रहे हैं। यदि अमेरिका किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है तो इजरायल की सुरक्षा स्वतः एक बड़ा मुद्दा बन जाएगी। दूसरी ओर ईरान पहले भी संकेत देता रहा है कि वह इजरायल को अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखता है। ऐसी स्थिति में पूरा पश्चिम एशिया कई मोर्चों वाले युद्ध का मैदान बन सकता है।तनाव के बीच यह चर्चा भी तेज है कि रूस ईरान को विभिन्न प्रकार की तकनीकी या खुफिया सहायता उपलब्ध करा सकता है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रियाएं भी सीमित रही हैं। फिर भी यदि बड़ी शक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी संघर्ष में शामिल होती हैं तो क्षेत्रीय युद्ध का दायरा और व्यापक हो सकता है।

आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। किसी भी क्षेत्रीय युद्ध का प्रभाव वैश्विक राजनीति, व्यापार और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। युद्ध कभी अचानक नहीं होता। उसके पहले वर्षों तक अविश्वास, आरोप-प्रत्यारोप, आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य तैयारियां और असफल वार्ताएं चलती रहती हैं।दुर्भाग्य यह है कि आज वैश्विक कूटनीति पहले की तुलना में अधिक कमजोर दिखाई देती है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं लगातार अपील तो करती हैं, लेकिन महाशक्तियों के सामने उनकी प्रभावशीलता सीमित नजर आती है। यदि संवाद की प्रक्रिया मजबूत नहीं होगी तो सैन्य विकल्प हमेशा अधिक आकर्षक प्रतीत होने लगेंगे। युद्ध का निर्णय नेता लेते हैं लेकिन उसकी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं।बम सैनिक अड्डों पर ही नहीं गिरते, वे अस्पतालों, स्कूलों, घरों और बाजारों को भी प्रभावित करते हैं। लाखों लोग विस्थापित होते हैं, बच्चों की शिक्षा रुक जाती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और वर्षों तक समाज अस्थिर रहता है।इराक, सीरिया, यमन और अफगानिस्तान इसके बड़े उदाहरण हैं, जहां युद्ध समाप्त होने के बाद भी सामान्य जीवन लौटने में वर्षों लग गए।

इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि सैन्य जीत हमेशा राजनीतिक समाधान नहीं बनती। अफगानिस्तान, इराक, लीबिया और सीरिया के उदाहरण बताते हैं कि युद्ध शुरू करना अपेक्षाकृत आसान होता है लेकिन शांति स्थापित करना बेहद कठिन।यदि उद्देश्य केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन रह जाए और राजनीतिक समाधान पीछे छूट जाए तो संघर्ष वर्षों तक चलता रहता है।भारत परंपरागत रूप से रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित विदेश नीति का समर्थक रहा है।भारत के अमेरिका से भी मजबूत संबंध हैं और ईरान के साथ भी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा ऊर्जा संबंध महत्वपूर्ण रहे हैं।

ऐसी स्थिति में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में प्रभावी भूमिका निभाए।संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही इसलिए हुई थी कि विश्व युद्ध जैसी त्रासदियां दोबारा न हों। आज आवश्यकता है कि संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, यूरोपीय संघ, अरब लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंच सक्रिय होकर दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने की दिशा में ठोस पहल करें। यदि कूटनीति विफल होती रही तो दुनिया बार-बार युद्ध के मुहाने पर खड़ी दिखाई देगी।

अमेरिका और ईरान दोनों शक्तिशाली राष्ट्र हैं। दोनों के पास सैन्य क्षमता है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी है। विश्व नेतृत्व का अर्थ केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि संयम भी होता है।यदि दोनों देश वार्ता की मेज पर लौटते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरी दुनिया राहत की सांस लेगी।पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं है; यह पूरी मानवता की चिंता का विषय है। ऊर्जा संकट, वैश्विक व्यापार, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और करोड़ों लोगों का भविष्य इस संघर्ष से प्रभावित हो सकता है। किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले यह याद रखना होगा कि युद्ध का अंत चाहे जिस रूप में हो, उसकी शुरुआत हमेशा मानवता की हार से होती है। दुनिया पहले ही अनेक संकटों से जूझ रही है। ऐसे समय में एक और व्यापक युद्ध किसी के हित में नहीं होगा। आज आवश्यकता शक्ति प्रदर्शन की नहीं, बल्कि धैर्य, संवाद, विश्वास और कूटनीतिक समाधान की है। यदि विश्व समुदाय समय रहते सक्रिय नहीं हुआ तो पश्चिम एशिया की यह आग सीमाओं को पार कर वैश्विक संकट का रूप ले सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध जीतने वाले भी अंततः शांति की तलाश में ही लौटते हैं। इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि शांति का रास्ता युद्ध शुरू होने से पहले ही खोज लिया जाए।

-सौरभ वार्ष्णेय

मुख्यधारा की ओर लौटते कदम

-कांतिलाल मांडोत

झारखंड में नक्सलवाद को बड़ा झटका नक्सलियों के आत्मसमर्पण से कमजोर पड़ रहा माओवादी नेटवर्क

झारखंड में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई और सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। मंगलवार को भाकपा (माओवादी) के 16 सक्रिय नक्सलियों ने हथियारों और 1,562 गोलियों के साथ झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें संगठन के कई महत्वपूर्ण कमांडर और दस्ता सदस्य शामिल हैं। यह केवल 16 लोगों का आत्मसमर्पण नहीं है बल्कि माओवादी संगठन की कमजोर होती पकड़ और मुख्यधारा की ओर बढ़ते विश्वास का संकेत भी है।

आत्मसमर्पण करने वालों में एक रीजनल कमेटी सदस्य, दो सब-जोनल कमेटी सदस्य, तीन एरिया कमेटी सदस्य, छह पार्टी सदस्य तथा चार दस्ता सदस्य शामिल हैं। इन सभी ने पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के समक्ष हथियार डालकर हिंसा का रास्ता छोड़ने की घोषणा की। पुलिस के अनुसार अधिकांश नक्सली पश्चिमी सिंहभूम के कोल्हान और सारंडा क्षेत्र में सक्रिय थे जबकि दो सदस्य लातेहार क्षेत्र में सक्रिय रहे। यह सभी माओवादी संगठन के शीर्ष नेताओं मिसिर बेसरा उर्फ सागर तथा केंद्रीय कमेटी सदस्य असीम मंडल के नेटवर्क से जुड़े हुए थे।

झारखंड पुलिस का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में नक्सल विरोधी अभियानों ने संगठन की कमर तोड़ दी है। लगातार हो रही मुठभेड़ों, गिरफ्तारी और विकास कार्यों के कारण संगठन का जनाधार कमजोर हुआ है। दूसरी ओर संगठन के भीतर शोषण, संसाधनों की कमी, सुरक्षा बलों का बढ़ता दबाव और भविष्य की अनिश्चितता ने भी कई नक्सलियों को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया है। सरकार की पुनर्वास नीति उन्हें सम्मानजनक जीवन और रोजगार का अवसर उपलब्ध करा रही है, जिससे उनका भरोसा बढ़ा है।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की नीति के तहत आर्थिक सहायता, आवास, कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर तथा समाज की मुख्यधारा में पुनर्वास की सुविधा दी जाएगी। गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों को छोड़कर अन्य मामलों में कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप राहत भी दी जाती है। यही कारण है कि अब कई नक्सली संगठन छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने का निर्णय ले रहे हैं।

झारखंड पुलिस के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक 93 नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसी अवधि में 45 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है जबकि सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ों में 22 नक्सली मारे गए हैं। ताजा आत्मसमर्पण के बाद इस वर्ष मुख्यधारा में लौटने वाले नक्सलियों की संख्या बढ़कर 61 हो गई है। यह दर्शाता है कि सरकार की रणनीति केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है बल्कि पुनर्वास के माध्यम से स्थायी समाधान की दिशा में भी आगे बढ़ रही है।

यदि पिछले दो वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर और भी स्पष्ट होती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय तथा विभिन्न राज्यों की रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2025 और वर्ष 2026 के दौरान देशभर में लगभग 1,100 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा का रास्ता चुना है। इनमें सबसे अधिक आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना में हुए हैं। अकेले झारखंड में भी पिछले दो वर्षों के दौरान सौ से अधिक नक्सली हथियार छोड़ चुके हैं। यह संख्या बताती है कि माओवादी संगठन के भीतर लगातार असंतोष बढ़ रहा है और उसकी भर्ती तथा संचालन क्षमता पहले की तुलना में काफी कमजोर हुई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2025 में घोषणा की थी कि मार्च 2026 तक देश से वामपंथी उग्रवाद का प्रभाव लगभग समाप्त कर दिया जाएगा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने संयुक्त अभियान चलाए। आधुनिक तकनीक, ड्रोन, बेहतर खुफिया तंत्र, विशेष बलों की तैनाती, सड़कों का निर्माण, मोबाइल नेटवर्क का विस्तार और विकास योजनाओं को तेजी से लागू किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि जिन इलाकों में कभी माओवादी संगठन का मजबूत प्रभाव था वहां अब सरकारी योजनाएं पहुंच रही हैं और स्थानीय लोगों का विश्वास बढ़ रहा है।

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई केवल हथियारों से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए सामाजिक और आर्थिक विकास भी उतना ही आवश्यक है। जिन क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल और रोजगार की सुविधाएं पहुंची हैं वहां नक्सलवाद स्वतः कमजोर पड़ा है। आदिवासी युवाओं को रोजगार, कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसर मिलने से वे हिंसा के रास्ते से दूर हो रहे हैं। यही कारण है कि आज बड़ी संख्या में पूर्व नक्सली सामान्य जीवन अपनाकर खेती, व्यवसाय, नौकरी और अन्य कार्यों से जुड़ रहे हैं।

हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि अभी भी चुनौती पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र तथा झारखंड के कुछ वन क्षेत्रों में माओवादी संगठन की सीमित मौजूदगी बनी हुई है। संगठन के शीर्ष नेता अभी भी नए सदस्यों की भर्ती और गतिविधियों को बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए सुरक्षा बलों की सतर्कता और विकास कार्यों की निरंतरता दोनों आवश्यक हैं।

झारखंड में हुए इस ताजा आत्मसमर्पण का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हिंसा का रास्ता अंततः विनाश की ओर ले जाता है जबकि लोकतंत्र और विकास का रास्ता सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। जो लोग कभी बंदूक के बल पर व्यवस्था बदलने का सपना देखते थे, वे आज समाज की मुख्यधारा में लौटकर नए जीवन की शुरुआत करना चाहते हैं। यह परिवर्तन केवल सरकार की सफलता नहीं बल्कि उन परिवारों की भी जीत है जो वर्षों से अपने बच्चों को हिंसा से दूर देखना चाहते थे।

नक्सलवाद के खिलाफ अभियान की वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी जब बंदूक की जगह शिक्षा होगी, बारूद की जगह विकास होगा और भय की जगह विश्वास का वातावरण बनेगा। झारखंड में लगातार बढ़ते आत्मसमर्पण इस दिशा में सकारात्मक संकेत हैं। यदि सुरक्षा अभियान, पुनर्वास नीति और विकास कार्य इसी गति से आगे बढ़ते रहे तो वह दिन दूर नहीं जब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की पहचान हिंसा से नहीं बल्कि विकास, शिक्षा और समृद्धि से होगी। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी जीत और देश के लिए सबसे सकारात्मक संदेश होगा।

दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे खुद सफ़लताएं आकर नतमस्तक होकर कदम चूमती है

सृष्टि रचनाकर्ता ने मानवीय जीव के रूप में बहुत ही खूबसूरत रचना कर उसमें अनेक गुण दोषों का संयोजन उसने कर दिया है और उनका चुनाव करने के लिए श्रेष्ठ बुद्धि कौशलता रुपी एक सशक्त अस्त्र भी दिया है, बस!अब अपने जीवन चक्र को सफलताओं या असफलताओं की ओर ले जाना मानवीय जीव के हाथ में है।माननीय जीवन ने गुणों के उनके गुणों में से एक इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण गुण है जो सफलता की चाबी भी है,परंतु न जाने क्यों हम इसको अनदेखा कर देते हैं और हम असफल हो जाते हैं और उसका दोष किस्मत या सृष्टि रचनाकर्ता को देते हैं जबकि उसनें मनुष्य जीव में गुणों का अंबार भरा है, बस!ज़रूरत है हमें अपने बुद्धि कौशलता से उसे पहचान कर प्रयोग करने की,तो सफलता आकर हमारे कदम चूमेगी।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दृढ़ इच्छाशक्ति यह सफ़लताओं की चाबी है।मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी हो जाती है, क्योंकि प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है जिसके बल पर हम बड़ी से बड़ी पहाड़ तुल्य समस्याओं से भी यूं मुकाबला कर फ़तह हासिल कर सकते हैं। साथियों हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही आपको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है। साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति की परिभाषा की करें तो, इच्छाशक्ति वह वृत्ति चक्र है जिसके अंतर्गत प्रत्यय, अनुभूति इच्छा, गति या प्रवृत्ति, शरीर धर्म सबका योग रहता है। जो संकल्प को साकार करने का माध्यम बनती है वह इच्छाशक्ति कहलाती है। ऐसी बलवती इच्छा को जिसकी ज्योति अहर्निश कभी मंद न हो, उसे दृढ़ इच्छाशक्ति कहते हैं। हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही हमको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है। साथियों बात अगर हम दृढ़ इच्छाशक्ति के टाइमिंग की करें तो, जीवन में किसी भी चीज को पाने के लिए मेहनत से पहले मजबूत इच्छाशक्ति का होना बेहद जरूरी है। जैसे, कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति शुरुआत में किसी चीज को पाना चाहता है लेकिन धीरे-धीरे उसका हौंसला टूटने लगता है या उसका मन बदल जाता है, ऐसा कमजोर इच्छाशक्ति के कारण होता है इसलिए किसी भी चीज को पाने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति का होना बहुत जरूरी है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं, ऐसी बातें जिनपर अमल करके हमारी इच्छाशक्ति मजबूत होगी। साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति को मजबूत करने की करें तो, अपने काम पर दृढ रहें, अपनी इच्छा शक्ति को बहुत ज्यादा मजबूत बनाने के लिए यह भी एक बहुत ही अच्छा तरीका है कि हम अपने काम पर बहुत जबरदस्त तरीके से फोकस करें। यानें हम अपने काम पर दृढ़ रहें। कोई कुछ भी कहे अगर हमने यह मन बना लिया है कि हमको ये काम करना है तो हमको ये काम करना ही करना है। हमको किसी और बातों पर ध्यान नहीं देना है। अगर हम अपने काम पर दृढ रहेंगे तो हमारा दिमाग यह बात समझ लेगा कि यह चीज हमारे जीवन में बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है इसलिए हम इस काम को बहुत ही दिल से मन लगा कर दृढ़ प्रतिज्ञ होकर कर रहे हैं। साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति के लिए लक्ष्यों की करें तो, हम अपना लक्ष्य निश्चित करें अगर हमको हमारे जीवन में सफलता चाहिए तो यह हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि सबसे पहले हम हमारे जीवन में अपने लक्ष्य को निश्चित करें। तब ही हम किसी चीज को अपने जीवन में फॉलो कर पाओगे। नहीं तो ऐसे हम अपने जीवन में किस चीज को फॉलो करोगे, किस चीज के लिए हम विल पावर बढ़ाएंगे, तो सबसे पहले हमारे लिए जरूरी है कि हम अपने जीवन में लक्ष्य को निर्धारित करें। एक बार हम अपने जीवन में अपने लक्ष्य को निर्धारित कर लेंगे उसके बाद हमारा दिमाग लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करने लगेगा। बस हम अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहें। साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को जगाने की करें तो, निम्न बिंदुओं पर अभ्यास कर इच्छाशक्ति को जाग्रत किया जा सकता है। इच्छाशक्ति को मजबूत बनाने के लिए शुरुआत करने के लिए सबसे पहले हमें तनाव के स्तार का प्रबंधन करने की जरूरत होती है।(1) सकारात्मक नजरिया (2)तनाव प्रबंधन करना सीखें (3) खुद पर पूरा विश्वास रखें (4)बेहतर ऊर्जा प्रबंधन करें (5) अंत शक्तियों को केंद्रीभूत करें (6) स्वयं के प्रति ईमानदार बनें (7) सही पोषण, योग और व्यायाम। साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति के टॉनिक की करें तो, जैसे हैं वैसे ही बने रहें दिखावा बिल्कुल भी मत करें हम जैसे भी हो वैसे ही बने रहें। किसी भी प्रकार का कोई शो ऑफ करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर हम कोई एक चीज जैसे हो वैसे ही प्राप्त करते हो तो वह चीजें हमको जिंदगी भर तक हमारे साथ रहती है और हमको अच्छा रिजल्ट भी मिलता है। दरअसल यह चीज हम अपने वास्तविक परिश्रम से हासिल किए रहते हो इसलिए वह जिंदगी भर हमारे साथ रहती है और यह हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है। ना केवल हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है बल्कि हमारे आत्मविश्वास को भी सटीक रूप से बढ़ाता है। साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति के रोडमैप की करें तो, पेपर पर अपने लक्ष्य को लिखें इसके लिए हमको थोड़ी दिमागी कसरत भी करनी पड़ेगी। बेहतर होगा कि हम अपना लक्ष्य पेपर पर लिखकर उससे जुड़ी चुनौतियां भी लिख लें, इससे हमको उन चुनौतियों से कैसे लड़ना है, यह भी अंदाजा हो जाएगा। आत्मविश्वास और इच्छाशक्तिजीवन में कई बार ऐसे मौके आएंगे, जब हमारा विश्वास डगमगाने लग जाएगा और हमको लगेगा कि हमारा लक्ष्य व्यर्थ है, लेकिन उस वक्त हमको इन नकरात्मकताओं से दूर रहकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है। साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को चिंता से दूर करने की करें तो, चिंता ना करें, चिंतन करें- किसी भी बात की चिंता मत करें। बल्कि उसके बारे में चिंतन करें कि इसका समाधान क्या हो सकता है। इससे एक तो हमारी मानसिक शक्ति बढ़ेगी और दूसरा हमारी समस्याओं का समाधान भी होगा। यह एक ऐसा अभ्यास है, इससे धीरे-धीरे हम इतने मजबूत हो जाएंगे कि हमको हर मुश्किल एक अवसर लगेगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि श्रेष्ठ और दृढ़ इच्छाशक्ति सफलता की चाबी है! मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है। प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है-दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे खुद सफलताएं नतमस्तक होकर कदम चूमती है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। पूजन सामग्री वालों की पूछपरख से सोमवार को किराना बाजार में पूजा सुपारी सहित अन्य जिंसों में बाजार सुर्खी पर रहे। खाद्य तेलों में मजबूती रही। तिलहनों में सोयाबीन में टिकाव रहा। दलहनों में चना बाजार बड़त पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार श्रावणी माँग पूजन सामग्री में अच्छी है। जिससे इनके भावों में मजबूती देखी जा रही है। खाद्य तेलों में मजबूत की स्थिति रही। तिलहनों में सोयाबीन 7000 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत नज़र आये। दलहनों में चना 6550-6650 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखा गया। उड़द व तुअर में बाजार सुर्ख रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4730-4830, खोपरा गोला 375-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3000, (160) 3400, (200) 3600-3650, (250) 4200,

तेल- सींगदाना 1720-1740, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1400-1410, सोया रिफाइंड 1455-1465, कपास्या 1590-1600, धूलिया 1600, कड़ी 1610,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1490-1495,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8100-8300, रायडा 7100-7200, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6550-6650, एवरेज 6200-6300, विशाल 6350-6450, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7200, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7500, मीडियम 7000-7300, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 220000, चाँदी (99) 219800, टंच 219200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 141700,

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.28 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह पहले कारोबारी ?दिन शुरुआती कारोबार में 31 पैसे की मजबूती के साथ 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के समर्थन से भी स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 95.15 पर खुला। बाद में 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 544, निफ्टी 390 अंक उछला

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। इसके अलावा पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 390.70 अंक की तेजी के साथ ही 24,774.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज्यादा उछाल इंडिगो, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयरों में रहा। वहीं व्यापक बाज़ार में, निफ्ट मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी आईटी,

निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी मीडिया के शेयर गिरे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान के साथ बातचीत सोमवार को शुरू होगी। इससे भी कच्चे तेल की कीमतें गिरीं है जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 586.57 अंकों की बढ़त के साथ 78,681.21 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 161.40 अंक फीसदी चढ़कर 24,545.00 पर कारोबार कर रहा था।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल बाजार को बड़ी राहत मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर प्रस्तावित बड़े सैन्य हमले को टालने और बातचीत का रास्ता चुनने के फैसले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इस कदम से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और तेल आपूर्ति पर मंडरा रहा खतरा टलने की उम्मीद जगी, जिसके चलते ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों में 4 से 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सोमवार को बाजार खुलने के साथ ही ब्रेंट क्रूड 4 फीसदी से ज्यादा गिरकर 84 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 5 फीसदी से ज्यादा टूटकर 81 डॉलर प्रति बैरल के नीचे कारोबार करने लगा। ट्रंप ने कहा कि सऊदी अरब सहित कई सहयोगी देशों ने सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत को प्राथमिकता देने की अपील की थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने पर जल्द प्रगति होती है, तो कूटनीतिक प्रयास जारी रहेंगे। इस खबर ने बाजार में यह उम्मीद जगाई कि पश्चिम एशिया में तनाव कम हो सकता है और वैश्विक तेल आपूर्ति पर खतरा भी टलेगा, जिसके परिणामस्वरूप कीमतों में तेज गिरावट आई। हालांकि, बाजार में अभी भी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। जुलाई में ब्रेंट क्रूड में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई थी, जो बड़े मासिक उतार-चढ़ाव का संकेत है। तेल की कीमतों में शुरुआती गिरावट के बाद कुछ रिकवरी भी दिखी, जिसकी वजह ओमान के तट के पास हुए एक तेल टैंकर विस्फोट की खबर रही। यह घटना बताती है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास सुरक्षा चिंताएं अभी भी बरकरार हैं, जो दुनिया की लगभग 20 फीसदी कच्चे तेल और एलएनजी आपूर्ति का महत्वपूर्ण मार्ग है। इस बीच ओपेक के प्रमुख देशों ने उत्पादन बढ़ाने की अपनी योजना को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिससे भविष्य में वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ सकती है। वहीं इराक और तुर्की ने भी अपनी तेल पाइपलाइन समझौते को एक साल के लिए बढ़ाया है, जिससे प्रतिदिन करीब 7.5 लाख बैरल तेल का निर्यात संभव होगा। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े नए शिपिंग रूट पर बातचीत भी अंतिम चरण में है।

यूपीआई सुरक्षा घेरा हुआ मजबूत, संदिग्ध पेमेंट पर आएगा हां/नहीं अलर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत में तेजी से बढ़ते यूपीआई साइबर फ्रॉड पर लगाम कसने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। बैंकों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सामने यूपीआई पेमेंट के लिए एक नया सुरक्षा मॉडल प्रस्तावित किया है। इस मॉडल के तहत, संदिग्ध या हाई-रिस्क ट्रांजैक्शन पर यूजर्स को हां या नहीं का कंफर्मेशन अलर्ट मिलेगा, जिससे अनजाने में होने वाले धोखे को रोका जा सकेगा। वर्तमान में, करोड़ों लोग हर दिन यूपीआई के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन ठगी, फर्जी कस्टमर केयर कॉल और नकली रिफंड स्कैम जैसे साइबर फ्रॉड के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बैंकों ने एक नया सुरक्षा मॉडल सुझाया है। प्रस्तावित सिस्टम के अनुसार, यदि कोई यूपीआई ट्रांजेक्शन संदिग्ध पाया जाता है, तो पेमेंट पूरा होने से पहले ग्राहक की स्क्रीन पर हां/नहीं का अलर्ट दिखाई देगा। हाँ चुनने पर पेमेंट आगे बढ़ेगा, जबकि नहीं दबाने पर ट्रांजैक्शन रद्द हो जाएगा। यदि यूजर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है, तो पेमेंट तुरंत क्रेडिट होने के बजाय कुछ समय बाद पूरा हो सकता है। यह नया नियम हर पेमेंट पर लागू नहीं होगा, बल्कि केवल उन्हीं ट्रांजेक्शन पर दिखेगा जिनमें असामान्य गतिविधि, जैसे देर रात बड़ा पेमेंट, पहली बार किसी नए व्यक्ति को पैसा भेजना या हाल ही में खुले खाते में ट्रांसफर करना, शामिल हो। बैंकों ने कुछ ट्रांजेक्शन में एक घंटे की देरी वाले आरबीआई के सुझाव पर भी अपनी चिंता जताई है, उनका मानना है कि इससे डिजिटल पेमेंट की गति धीमी हो सकती है। हालांकि, 10,000 रुपये से अधिक के हर लेनदेन पर अलर्ट दिखाने के बजाय, बैंक केवल संदिग्ध मामलों पर ही इसे लागू करने के पक्ष में हैं। यह पहल ऑथराइज्ड पुश पेमेंट फ्रॉड को रोकने पर केंद्रित है, जहां ग्राहक अनजाने में धोखाधड़ी वाले पेमेंट को मंजूरी दे देते हैं। यह नया अलर्ट सिस्टम ग्राहकों को अंतिम समय पर सोचने और संभावित धोखे से बचने का अवसर देगा। फिलहाल, यह व्यवस्था प्रस्ताव के स्तर पर है और अंतिम निर्णय आरबीआई तथा एनपीसीआई द्वारा लिया जाएगा।

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशियों और नई उम्मीदों से भरा रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और आपसी समझ बढ़ेगी, जिससे घर का माहौल सुखद बना रहेगा। यदि परिवार में कोई पुराना विवाद चल रहा था, तो वह आपकी समझदारी से सुलझ सकता है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें और जल्दबाजी से बचें।

वृषभ- आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर विशेष नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। बेवजह के विवादों से दूरी बनाए रखें और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाएं। कार्यक्षेत्र में कोई व्यक्ति आपको भ्रमित करने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सतर्क रहें। पुराने कर्ज को चुकाने की दिशा में प्रयास सफल हो सकते हैं। यदि आप प्रॉपर्टी खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो लोन लेने की संभावना बन सकती है।

मिथुन- आज का दिन करियर के लिहाज से आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और कार्यक्षेत्र में आपको सराहना मिल सकती है। सरकारी कार्यों में थोड़ी सावधानी और समझदारी से काम लेना होगा। शौक और मनोरंजन पर खर्च बढ़ सकता है, इसलिए बजट का ध्यान रखें।

कर्क- आज आपको भावनाओं के बजाय समझदारी से निर्णय लेने की आवश्यकता है। जल्दबाजी या भावुक होकर लिया गया फैसला परेशानी बढ़ा सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखें और अनावश्यक खर्च से बचें। दूसरों की कमियां निकालने से रिश्तों में दूरी आ सकती है। व्यापार में बदलाव करने का विचार लाभदायक साबित हो सकता है, हालांकि इसके लिए अधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

सिंह- आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। व्यापार में लाभ मिलने के संकेत हैं और जीवनसाथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं, तो बेहतर अवसर और पदोन्नति के योग बन सकते हैं। आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। विद्यार्थियों के लिए भी दिन अनुकूल रहेगा और पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है।

कन्या- आज का दिन आपको सतर्क रहने की सलाह दे रहा है। कुछ लोग आपके खिलाफ योजना बना सकते हैं, इसलिए किसी पर भी आंख बंद करके भरोसा न करें। पुराने कर्ज को लेकर चिंता बनी रह सकती है। लापरवाही से नुकसान होने की संभावना है, इसलिए हर काम सोच-समझकर करें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है, लेकिन पुरानी बातों को दोहराने से बचें।

तुला- आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा और करियर में अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आप ऊर्जा और उत्साह से भरपूर रहेंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से लंबे समय से रुका हुआ कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा हो सकता है। किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगी। सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- आज आपको सबसे पहले अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए आप नए प्रयास करेंगे और आय के अतिरिक्त स्रोत भी बन सकते हैं। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन आप उन्हें अच्छी तरह निभाने में सफल रहेंगे। संतान से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण विषय आज चर्चा का कारण बन सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए खुशियों और शुभ समाचारों से भरा रहने वाला है। एक के बाद एक सकारात्मक समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती है। आप किसी जरूरतमंद की सहायता करेंगे, जिससे मानसिक संतोष मिलेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और आय में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

मकर- आज का दिन संतुलित और लाभदायक रहेगा। आय में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी में पूरी एकाग्रता के साथ काम करें, क्योंकि आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। प्रॉपर्टी या नया वाहन खरीदने की योजना बन सकती है। परिवार में एकता बनी रहेगी और किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा दूर हो सकती है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आया है। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा और किसी दूर रहने वाले प्रियजन की याद मन को भावुक कर सकती है। बच्चों के साथ समय बिताकर आपको खुशी मिलेगी। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी रखें। जीवनसाथी की ओर से कोई सुखद सरप्राइज मिल सकता है। नए कार्यों की शुरुआत करने का उत्साह भी बना रहेगा।

मीन- आज आपको हर काम सोच-समझकर करने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में पूरा ध्यान रखें, क्योंकि लापरवाही से आर्थिक नुकसान हो सकता है। बड़े जोखिम लेने से बचें और साझेदारी में बिना जांच-पड़ताल के निर्णय न लें। आपकी मधुर वाणी कई समस्याओं का समाधान कर सकती है। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रह सकती है और डॉक्टर से सलाह लेनी पड़ सकती है।

शब्दजाल - 8340

सु	ष्मि	ता	से	न	द	रि	ला	या	र	क
दा	इ	ल	ग	व	जी	ग	रा	इ	ता	ली
गि	री	चे	ल्सी	स्मि	थ	ची	द	रा	क	क
री	ने	र	दो	पु	ज	न	त्ता	न	त	क
क	सी	दो	ब्रु	क	ली	का	मो	ग	व	क
जी	ज	ल	प	य	ज	पू	ना	ना	र	को
ए	र्मि	कु	से	ला	प	स्टि	श	र	ग्रु	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	न	लो	श	ड
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	पा	प	क
शा	न	वि	थ	र	ले	र्त	ऐ	बें	से	त
क	मि	शे	ल	मै	क	ली	न	द	प	क

शब्द जाल में 10 मिस यूनिवर्स के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

सुष्मिता सेन, लारा दत्ता, जस्टिन पासेक, चेल्सी स्मिथ, ब्रुक ली, मिशेल मैकलीन, इरीने सीज, मोना ग्रुड, एर्मी कुसेला, शान विथरले

शब्दजाल - 8339 का हल

ती	स	री	मं	जि	ल	ब	रे	ली	झ	क
ज	ल	ल	प	का	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	सं	ज	ल	श	जिं	द	गी
क	कु	दा	म	धा	ब	ल	प	ख	श	रा
क	ति	शि	न	इं	क	र	ल	ग	वी	म
शो	ले	ल	का	का	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ब
ती	अ	ल	श	र	प	म	ग	कौ	ला	ल
क	झ	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	रा
क	न	थो	तें	ज्वे	ल	थी	फ	शा	जू	म
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	त	सा	वो	कौ	न	थी	जा	एं	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7284

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7283

बा	ग	बा	न	■	खु	■	स	ल	मा
गी	■	द	■	आ	शी	र्वा	द	■	लि
■	स	ल	मा	न	■	■	मा	शू	क
खौ	फ	■	या	■	वा	दा	■	ल	■
■	र	न	■	पा	प	■	भू	■	प
का	■	या	दे	■	स	पू	त	■	श
म	नो	ज	■	जीं	■	र्णि	■	छा	या
चो	■	मा	चि	स	■	मा	ला	■	ध
र	वी	ना	■	■	ब्लै	■	ड़	■	न
■	रू	■	न	म	क	ह	ला	ल	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

4 अगस्त को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	मीन में
मंगल	मिथुन में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	06.32 बजे से
कन्या	08.44 बजे से
तुला	10.55 बजे से
वृश्चिक	13.09 ब.से
धनु	15.25 बजे से
मकर	17.31 बजे से
कुंभ	19.17 बजे से
मीन	20.50 बजे से
मेष	22.20 बजे से
वृष	00.01 बजे से
मिथुन	01.59 बजे से
कर्क	04.12 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 216 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 22.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 21.54 बजे को समाप्त।
योग धृति 19.34 बजे को समाप्त।
करण गर 10.33 बजे तदनन्तर वणिज 22.04 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 20.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 17'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872791
जूलियन दिन 2461256.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448 **महीना** सफर
तारीख 20 **विशेष** मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः दान का महत्व

सेठ जमनादास गांधीजी के चरखा संघ के अध्यक्ष थे। चरखा संघ का सारा हिसाब-किताब वही रखते थे। एक बार गांधीजी एक सभा में चरखा संघ के महत्व के बारे में लोगों को बता रहे थे और कह रहे थे कि इसका सारा खर्च चंदे से ही चलता है। उनके बगल में जमनादास बैठे थे। सभा खत्म होने के बाद लोग लाइन लगा कर चरखा संघ के लिए दान पात्र में चंदा डालने लगे। कतार में एक बहुत गरीब बुढ़िया भी थी। वह दान पात्र में चंदा न डाल कर गांधीजी के पास आने लगी। स्वयंसेवकों ने उसे गांधीजी के पास जाने से रोक दिया। स्वयंसेवकों को ऐसा करते देख गांधीजी ने कहा, 'मां को मेरे पास आने दो।' बुढ़िया ने गांधीजी के पास पहुंच कर एक पोटली खोली और एक अधेला (आधा पैसा) उनके चरणों में रखते हुए कहा, 'मेरे पास कुल जमा पूंजी इतनी ही है।' गांधीजी ने उस अधेले को माथे से लगाया और बोले, 'मां, हमारे लिए तो आप का दिया हुआ धन सबसे ज्यादा है।' सेठ जमनादास सब कुछ देख रहे थे। सभी लोगों के जाने के बाद गांधीजी ने दान पात्र का सारा पैसा जमनादास को दे दिया मगर बुढ़िया द्वारा दिया गया एक अधेला अपने पास रख लिया। जमनादास ने कहा, 'बापू, आप ने एक अधेला नहीं दिया।' गांधीजी बोले, 'उसे मैं अपने पास रखूंगा।' जमनादास ने कहा, 'चरखा संघ को मिलने वाले हजारों रुपये मैं ही लेता हूं। पर इस अधेले के लिए आप को मुझ पर विश्वास नहीं है।' गांधीजी ने कहा, 'यदि किसी व्यक्ति के पास हजारों रुपये हों और वह उसमें से सौ रुपये दे दे, तो कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उस बुढ़िया के लिए यह अधेला ही सारी जमा पूंजी थी जो उसने दान कर दी। कितना बड़ा त्याग किया है उसने। उसका अधेला मेरे लिए करोड़ों से ज्यादा है। जब तक यह मेरे पास रहेगा, मुझे दान के महत्व का अहसास कराता रहेगा।'

सूडोकु नवताल- 7593

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7592 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 8808

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8807 का हल

■	कु	ली	न	■	■	ह	■	श
शा	■	प	■	क	म	ल	■	र
दी	न	ई	मा	न	■	क	स	म
■	■	य	■	क	ल	■	हा	■
क	ल	र	व	■	त	क	रा	र
■	की	■	ध	न	■	मा	■	■
भ	र	म	■	क	हा	नी	का	र
ला	■	का	ज	ल	■	दा	■	ण
ई	■	न	■	■	का	र	ण	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

सावन के प्रथम सोमवार को कोटेश्वर मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

सैकड़ों कांवड़ियों ने कतारबद्ध होकर किया भोले का अभिषेक

पद्मेश न्यूज। लांजी।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार 3 अगस्त को आस्था, श्रद्धा और शिवभक्ति का अनुपम संगम लांजी स्थित प्रसिद्ध कोटेश्वर धाम में देखने को मिला। 108 उपलिंगों में से एक माने जाने वाले भगवान कोटेश्वर महादेव के दरबार में सुबह से ही हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा धाम भक्तिमय हो उठा। बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित 27वीं कांवड़ यात्रा के प्रथम चरण मे सोमवार पर 100 कांवड़ियों ने चहेली (सीतापाला) स्थित छोटी बाघ नदी के उद्गम स्थल से पवित्र जल लेकर लगभग 42 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा नंगे पैर पूरी की। कांवड़िए घने जंगलों, नदी-नालों और दुर्गम मार्गों को पार करते हुए सीतापाला जंगल, टिमकीटोला, रिसेवाड़ा, बहनवाड़ा वारी, लोहारा, कालीमाटी, नीमटोला होते हुए कोटेश्वर धाम पहुंचे और भगवान कोटेश्वर महादेव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। समिति द्वारा बताया गया कि इस वर्ष कांवड़ यात्रा का 27वां आयोजन किया जा रहा है। यात्रा का पहला जत्था 03 अगस्त को बोल बम सेवा समिति कार्यालय से रवाना हुआ था, जिसने सोमवार शाम बाबा कोटेश्वर नाथ के दरबार में पहुंचकर जलाभिषेक किया। वहीं अन्य क्षेत्र के लगभग 40 शिवभक्तों ने भी जल स्त्रोत से जल लाकर भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

प्रथम सोमवार पर उमड़ा आस्था का सैलाब

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को कोटेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में दर्शन और जलाभिषेक के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

पुलिस ने संभाली चाक-चौबंद व्यवस्थ

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए लांजी पुलिस द्वारा सुरक्षा एवं यातायात की व्यापक व्यवस्था की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एसडीओपी एवं थाना प्रभारी के नेतृत्व में संपूर्ण व्यवस्था संभाली गई। लांजी अनुभाग एवं रक्षित केंद्र बालाघाट से अतिरिक्त पुलिस बल, महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों की तैनाती की गई, जिससे दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वहीं एसडीएम सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने भी समय-समय पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

शिवभक्तों ने कराया महाप्रसादी वितरण

श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार की तरह इस बार भी कोटेश्वर धाम परिसर में विभिन्न शिवभक्तों एवं सामाजिक समितियों द्वारा महाप्रसादी का आयोजन किया गया। भगवान कोटेश्वर महादेव को भोग अर्पित करने के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। कहीं पुलाव तो कहीं फलाहार की व्यवस्था की गई। दर्शन एवं जलाभिषेक के उपरांत हजारों श्रद्धालुओं और कांवड़ियों ने महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसी कड़ी मे वार्ड क्रमांक 13 के निवासी यों के द्वारा कोटेश्वर धाम परिसर मे महाप्रसाद का आयोजन किया गया । श्रावण मास के प्रथम सोमवार को कोटेश्वर धाम में उमड़ी आस्था, भक्तों का उत्साह, सुव्यवस्थित प्रशासनिक व्यवस्था और सेवा भाव से किया गया महाप्रसाद वितरण पूरे आयोजन को श्रद्धा, सेवा और सनातन संस्कृति का भव्य उत्सव बन गया।

विधायक राजकुमार कर्राहे के नेतृत्व में 120 पौधों का रोपण कर श्रावण मास में हरियाली का दिया संदेश

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

पद्मेश न्यूज। लांजी। सनातन परंपरा में श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना, प्रकृति के संरक्षण और हरियाली के संवर्धन का पावन पर्व माना जाता है। इस माह में वृक्षारोपण का विशेष महत्व है, क्योंकि पेड़-पौधों का संरक्षण न केवल पर्यावरण को संतुलित करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ जीवन का आधार भी बनता है। इसी पावन अवसर पर ग्राम पंचायत डोंगरगाँव में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के नेतृत्व में ग्राम पंचायत डोंगरगाँव के मोक्षधाम मैदान में 120 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान आम, करंजी, नीम, शीशम, जामुन, बादाम, गुलमोहर, बेलपत्र, आंवला, संतरा, नींबू एवं कदम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण और हरियाली से भरपूर प्रकृति मिल सके।

कार्यक्रम में सरपंच राजकुमार तांडेकर, उपसरपंच बसंत निर्मलकर, सचिव धर्मेंद्र ठाकरे, पूर्व सरपंच मेहतरलाल धारने, सोहनलाल उपराडे, दयाराम डाहरे, पुलिस पटेल धनुलाल लिल्हारे, पंच धनुलाल राऊत, राजाराम लिल्हारे, अश्विन सूर्यवंशी, निलेश पिछोडे, श्रीमती देवेश्वरी फुल्लारे, श्रीमती रश्मि डाहरे (मेट), रोहित मस्करे, ईश्वरदास ढेकवार, बेनीराम नंगपुरे, कुलदीप, दिनेश फुल्लारे, मस्करे, निकेश तांडेकर सहित ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का संकल्प लिया तथा श्रावण मास को हरियाली और प्रकृति संरक्षण के संदेश के साथ सार्थक बनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रसेविका समिति ने मनाया गुरुपूजन उत्सव, भगवा ध्वज के महत्व और संगठन की प्रेरणादायी परंपरा पर दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में 2 अगस्त को राष्ट्रसेविका समिति द्वारा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ गुरुपूजन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेविकाओं एवं मातृशक्ति ने सहभागिता कर भगवा ध्वज के समक्ष गुरु वंदन किया तथा राष्ट्र एवं समाज सेवा के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती माधुरी ताम्रकार दीदी रहीं। मुख्य वक्ता के रूप में जिला कार्यवाहिका श्रीमती स्वाती बंसोड दीदी उपस्थित थीं। वहीं विभाग कार्यवाहिका श्रीमती वैशाली खोखले दीदी की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वज प्रणाम के साथ हुआ। शाखा कार्यवाहिका श्रीमती पल्लवी खरगाल ने शाखा का संचालन कराया। इस दौरान सेविकाओं ने प्रार्थना, सुभाषित, अमृतवचन एवं अन्य शाखा गतिविधियों में सहभागिता करते हुए अनुशासन, संगठन और संस्कार का परिचय दिया। मुख्य वक्ता श्रीमती स्वाती बंसोड ने अपने उद्बोधन में बताया कि राष्ट्रसेविका समिति में किसी व्यक्ति विशेष को नहीं, बल्कि भगवा ध्वज को गुरु के रूप में स्वीकार किया जाता है। उन्होंने कहा कि भगवा ध्वज त्याग, तपस्या, शौर्य, सेवा, राष्ट्रभक्ति और सनातन संस्कृति का शाश्वत प्रतीक है। यही कारण है कि संगठन में ध्वज को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने उपस्थित सेविकाओं से आह्वान किया कि वे ध्वज से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण एवं समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं। अपने संबोधन में उन्होंने राष्ट्रसेविका समिति की आद्य संचालिका श्रीमती लक्ष्मीबाई केलकर (मौसीजी) के जीवन, व्यक्तित्व एवं संगठन निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मौसीजी ने भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों पर आधारित संगठन की स्थापना कर महिलाओं को संगठित करने का ऐतिहासिक कार्य किया। इसके साथ ही उन्होंने समिति की द्वितीय संचालिका श्रीमती सरस्वती आपटे के जीवन परिचय एवं उनके संगठन विस्तार में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि दोनों महान विभूतियों के आदर्श आज भी सेविकाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सेविकाओं ने गुरुपूजन कर राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। पूरे आयोजन में अनुशासन, संस्कार और देशभक्ति का वातावरण बना रहा। अंत में सभी ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया, जिसके साथ गुरुपूजन उत्सव का समापन हुआ।

सी.बी.एस.ई. पाली एकेडमिक संस्थान बिसोनी में उत्साहपूर्वक मनाया गया ग्रीन डे, बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्थानीय सी.बी.एस.ई. पाली एकेडमिक संस्थान, बिसोनी में सोमवार को पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति प्रेम की भावना विकसित करने के उद्देश्य से ग्रीन डे (हरा रंग दिवस) का रंगारंग आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर हरियाली की छटा से सराबोर नजर आया और बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने आकर्षक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। सभी बच्चे एवं शिक्षिकाएं हरे रंग की सुंदर वेशभूषा में सुसज्जित होकर कार्यक्रम में शामिल हुए। बच्चों ने पेड़-पौधों, पत्तियों, फलों एवं प्रकृति से जुड़ी विभिन्न आकृतियों का रूप धारण कर पर्यावरण संरक्षण का प्रभावशाली संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिकाओं ने रोचक गतिविधियों, गीतों एवं खेल-खेल में बच्चों को हरे रंग के महत्व, पेड़-पौधों की उपयोगिता तथा पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता के बारे में सरल एवं प्रेरणादायक जानकारी दी। बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लेकर प्रकृति के प्रति अपने लगाव का परिचय दिया। संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने अपने संदेश में कहा कि बच्चों में बचपन से ही प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी का भाव विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। आज के यही नन्हे बच्चे भविष्य में पर्यावरण के सच्चे प्रहरी बनेंगे और हरियाली को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ग्रीन डे केवल एक रंग का उत्सव नहीं, बल्कि स्वच्छ, हरित और स्वस्थ भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षिकाओं द्वारा किए गए रचनात्मक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों को प्रकृति मित्र बनने तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। साथ ही विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। इस सफल एवं प्रेरणादायी आयोजन को सफल बनाने में नर्सरी से कक्षा दूसरी तक की समस्त शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

गौ पूजन, वृक्षारोपण कर छात्रावास के भैयाओं के साथ मनाया समृद्धि पुराम का जन्मदिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्या भारती बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कारंजा में रविवार को आमगांव-देवरी विधायक संजय पुराम की सुपुत्री कुमारी समृद्धि पुराम का जन्मदिवस सेवा और संस्कार के वातावरण में मनाया गया। जन्मदिवस के अवसर पर न्यास द्वारा संचालित सुरभि गौशाला में विधिवत गौ पूजन किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया गया। इसके पश्चात विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ छात्रावास के भैयाओं के बीच जन्मदिवस कार्यक्रम संपन्न कराया। इस अवसर पर कुमारी समृद्धि पुराम ने छात्रावास के सभी भैयाओं को आकर्षक उपहार भेंट किए। साथ ही छात्रावास के संचालन एवं विद्यार्थियों के कल्याण के लिए 11 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की तथा सभी विद्यार्थियों के लिए भोजन एवं मिष्ठान की विशेष व्यवस्था भी कराई गई। कार्यक्रम के दौरान विधायक संजय पुराम ने छात्रावास के विद्यार्थियों से आत्मीय चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षा, संस्कार और अनुशासन ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने छात्रावास के भैयाओं को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर नरेंद्र वाजपेई (जिला महामंत्री), मनोज सोमवंशी (शहर अध्यक्ष),

श्रीमती सविता संजय पुराम (राज्य महिला उपाध्यक्ष), संदीप थानथराते (महामंत्री, आमगांव शहर), उमेश अगासे, उमेश रहांगडाले, कमलेश चूटे (महामंत्री), सचिन अग्रवाल (व्यवस्थापक), देवेश एड़े (उपाध्यक्ष), श्यामराव राखड़े, राधेश्याम भोरगड़े, श्रीमती श्यामा मुरकुटे (महामंत्री, महिला मोर्चा लांजी), गौरव बैस, रोहित गुप्ता एवं संस्कार असाटी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन देवेश एड़े ने किया, जबकि अंत में कैलाशपुरी गोस्वामी ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त किया।

अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर पटवारी

राजस्व विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित

भोपाल । मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर प्रदेश के सभी जिलों के पटवारी सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। संघ ने स्पष्ट किया है कि जब तक शासन उनकी वर्षों से लंबित एवं न्यायोचित मांगों पर ठोस और सकारात्मक निर्णय नहीं लेता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। हड़ताल के चलते राजस्व विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हुए हैं। मप्र ही ऐसा राज्य है जहां सबसे कम ग्रेड पे पटवारियों को मिल रहा है। पटवारियों का कहना है कि यूपी, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र सात राज्यों में 2800 का ग्रेड पे मिल रहा है जबकि कर्नाटक में 3600 और उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में 4200 का ग्रेड पे दिया जा रहा है।

मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांताध्यक्ष उपेन्द्र बघेल ने बताया कि पटवारियों ने अपनी मांगों को लेकर पहले चरणबद्ध आंदोलन किया। पहले काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया, फिर शासकीय व्हाट्सएप समूहों का बहिष्कार तथा ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार किया गया, लेकिन शासन स्तर पर कोई सार्थक पहल नहीं होने के कारण अब प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया गया है।

इन सेवाओं पर पड़ेगा सीधा असर

पटवारियों की हड़ताल से राजस्व विभाग के 12 से अधिक ऑनलाइन पोर्टल और शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इनमें ई-टोकन, वेब जीआईएस, रिकॉर्ड अपडेट, सारा पोर्टल, सारा एप्लिकेशन, आरसीएमएस, सीएम हेल्पलाइन, लघु सिंचाई गणना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से जुड़े रिकॉर्ड सत्यापन, रिकॉर्ड स्कैनिंग, राजस्व वसूली, फार्मर रजिस्ट्रेशन सहित कई ऑनलाइन सेवाएं शामिल हैं। इसके अलावा नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, खसरा-खतौनी, गिरदावरी, अतिक्रमण संबंधी कार्रवाई, कब्जा दिलाने, कानून-व्यवस्था से जुड़े राजस्व दायित्व तथा अन्य फील्ड और कार्यालयीन कार्य भी पूरी तरह प्रभावित हुई है। इसका सीधा असर किसानों, आम नागरिकों और राजस्व विभाग से जुड़े कार्यों पर पड़ रहा है।

संघ का आरोप, लगातार बढ़ रहा काम, मांगें अब भी लंबित

पटवारी संघ का कहना है कि वर्तमान में पटवारियों से लगातार नए-नए ऑनलाइन और मैदानी कार्य कराए जा रहे हैं, जबकि उनकी वर्षों पुरानी मांगों का अब तक निराकरण नहीं हुआ है। संघ का आरोप है कि राजस्व विभाग की रीढ़ माने जाने वाले पटवारियों के साथ वेतनमान और पदोन्नति के मामलों में लगातार उपेक्षा की जा रही है।

सरकार से शीघ्र समाधान की मांग

पटवारी संघ ने शासन से अपील की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए लंबित मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लिया जाए, ताकि राजस्व विभाग की सेवाएं प्रभावित न हों और आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। वहीं संघ ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी।

150 किलोवॉट तक टेस्ट रिपोर्ट की अनिवार्यता भी खत्म

- बिजली बिल चुकाने के लिए अब मिलेगा 10 से 15 दिन का समय

भोपाल। अभी तक बिजली बिलों को लेकर हमेशा ही उपभोक्ताओं में आक्रोश रहा है। अधिक राशि के बिजली बिलों की शिकायतें तो आम है ही, वहीं बिल जमा करने की अंतिम तारीख के दो-तीन दिन पहले ही बिल जारी किया जाता रहा, लेकिन अब 10 से 15 दिन का समय बिल जमा करने के लिए उपभोक्ताओं को मिलेगा। विद्युत नियामक आयोग ने विद्युत आपूर्ति संहिता में संशोधन करते हुए इस आशय का प्रावधान किया है, जिसमें जहां छोटे उपभोक्ताओं को नया कनेक्शन लेना आसान होगा, तो बिजली बिल भुगतान के लिए समय भी अधिक मिलेगा। गजट नोटिफिकेशन के साथ यह नया प्रावधान भी लागू हो गया है। इसके साथ ही 150 किलो वॉट तक के लो टेंशन उपभोक्ताओं को नया कनेक्शन लेने के लिए बिजली ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट जमा नहीं कराना पड़ेगी। बल्कि अधिसूचित श्रेणियों को छोड़कर ऐसे उपभोक्ता स्वघोषणा-पत्र दे सकेंगे। बिल भुगतान की समय सीमा में भी परिवर्तन किया गया है। कृषि उपभोक्ताओं को कम से कम 15 दिन का समय मिलेगा, तो अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं के लिए कम से कम 10 दिन की अवधि तय की गई है। इतना ही नहीं, यदि अंतिम तारीख को कोई सार्वजनिक अवकाश रहता है तो उसके अगले कार्य दिवस को भुगतान की अंतिम तिथि माना जाएगा। दूसरी तरफ 54 साल पुरानी लाइनों से बिना ब्रेक डाउन बिजली उत्पादन भी एमपी ट्रांसको ने करते हुए एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। इनमें कई ट्रांसमिशन लाइनें 1972 में स्थापित की गई थी।

वनकर्मी पर जानलेवा हमला

- तीन दिन में गिरफ्तारी नहीं हुई तो भोपाल में आंदोलन की चेतावनी

भोपाल (ईएमएस)। अशोकनगर जिले के मुंगावली वन क्षेत्र में वन माफिया द्वारा वन कर्मचारी पर किए गए कथित जानलेवा हमले को लेकर मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने कड़ी नाराजगी जताई है। मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत कार्रवाई की मांग की है। मंच के अनुसार मुंगावली वन क्षेत्र में पदस्थ वन कर्मचारी कमलेश बाथम पर कथित रूप से वन माफिया ने प्राणघातक हमला किया, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संगठन का आरोप है कि घटना के बाद भी प्रशासन ने अब तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है।

मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि घटना के बाद प्रदेशभर के वन कर्मचारियों में भय और असंतोष का माहौल है। उन्होंने कहा कि दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उनके खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में वनकर्मियों पर इस तरह के हमलों की पुनरावृत्ति न हो। मंच ने बताया कि इस संबंध में जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को भी ज्ञापन सौंपा जा चुका है, लेकिन अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ रही है।

तीन दिन का अल्टीमेटम

वन कर्मचारी मंच ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिनों के भीतर हमले के आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध रासुका के तहत कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन भोपाल में आंदोलन करेगा और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर प्रदेशव्यापी विरोध दर्ज कराएगा।

मध्य प्रदेश बनेगा सेमीकंडक्टर हब

विदेशी निर्भरता घटाने की तैयारी, माइक्रोचिप निर्माण से हाईटेक अर्थव्यवस्था की ओर बड़ा कदम

भोपाल । मध्य प्रदेश अब पारंपरिक उद्योगों से आगे बढ़कर देश के सेमीकंडक्टर उद्योग का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। राज्य सरकार ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि आने वाले वर्षों में मध्य प्रदेश को भारत का सेमीकंडक्टर हब बनाने की रणनीति पर काम किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश की माइक्रोचिप के लिए विदेशी बाजारों पर निर्भरता कम करना, उच्च तकनीक विनिर्माण को बढ़ावा देना और लाखों युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर तैयार करना है। इसके लिए राज्य सरकार वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने, अत्याधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना विकसित करने, कुशल मानव संसाधन तैयार करने और निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने की व्यापक योजना पर काम कर रही है। इसी महीने भोपाल या इंदौर में वैश्विक स्तर का निवेशक संवाद आयोजित करने की तैयारी है, जिसमें दुनिया की प्रमुख सेमीकंडक्टर कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा।

आज मोबाइल फोन, कंप्यूटर, कार, चिकित्सा उपकरण, रक्षा प्रणाली, अंतरिक्ष तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 5 जी नेटवर्क से लेकर हर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की रीढ़ सेमीकंडक्टर चिप है। कोविड-19 के दौरान वैश्विक चिप संकट ने दुनिया को यह एहसास कराया कि कुछ देशों पर अत्यधिक निर्भरता कितनी बड़ी चुनौती बन सकती है। भारत अभी अपनी अधिकांश उन्नत चिप आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है। ऐसे में केंद्र सरकार की इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और राज्य सरकारों की नई औद्योगिक नीतियों का उद्देश्य देश में ही चिप निर्माण और पैकेजिंग उद्योग विकसित करना है।

मध्य प्रदेश बन सकता है नई पसंद

राज्य सरकार का मानना है कि मध्य प्रदेश के पास ऐसी कई विशेषताएं हैं जो इसे सेमीकंडक्टर निवेश के लिए आकर्षक बनाती हैं। उसमें देश के मध्य में रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर और बेहतर सडक़-रेल नेटवर्क, पर्याप्त औद्योगिक भूमि उपलब्धता, अपेक्षाकृत कम भूमि लागत, बिजली और पानी की उपलब्धता, नई औद्योगिक एवं सेमीकंडक्टर नीति और निवेशकों के लिए आकर्षक सब्सिडी और प्रोत्साहन आदि। सरकार निवेशकों को एक माह के भीतर भूमि आवंटन और आवश्यक अनुमतियां उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम कर रही है।

भोपाल या इंदौर में होगा ग्लोबल इन्वेस्टर डायलॉग

सरकार जल्द ही भोपाल अथवा इंदौर में ग्लोबल सेमीकंडक्टर इन्वेस्टमेंट डायलॉग आयोजित करेगी। इसमें अमेरिका, जापान, ताइवान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और यूरोप सहित विभिन्न देशों की कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा। इस संवाद में निवेशकों को बताया जाएगा कि मध्य प्रदेश में सेमीकंडक्टर नीति क्या है, कौन-कौन से वित्तीय प्रोत्साहन उपलब्ध हैं, उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया कितनी आसान है, और राज्य किस प्रकार दीर्घकालिक सहयोग उपलब्ध कराएगा। सरकार का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं बल्कि कंपनियों को शीघ्र उत्पादन शुरू कराने का भी है।

सबसे बड़ी चुनौती-कुशल मानव संसाधन

सेमीकंडक्टर उद्योग अत्यधिक तकनीकी क्षेत्र है। इसके लिए प्रशिक्षित इंजीनियर, डिजाइन विशेषज्ञ, मशीन ऑपरेटर और गुणवत्ता नियंत्रण विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। इसी कारण राज्य सरकार विभिन्न एजेंसियों, तकनीकी संस्थानों और कॉलेजों के साथ समन्वय स्थापित कर रही है। विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग , माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और संबंधित विषयों के विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित करने की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा स्किल डेवलपमेंट एजेंसियों के माध्यम से उद्योगों की मांग के अनुसार विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी तैयार किए जाएंगे।

सिंगल विंडो से तेज मंजूरी

राज्य सरकार निवेशकों को लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया से राहत देना चाहती है। इसके लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर पर्यावरण, अग्नि सुरक्षा और अन्य आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया को तेज करेगा। लक्ष्य यह है कि उद्योगों को बार-बार अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और एक निश्चित समय सीमा में सभी मंजूरियां उपलब्ध हो जाएं। मध्य प्रदेश की इस महत्वाकांक्षी योजना को बड़ी मजबूती तब मिली जब पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने राज्य में लगभग 4,200 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक ओएसएटी इकाई स्थापित करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

रोजगार और अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मध्य प्रदेश में सेमीकंडक्टर उद्योग विकसित होता है तो इसका प्रभाव केवल एक उद्योग तक सीमित नहीं रहेगा। इससे हजारों प्रत्यक्ष और लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग का विस्तार होगा। स्टार्टअप और डिजाइन कंपनियों को बढ़ावा मिलेगा। अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति मिलेगी। इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध होगा। निर्यात में वृद्धि होगी।

सावन के पहले सोमवार संकट मोचन हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़

भक्तों को दूध का किया वितरण, विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। नगर के कालीपुतली चौक समीप स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में सावन के पहले सोमवार को श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इस अवसर पर हनुमान जी की पूजा अर्चना कर भक्तों द्वारा मंदिर में स्थित भगवान शंकर व शिललिंग की भी पूजा अर्चना कर जल व दूध से अभिषेक किया गया।वही शाम के समय आरती के पश्चात मंदिर परिसर में भक्तों को दूध का वितरण किया गया। सावन मास के चलते मंदिर में आर्कषक सजावट की गई है। सावन सोमवार को भगवान भोलेनाथ का भजन कीर्तन कर पूजा आराधना की गई।इस संबंध में मंदिर के पुजारी पं. कपिल देव शास्त्री ने बताया कि सावन मास को पवित्र माह माना गया है। इस मास में हर सोमवार भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। भक्तों पर महादेव की विशेष कृपा होती है। सावन के पहले

सोमवार का भी विशेष महत्व होता है। इससे पहले सावन सोमवार को सुबह से देर शाम तक मंदिर में पूजा अर्चना करने व शिव लिंग पर जल चढ़ाने श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री पारस जैन का निधन, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

भोपाल, । मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पारस चंद्र जैन का इंदौर के निजी अस्पताल में 77 वर्ष की आयु में निधन हुआ। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, उन्हें फेफड़ों में पानी भरने की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

जैन, जिन्हें कुश्ती के प्रति अपने गहरे लगाव के कारण पारस पहलवान के नाम से भी जाना जाता था, उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र से 6 बार विधायक चुने गए थे। उन्होंने 1990, 1993, 2003, 2008, 2013 और 2018 में सीट का प्रतिनिधित्व किया। वे 2005 से 2018 तक राज्य की भाजपा सरकार में तीन कार्यकाल के दौरान मंत्री भी रहे, इस दौरान उन्होंने स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, ऊर्जा, वन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाली।

कई बार मंत्री और विधायक रहने के बावजूद, उनकी सादगी उनकी पहचान थी। वे अक्सर उज्जैन की सड़कों पर स्कूटर से घूमते हुए अपने मित्रों से मिलते और उनके साथ चाय-नाश्ता करते थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री हैं। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को उज्जैन में किया जाएगा।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जैन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री एवं उज्जैन उत्तर के पूर्व विधायक श्रद्धेय पारस चंद्र जैन के निधन का समाचार सुनकर मन दुखी है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

सीहोर जिले के डीएसपी राजू सिंह बघेल का लामता आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। लामता। पुलिस थाना लामता में थाना प्रभारी के पद पर 2019 में अपनी सेवाएं दे चुके राजू सिंह बघेल को पदोन्नति देकर सीहोर जिले का डीएसपी बनाया गया हैं। डीएसपी पद पर चयन के बाद पहली बार लामता पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जानकारी के अनुसार, राजू सिंह बघेल वर्ष 2019 में लामता थाना प्रभारी के रूप में पदस्थ थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने और आमजन से सीधा संवाद स्थापित करने के लिए पहचान बनाई थी। मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर उन्हें अब सीहोर जिले में डीएसपी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदोन्नति के बाद जब डीएसपी राजू सिंह बघेल लामता पहुंचे, तो नगरवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। लामता आगमन पर नंदकिशोर असाटी, धनेश असाटी, राजू बेलजी, रितेश असाटी सहित नगर के गणमान्य लोगों, सामाजिकजनों ने पुष्पमाला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर नंदकिशोर असाटी ने कहा कि राजू सिंह बघेल ने लामता में रहते हुए निष्पक्ष और जनता के हित में काम किया है। उनकी पदोन्नति पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। हमें उम्मीद है कि वे सीहोर जिले में भी इसी ईमानदारी और लगन से अपनी ड्यूटी

निभाएंगे।इस दौरान लोगों ने डीएसपी बघेल को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डीएसपी राजू सिंह बघेल ने सभी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे और जनता की सेवा को प्राथमिकता देंगे।

सीबीएसई पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी में पालक-शिक्षक संघ का गठन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सीबीएसई पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन, बिसोनी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पालक-शिक्षक संघ (पीटीए) का गठन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान की प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा, प्रबंधक संजय चौरे, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा ने पालक-शिक्षक संघ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव होता है। उन्होंने कहा कि पालकों की सक्रिय भागीदारी से विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-

शैक्षणिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। इसके बाद सर्वसम्मति से पालक-शिक्षक संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का चयन किया गया। संघ के अध्यक्ष पद पर कोमल काडे, उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती समिता चंद्रिकापुरे का चयन किया गया। वहीं सदस्य के रूप में वंजाक्षी भोयर, खुरेन्द्र रणदिवे, नितिन अग्रवाल, शैलेश खोंगल, विजय एडे, स्मिता श्रीखंडे तथा नमिता मेश्राम को मनोनीत किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के हित में पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर बच्चों की शिक्षा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य एवं प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पालक-शिक्षक संघ विद्यालय की प्रगति और विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जॉब-सही (सतपुड़ा ग्रुप) के माध्यम से टेनिको ऑटोमोटिव पुणे और गुडगांव के लिए ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सतपुड़ा इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं आईटीआई, गर्रा, मांझापुर, बालाघाट (म.प्र.) में दिनांक 03/08/2026 दिन सोमवार को जॉब-सही (सतपुड़ा ग्रुप) के माध्यम से ओपन कैंपस का आयोजन किया गया, जिसमें पुणे और गुडगाँव की सुप्रसिध्द एवं प्रतिष्ठित कंपनी टेनिको ऑटोमोटिव के लिए एम.डी. सारिम उस्मानी सर एवं नितेश राजपूत सर द्वारा भर्ती ली गई जिसमें आईटीआई, डिप्लोमा कर चुके छात्र-छात्राएं जो बालाघाट जिले म.प्र. के अन्य शहरों एवं अन्य राज्यों से लगभग 270 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए जिसमें लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से 198 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। संस्था के प्राचार्य , प्लेसमेंट अधिकारी एवं सभी स्टॉफ सदस्यों

द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई हमारी संस्था द्वारा प्रतिष्ठित कंपनियों के कैंपस/रोजगार मेले के आयोजन किये जाते रहते हैं जिसका लाभ लेने हेतु छात्र-छात्राएं हमारी संस्था के सोशल मीडिया नेटवर्क/दैनिक समाचार पत्र एवं संस्था से जुड़े रहे, जिससे संबंधित जानकारी समय-समय पर उपलब्ध की जाती रहेगी।

जैसमीन लंबोरिया बनीं भारत की ध्वजवाहक

क्लोजिंग सेरेमनी में कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का ध्वज-मशाल भारत को सौंपी

ग्लास्गो में भारत के प्राचीन दर्शन, आधुनिक कला और सांस्कृतिक भव्यता का अनूठा संगम देखने को मिला

ग्लास्गो,एजेंसी। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों के समापन के साथ ही भारत ने दुनिया को अहमदाबाद आने का एक शानदार न्योता दिया। समापन समारोह के मंच पर भारत के प्राचीन दर्शन, आधुनिक कला और सांस्कृतिक भव्यता का अनूठा संगम देखने को मिला और इसके साथ ही 2030 में अहमदाबाद में होने वाले खेलों के शताब्दी संस्करण की यात्रा आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई। समापन समारोह में ग्लास्गो ने राष्ट्रमंडल खेलों की बैटन भारत को सौंपी।

इससे पहले संगीत और नृत्य के ताने बाने में तैयार किये गए अद्भुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने भारत की पहचान ऐसे देश के रूप में रखी जहां परंपरा और आधुनिकता साथ में बसते हैं। किंग चार्ल्स तृतीय के प्रतिनिधि प्रिंस एडवर्ड (ड्यूक आफ एडिनबर्ग) ने खेलों के समापन की औपचारिक घोषणा की।

उन्होंने कहा, जिस तरह से आपने प्रतिस्पर्धा की, खेलों का आयोजन किया और समर्थन किया, उसके लिये धन्यवाद। आपने आज एक बार फिर राष्ट्रमंडल की भावना और मूल्यों को जीवंत कर दिया। मैं सभी देशों और प्रदेशों के खिलाड़ियों को भारत के अहमदाबाद आने का न्योता देता हूं जहां चार साल बाद 24वें राष्ट्रमंडल खेल होंगे जो इन खेलों का शताब्दी संस्करण भी है। समापन समारोह में जैसमीन लंबोरिया भारत की ध्वजवाहक थी जिन्होंने महिला मुक्केबाजी 57 किलोवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। स्कॉटलैंड और भारत के ध्वज वाहकों कीअगुवाई में जुलूस ने गेम्स के मुड़े हुए झंडे को नीचे उतारा।

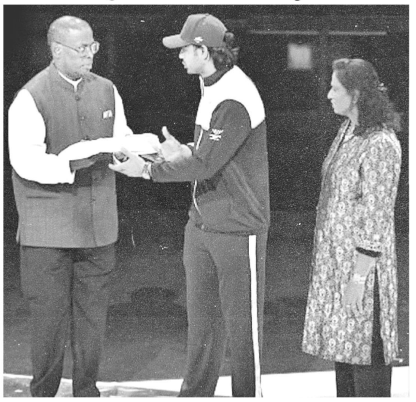

नीरज और पीटी ऊषा को दिया ध्वज

औपचारिक तौर पर ध्वज सौंपने का कार्यक्रम राष्ट्रमंडल खेलों के ध्वज की पूरे परिसर में सांकेतिक यात्रा के साथ शुरू हुआ। इसके बाद ग्लास्गो की लॉर्ड प्रोवोस्ट जैकलीन मैकलारेन ने इसे राष्ट्रमंडल खेल स्कॉटलैंड की उपाध्यक्ष सुसान जैक्सन, स्कॉटिश नेटबॉल खिलाड़ी एमिली निकोल, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा और आखिर में गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी को सौंपा। इसके साथ ही स्कॉटलैंड से भारत को मेजबानी की जिम्मेदारी आधिकारिक तौर पर सौंप दी गई।

शंकर महादेवन और मानुषी छिल्लर ने किया परफॉर्म

भारत की सांस्कृतिक विरासत के जश्न में डूब गया। भारत की प्रस्तुति तीन खंडों में थी इसकी थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम' थी जो राष्ट्रमंडल के एकता और दोस्ती के आदर्शों के अनुरूप है। पहली प्रस्तुति में भारत के राष्ट्रगीत वंदेमातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाया गया और नृत्य की अगुवाई अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने की। दूसरी प्रस्तुति में भारत के सितारवादक ऋषभ शर्मा और स्कॉटलैंड के संगीतकार रोस ऐंसली ने सितार और स्कॉटिश पाइप की इस अनूठीर सांस्कृतिक जुगलबंदी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आखिरी प्रस्तुति में शंकर महादेवन अपने बेटे सिद्धार्थ और शिवम के साथ फिर मंच पर लौटे और भारत के कुछ सुपरहिट गीत पेश किये जिनमें सुनो गौर से दुनिया वालो, भाग मिल्खा, 'ऐ वतन मेरे वतन' और 'लहरा दो ' शामिल था।

स्कॉटिश कल्चर से विदाई

सेरेमनी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन सिंगर डेल्टा गूडरेम, मशहूर बैंड एलीफेंट सेशंस और शेरीन कटबेल्विन की प्रस्तुति में स्कॉटलैंड के कल्चर की झलक दिखी। ऑस्ट्रेलियन सिंगर डेल्टा गूडरेम परफॉर्म किया। वहीं, नाइजिरियन आर्टिस्ट ने स्कॉटिश कल्चर की झलक दिखाई।

भारत 39 पदकों के साथ तालिका में चौथे नंबर पर रहा ऑस्ट्रेलिया फिर अव्वल, मुक्केबाजों ने जीते 7 स्वर्ण

ग्लास्गो। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में ऐसे कई खेल नहीं थे जिनमें भारत सबसे प्रबल दावेदार था लेकिन इसके बावजूद भारतीय दल ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 से शानदार प्रदर्शन के साथ विदा ली और 39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा। भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक जीते। आस्ट्रेलिया 70 स्वर्ण समेत 171 पदक जीतकर शीर्ष रहा जबकि इंग्लैंड ने 110 और कनाडा ने 62 पदक जीते। भारतीय खिलाड़ियों ने 11 दिन तक चले खेलों में मुक्केबाजी, एथलेटिक्स , जूडो, पैरा खेलों और भारोत्तोलन में बेहतरीन प्रदर्शन करके साबित कर दिया कि भारत राष्ट्रमंडल खेल महाशक्तियों में से एक है। मुक्केबाजों ने सात स्वर्ण और तीन रजत समेत दस पदक जीते। जूडो खिलाड़ियों ने भी जबर्दस्त प्रदर्शन करके पदक जीते। निशानेबाजी, बैडमिंटन, कुश्ती, हॉकी और टेबल टेनिस जैसे खेल नहीं होने से भारत के पदकों की संख्या कम हुई है लेकिन बाकी खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपना लोहा मनवाया।

उमर ने विश्व चैंपियन जॉर्जीव हराने वाले ओवैस को बधाई दी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मिश्रित मार्शल आर्ट्स (एमएमए) खिलाड़ी ओवैस याकूब को बुल्गारिया में ब्रेव कॉम्बैट फेडरेशन 107 में दो बार के विश्व चैंपियन डेलियन जॉर्जीव पर मिली जीत के लिए बधाई दी है। उमर ने कहा कि ये देश और राज्य के लिए गर्व का क्षण है।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के पुलवाम के ओवैस याकूब ने 68 किलोग्राम कैचवेट मुकाबले में बुल्गारियाई फाइटर जॉर्जीव को तकनीकी नॉकआउट (टीकेओ) के जरिए हराया। उन्होंने केवल 4 मिनट में ही पहल राउंड अपने नाम कर लिया, जिससे जॉर्जीव के पेशेवर करियर की यह पहली हार बन गई। वहीं, याकूब ने अपनी लगातार छठी जीत दर्ज करते हुए अपने रिकॉर्ड को और मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री उमर ने भी ओवैस को इस सफलता पर बधाई दी। अब्दुल्ला ने ओवैस की इस उपलब्धि को जम्मू-कश्मीर और पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बताया और उनके निरंतर सफल होने तथा वैश्विक मंच पर और भी कई उपलब्धियां हासिल करने की कामना की। मुकाबले की बात करें तो ओवैस ने शुरुआत से ही बुल्गारियाई फाइटर के खिलाफ अपना दबदबा बनाए रखा और उन्हें वापसी करने का कोई अवसर नहीं दिया। ओवैस याकूब के प्रहारों का जॉर्जीव मुकाबला करने में असफल रहे और वह बचाव के प्रयास में ही लगे रहे। वहीं याकूब ने रिंग में उतरने से पहले ही कहा दिया था कि इस मैच को पहले दौर में ही समाप्त कर देंगे और उन्होंने अपनी बात को सही साबित कर दिया।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बुमराह की जगह पर आकिब शामिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह पर जम्मू-कश्मीर के युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी को शामिल किया है। बुमराह बाईं घुटने की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने से इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। वहीं नबी को पहली बार टीम में जगह मिली है। नबी को ये अवसर घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण मिला है। नबी को श्रीलंका दौरे के लिए टीम घोषित किये जाने पर शामिल नहीं किया गय था जिस पर सवाल भी उठे थे बहरहाल अब उन्हें अवसर मिल गया है। बीसीसीआई ने कहा, बुमराह को यह चोट इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान लगी थी और वह इससे पूरी तरह से उबर नहीं पाये हैं। बुमराह का बाहर होना भारतीय टीम के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि वह टेस्ट क्रिकेट में भारत के प्रमुख विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं और उनकी कमी टीम में महसूस की जाएगी। बुमराह के बाहर होने से आकिब को अवसर दिया गया है। आकिब का भारतीय टेस्ट टीम में शामिल होना न केवल उनके लिए, बल्कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए भी एक ऐतिहासिक अवसर है। वह लंबे समय से अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान खींच रहे थे। आकिब ने हाल ही में संपन्न हुई रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कुल 60 विकेट लिए थे। पिछले दो रणजी सत्रों में उनके नाम 104 विकेटहैं, जो उनकी निरंतरता और क्षमता दिखाते हैं। इसके अलावा, आकिब हाल ही में श्रीलंका दौरे पर गई भारत ए टीम से भी खेला था। उसमें उन्होंने दो मुकाबलों में 6 विकेट लिए थे। उनके पास अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा साबित करने का एक सुनहरा अवसर है। आकिब ने अब तक खेले गए 43 फर्स्ट-क्लास मैचों में 18 की बेहतरीन औसत से 162 विकेट लिएहैं, जिसमें 16 बार पारी में पांच या अधिक विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।

दूसरा टेस्ट : वेस्टइंडीज की पाकिस्तान के खिलाफ अच्छी शुरुआत

पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाये

जमैका। मेजबान वेस्टइंडी ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की है। दिन का खेल समाप्त होने तक मेजबान टीम ने अपननी पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेस खेल रहे थे। ग्रीव्स ने 125 गेंदों पर शानदार 64 रन बनाये जबकि कप्तान चेस भी 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

वेस्टइंडीज की टीम ने पहले सत्र से ही तेज तर्रार शुरुआत की थी। बारिश से प्रभावित इस सत्र में मेजबान टीम ने लंच तक ही 9.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 49 रन बना लिए थे। इस दौरान ब्रैंडन किंग ने केवल 27 गेंदों में सात चौकों की मदद से 33 रनों की आक्रामक पारी खेली। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने पाक गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। कावेम हॉज और तेगनारायण चंद्रपॉल जैसे सलामी बल्लेबाज भी विफल रहे। हॉज ने 32 गेंद खेलकर 15 रन बनाये जबकि चंद्रपॉल ने केवल 10 रन बनाए। मध्यक्रम में अमीर जंगू ने 29 और शाई होप ने 26 रनों की पारियां खेलकर टीम को उबारा। इन पारियों से वेस्टइंडीज ने एक अच्छा स्कोर बना लिया। दूसरी ओर पाक गेंदबाज संघर्ष करते दिखे। मोहम्मद अली ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। उनके अलावा उबेद शाह, अली उस्मान और साजिद खान को भी एक-एक विकेट मिला।

अभिषेक ने 91 गेंदों में लगाया दोहरा शतक

चंडीगढ़। यहां खेले जा रहे पंजाब स्टेट इंटर-डिस्ट्रिक्ट सीनियर एकदिवसीय टूर्नामेंट में आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दोहरा शतक लगाया है। अभिषेक ने

पंजाब स्टेट इंटर-डिस्ट्रिक्ट सीनियर एकदिवसीय टूर्नामेंट में अमृतसर के लिए खेलते हुए, तरन तारन के खिलाफ केवल 91 गेंदों में 233 रनों की आक्रामक पारी खेली। इस धमाकेदार प्रदर्शन से अभिषेक ने अपने फॉर्म को लेकर जतायी जा रही आशंकाओं को खारिज कर दिया है। अभिषेक ने अपनी इस ऐतिहासिक पारी में 25 छक्के और 15 चौके लगाये। इस प्रकार उन्होंने 233 रनों में से कुल 210 रन केवल सिर्फ बाउंड्री से ही बनाये। उनका स्ट्राइक रेट 256.04 रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी दिखाता है। वहीं विरोधी टीम तरन तारन के गेंदबाज अभिषेक के सामने बेबस दिखे। अभिषेक ने हर गेंद पर शॉट लगाया। सोशल मीडिया पर भी इस मैच में उनकी आक्रमक बल्लेबाजी की तस्वीरें आई हैं।

अभिषेक के इस पारी से अमृतसर की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 533 रन बनाये। अभिषेक के साथ-साथ उनके सलामी जोड़ीदार अभय चौधरी ने भी शानदार 93 रन बनाए, जबकि अभिनव शर्मा ने भी 51 रनों की आक्रामक पारी खेली। इसके बाद जीत के लिए मिले 534 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए तरन तारन की टीम 50 ओवरों में केवल 313 रनों पर ही सिमट गयी। अमृतसर ने यह मुकाबला 220 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। अभिषेक ने इस मैच में बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी दो विकेट लिए।

डब्ल्यूटीसी का ध्यान छोड़ हर जगह जीतने वाली टीम बनायें -दासगुप्ता

मुम्बई। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने कहा है कि भारतीय टीम को अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की चिन्ता छोड़कर आने वाले मुकाबलों पर ध्यान देना चाहिये। दासगुप्ता के अनुसार पहले एक मजबूत टीम बनाना जरुरी है। जैसी की साल 2020-21 में थी जो विश्व में कहीं भी जीत हासिल कर सकती थी। भारतीय टीम अभी डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है, और श्रीलंका के खिलाफ उसे 15 अगस्त से शुरू हो रही सीरीज जीतनी है जिससे कि वह डब्ल्यूटीसी की दौड़ में बनी रहे। उसी को लेकर टीम पर दबाव है। इसी को लेकर दासगुप्ता ने कहा कि टेस्ट टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है। उनके अनुसार, ऐसे समय में टीम की निरंतर प्रगति सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, लोग मेरी बात से असहमत हो सकते हैं, लेकिन डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के बारे में सोचना अभी जरुरी नहीं है। हमें ऐसी टेस्ट टीम बनानी चाहिए जो 2020-21 में जैसी थी जो घर और विदेश दोनों जगह लगातार सीरीज जीतने वाली। दासगुप्ता का मानना है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल पर लगातार ध्यान देने से टीम शॉर्टकट अपना सकती है और उसका ध्यान सिर्फ अगले मैच या सीरीज को जीतने तक सीमित रह जाएगा। उन्होंने इसे सही तरीका नहीं माना है और कहा कि अस्थायी समाधान की जगह भविष्य के लिए बेहतर टीम बनाना जरुरी है।

उन्होंने माना है कि घरेलू टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत को लंबे समय बाद घर में टेस्ट सीरीज में हार मिली है, जिससे दबाव बढ़ा है। हालांकि, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टीम के सीनियर खिलाड़ी दबाव झेलना अच्छी तरह जानते हैं और वे ऐसे हालातों में खेलना सीख चुके हैं।

दासगुप्ता ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि सिर्फ बदलाव करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि टीम किस दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, बदलाव के दौर में यह जानना बेहद जरूरी है कि टीम कहां जा रही है। यह प्रक्रिया इंग्लैंड सीरीज के साथ शुरू हुई थी, लेकिन मुझे अभी भी यह साफ नहीं है कि भारतीय टेस्ट टीम वास्तव में किस दिशा में बढ़ रही है।उनका मानना है कि भारत को एक ऐसी मजबूत टीम बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो हर परिस्थिति में जीत हासिल कर सके। दासगुप्ता के मुताबिक इसे बाद टीम के लिए कोई खिताब जीतना कठिन नहीं होगा।

गिरजा/ईएमएस 03 अगस्त 2026

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत के ऐतिहासिक प्रदर्शन पर खुशी जतायी बोले, युवा प्रतिभाओं को मिलेगी प्रेरणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हुए राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के ऐतिहासिक प्रदर्शन पर खुशी जतायी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने प्रदर्शन से इन खिलाड़ियों ने देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने इन खेलों में असाधारण प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। भारतीय दल ने इन खेलों में कुश्ती , बैडमिंटन और निशानेबाजी में कुल 39 पदक जीते हैं। जिसमें से 13 स्वर्ण पदक हैं। पहली बार भारत को इतने स्वर्ण मिले हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया में भारतीय दल के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए लिखा, खेलों में हमारे दल के प्रदर्शन पर गर्व है। इस बात की खुशी है कि देश ने 39 पदक जीते हैं, जिनमें 13 स्वर्ण पदक शामिल हैं। पदक जीतने वालों को बधाई। उन्होंने आगे कहा कि इन खेलों के दौरान, हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने असाधारण कौशल, अटूट दृढ़ संकल्प और समर्पण का प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया है कि इस प्रदर्शन से उभरते खिलाड़ियों को और बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी।

पीसीए की शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग 30 अगस्त से शुरू होगी

चंडीगढ़। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने कहा है कि मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग इस माह के अंत में 30 अगस्त से शुरु होगी। लीग के आयोजन की घोषणा के अवसर पर भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी उपस्थित थे। इस लीग क लक्ष्य पंजाब के उभरते क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक विशाल मंच प्रदान करना है।

इस लीग में छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके लिए लगभग 250 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के पूल में से 120 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। शुभमन ने इस लीग के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह लीग पंजाब के युवा खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी। उन्होंने जोर दिया कि जो खिलाड़ी आगे चलकर पंजाब और भारत के लिए क्रिकेट खेलना चाहते हैं, उन्हें यहां अपनी क्षमता साबित करने के लिए एक मंच मिलेगा। वहीं पंजाब के खेल मंत्री मीत हेयर ने इस मौके पर कहा कि यह राज्य के लिए गौरव की बात है कि शुभमन और अर्शदीप ने यहां से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने युवराज जैसे दिग्गजों द्वारा स्थापित पंजाब की क्रिकेट विरासत को याद करते हुए कहा कि आज भी भारतीय क्रिकेट में पंजाब के खिलाड़ियों का अहमर्ण योगदान है। हेयर ने लीग के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए बताया कि इसका लक्ष्य केवल स्थापित खिलाड़ियों को मंच देना नहीं, बल्कि जिला और स्थानीय स्तर पर नियमित क्रिकेट खेलने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को आगे लाना है। वहीं पीसीए अध्यक्ष अमरजीत सिंह मेहता ने लीग के चयन मानदंड पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें खिलाड़ियों का प्रदर्शन भविष्य के चयन में अहम भूमिका निभाएगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस लीग में खेलना किसी खिलाड़ी के चयन के लिए अनिवार्य नहीं होगा, चयन हमेशा खिलाड़ी के समग्र प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा, लेकिन यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि छह टीमें मोहाली, लुधियाना, अमृतसर, जालंधर, बठिंडा और फाजिल्का का प्रतिनिधित्व करेंगी। मुकाबले 30 अगस्त से शुरू होकर 12 सितंबर तक चलेंगे, जिसमें 12 सितंबर को सेमीफाइनल मैच खेले जाएंगे। प्रतिदिन दो मैच आयोजित होंगे ङ्ग एक दिन का और एक शाम का। प्रत्येक टीम केवल एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को शामिल कर सकेगी और इस नियम को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की उपलब्धता के मद्देनजर निर्धारित किया गया है।

जनपद पंचायत वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.).

//आम सूचना//

क्रमांक/2275/ज.प./ कृषि समिति/2026, वारासिवनी, तारीख 30/07/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. शासन मछली पालन विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देश कमांक/1548/2008/36, भोपाल दिनांक 08.10.2008 के अनुसार जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत हुड्काड्या तालाब कायदी जल क्षेत्र रकबा 11.1170 हेक्ट. खसरा नं. 902 (5) मत्स्य पालन एवं मत्स्याखेट हेतु दिनांक 01.07.2026 से 30.06.2036 तक 10 वर्षीय पट्टे पर लेने के इच्छुक समिति/समूह / व्यक्ति अपना आवेदन समस्त दस्तावेजो सहित दिनांक 14.08.2026 तक अनिवार्यतः कार्यालय में जमा करा सकते है निर्धारित समयावधि में तालाब पट्टे पर लेने हेतु कोई आवेदन प्राप्त न होने पर तालाब को जनपद पंचायत वारासिवनी द्वारा नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर दिया जावेगा।

आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेज :-

1. आवेदन पत्र।
2. निवास/जाति प्रमाण पत्र ।
3. गरीबी रेखा का प्रमाण पत्र।
4. पंजीकृत मछुआ सहकारी समिति की बायलाज, प्रस्ताव/संकल्प, समिति का पंजीयन प्रमाण पत्र, सदस्यों की सूची।।
5. समिति के विगत 03 वर्षो की अंकेक्षण टीप।
6. क्षेत्रीय बैंको/सहकारी बैंको से नोड्यूज प्रमाण पत्र ।
7. जनपद पंचायत का बेबाकी प्रमाण पत्र।
8. तालाब का नक्शा, खसरा ।
9. न्यायालय में समिति/समुह का प्रकरण लंबित / विचाराधीन होने संबंधी प्रमाण पत्र।

हितग्राही के चयन हेतु प्राथमिकता-

1. मछुआ/अनुसूचित जनजाति / अनुसूचित जाति सहकारी समितियॉं।
2. मछुआ/अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति समूह।
3. मछुआ/अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति विशेष।

अतः तालाब पट्टे पर लेने के इच्छुक समिति/समूह/व्यक्ति यदि तालाब पट्टे पर लेने संबंधी जानकारी प्राप्त करना चाहते हो तो अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत वारासिवनी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की जीत पर बालाघाट में जश्न

आतिशबाजी-मिठाई के साथ कांग्रेसियों ने कहा यह तो सिर्फ झांकी है, अभी पूरा हिंदुस्तान बाकी है

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस को मिली जीत का उत्साह बालाघाट में भी देखने को मिला। सोमवार शाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्थानीय हनुमान चौक स्थित कांग्रेस कार्यालय में एकत्रित होकर जीत का जश्न मनाया। इस दौरान कांग्रेसियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई, आतिशबाजी की और कांग्रेस के पक्ष में जोरदार नारेबाजी करते हुए इस जीत को जनता की आवाज और लोकतंत्र की विजय बताया।

शाम करीब 5 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी औरर्यकर्ता शामिल हुए। जीत की खुशी में कांग्रेस कार्यालय का माहौल पूरी तरह उत्सवमय नजर आया। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के समर्थन में नारे लगाए और दतिया की जनता का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता श्याम पंजवानी ने कहा कि दतिया उपचुनाव का परिणाम केवल एक सीट की जीत नहीं, बल्कि प्रदेश की बदलती राजनीतिक तस्वीर का संकेत है। उन्होंने कहा कि यह तो अभी सिर्फ झांकी है, पूरा प्रदेश और पूरा हिंदुस्तान अभी बाकी है। उन्होंने दावा किया कि दतिया की जनता ने लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में मतदान करते हुए कांग्रेस को समर्थन दिया है। उनके अनुसार, यह परिणाम असत्य पर सत्य की जीत और जनता द्वारा दिए गए स्पष्ट जनादेश का प्रतीक है। श्याम पंजवानी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पहले जनादेश प्राप्त जनप्रतिनिधि को हटाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास किया गया, लेकिन उपचुनाव में जनता ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर इसका जवाब दे दिया। उन्होंने कहा कि जनता ने यह संदेश दिया है कि लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता का होता है, किसी सत्ता या दबाव का नहीं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार संविधान की मूल भावना के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना था कि दतिया की जीत इस बात का संकेत है कि प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है। कांग्रेस नेताओं ने विश्वास जताया कि दतिया उपचुनाव का परिणाम आगामी चुनावों में भी पार्टी के लिए सकारात्मक माहौल तैयार करेगा। उन्होंने दावा किया कि जिस प्रकार जनता ने दतिया में कांग्रेस पर भरोसा जताया है, उसी तरह आने वाले समय में प्रदेश और देश में भी कांग्रेस को व्यापक जनसमर्थन मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया, आतिशबाजी की और आगामी चुनावों में पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान कांग्रेस कार्यालय में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा और कार्यकर्ताओं ने जीत को संगठन की एक महत्वपूर्ण राजनीतिक सफलता बताया।

महिलाओं और बच्चों के हित में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान, 31 अगस्त तक करें आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग ने महिलाओं एवं बच्चों के हित में उत्कृष्ट, साहसिक एवं प्रेरणादायी कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं से वर्ष 2025 के राज्य एवं जिला स्तरीय विभागीय पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। राज्य स्तर पर रानी अवंतीबाई वीरता पुरस्कार, राजमाता विजयराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार, विष्णु कुमार महिला एवं बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान, मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार, राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार तथा अरुणा शानबाग वीरता पुरस्कार के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। इसके अलावा जिला स्तरीय मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार के लिए भी पात्र अभ्यर्थी आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित वन स्टॉप सेंटर की प्रशासिका सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि इसके अंतर्गत ऐसे व्यक्ति एवं संस्थाएं आवेदन के पात्र हैं, जिन्होंने महिलाओं एवं बच्चों को हिंसा, उत्पीड़न और शोषण से संरक्षण, उनके पुनर्वास, बाल विवाह, दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण तथा उनके अधिकारों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा के लिए साहस और वीरता का परिचय देने वाले व्यक्ति भी आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति अथवा संस्थाएं निर्धारित प्रारूप में अपने आवेदन 31 अगस्त 2026 तक जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, कलेक्ट्रेट कार्यालय, बालाघाट में जमा कर सकते हैं।

जनपद पंचायत परिसर किरनापुर के सामने मे नये काम्पलेक्स में किराये से दुकान दिलाये जाने लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जनपद पंचायत परिसर के सामने किरनापुर में वर्ष 1996 से झोपडा बनाकर अपनी जीविकापार्जन चला रहा थे। दुकानदारों ने उन्हें दुकान प्रदान किए जाने की मांग को लेकर प्रशासन से गुहार लगाई है। जानकारी मे इन दुकानदारों ने बताया कि जनपद पंचायत के सामने किरनापुर मे नया काम्पलेक्स बनाने के पूर्व अनुविभागीय अधिकारी तथा विधायक महोदय लांजी-किरनापुर एवं जनपद अध्यक्ष किरनापुर द्वारा बुलाकर कहा गया था की आप अपना झोपडा हटा दो यहा काम्प्लेक्स बनने पर आपको पहले अपने रोजी रोटी हेतु कमरा दिया जावेगा, जनपद पंचायत किरनापुर में सामान्य सभा की बैठक में 6 दुकानदारो का प्रस्ताव पास कर दिया गया था। लेकिन अब जनपद अध्यक्ष किरनापुर एवं वहा के कर्मचारीयो द्वारा उक्त काम्प्लेक्स में कमरा देने हेतु हगे नये नये नियम बताकर टालमटोल किया जा रहा है और आवेदकगणो को कमरा नही देने की भी बात कही गई है। आगे बताया कि वे लोग गरीब निर्धन परिस्थिति के व्यक्ति है हम अपनी अपनी दुकाने लगाकर रोजी रोटी कमाकर अपना व अपने परिवार का जीवन व्यापन करता था चाय पान, चप्पल जूते, एवं स्टेशनरी की दुकान के अलावा हमारे पास अन्य कोई आय का साधन नहीं है यदि हमें उक्त काम्प्लेक्स में रोजी रोटी हेतु कमरा नही दिया जाता है तो हमें अपनी जीविका चलाने व अपना परिवार का भरण पोषण करने में काफी परेशानियो का समाना करना पडेगा। तथा उक्त काम्प्लेक्स में कमरा किराये से देने हेतु जनपद पंचायत किरनापुर के कर्मचारीयो को कहा जाता है तो उनके द्वारा कहा जाता है कि कमरा किराये से देने के लिए ऑनलाईन हो गया है अब आप ऑनलाईन के माध्यम से किराये का कमरा बुक करा लो जबकि हमारी स्थिति इतनी सुदृण्ड नही है कि ऑनलाईन के माध्यम से हम कमरा बुक करा सके। हमारा झोपडा हटाने हेतु दुकानदारो से 500/- पांच सौ रूपये की राशि भी अनुविभागीय अधिकारी किरनापुर के माध्यम से वहा के कर्मचारियो द्वारा लिया गया था जिसकी रसीद हमारे पास मौजूद है। पीडि़त दुकानदार हालकचंद दमाहे आयु- 51 वर्ष पिता स्व0 श्री बाबूलाल दमाहे ग्राम हिरी, हिरापुरटोला, तिलकचंद तांडेकर आयु 51 वर्ष पिता प्रेमलाल तांडेकर जाति चमार ग्राम कोकना,सतीश वैध आयु- 38 वर्ष पिता पढरीनाथ वैध जाति महार ग्राम हिरीं,सतीश देशमुख आयु- 48 वर्ष, अनिल सोनी, लेखराम खरे, गोविन्द ऊके, देवानंद ठाकरे,ग्राम हिरीं तहसील किरनापुर जिला बालाघाट निवासी ने जनपद पंचायत किरनापुर में बनाये गये काम्प्लेक्स में कमरा किराये से दिये जाने हेतु आदेश देने की मांग की है ताकि वे। अपनी रोजी रोटी व जीविका चला सके।

रक्षाबंधन पर डाक विभाग की विशेष पहल, बालाघाट व वारासिवनी में खुले विशेष राखी बुकिंग काउंटर, विदेश भेजने की भी सुविधा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहनों तक राखियां समय पर पहुंचाने के लिए भारतीय डाक विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। डाक विभाग द्वारा बालाघाट प्रधान डाकघर एवं वारासिवनी मुख्य डाकघर में 3 अगस्त से 27 अगस्त 2026 तक (रविवार एवं अन्य अवकाश को छोड़कर) प्रतिदिन सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक विशेष राखी डाक एवं पार्सल बुकिंग काउंटर संचालित किए जाएंगे।

इन विशेष काउंटरों के माध्यम से नागरिक स्पीड पोस्ट और पार्सल सेवा द्वारा राखी के साथ उपहार सामग्री भी आसानी से भेज सकेंगे। इसके अलावा विदेशों में रहने वाले भाई-बहनों के लिए इंटरनेशनल स्पीड पोस्ट की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिससे ट्रैकिंग सुविधा के साथ कई देशों में सुरक्षित एवं समयबद्ध तरीके से राखी भेजी जा सकेगी। डाक विभाग ने सावन माह के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए गंगाजल वितरण की व्यवस्था भी की है। विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे विशेष राखी बुकिंग काउंटरों की सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी राखियां समय पर अपने प्रियजनों तक पहुंचाएं।

रक्षाबंधन पर डाक विभाग की विशेष पहल, बालाघाट व वारासिवनी में खुले विशेष राखी बुकिंग काउंटर, विदेश भेजने की भी सुविधा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहनों तक राखियां समय पर पहुंचाने के लिए भारतीय डाक विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। डाक विभाग द्वारा बालाघाट प्रधान डाकघर एवं वारासिवनी मुख्य डाकघर में 3 अगस्त से 27 अगस्त 2026 तक (रविवार एवं अन्य अवकाश को छोड़कर) प्रतिदिन सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक विशेष राखी डाक एवं पार्सल बुकिंग काउंटर संचालित किए जाएंगे। इन विशेष काउंटरों के माध्यम से नागरिक स्पीड पोस्ट और पार्सल सेवा द्वारा राखी के साथ उपहार सामग्री भी आसानी से भेज सकेंगे। इसके अलावा विदेशों में रहने वाले भाई-बहनों के लिए इंटरनेशनल स्पीड पोस्ट की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिससे ट्रैकिंग सुविधा के साथ कई देशों में सुरक्षित एवं समयबद्ध तरीके से राखी भेजी जा सकेगी। डाक विभाग ने सावन माह के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए गंगाजल वितरण की व्यवस्था भी की है। विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे विशेष राखी बुकिंग काउंटरों की सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी राखियां समय पर अपने प्रियजनों तक पहुंचाएं।

पीजी कॉलेज में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय जयंती पर वैज्ञानिक परंपरा पर हुआ मंथन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं रसायन शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आधुनिक भारतीय रसायन विज्ञान के जनक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण तथा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की जिला नोडल अधिकारी डॉ. कंचन मसराम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के चित्र पर माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने आचार्य राय के जीवन, व्यक्तित्व एवं वैज्ञानिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें भारतीय रसायन विज्ञान का अग्रदूत बताया। ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान में देवी अहिल्या होलकर साइंस कॉलेज, इंदौर के सहायक प्राध्यापक डॉ. रुपेश कुशवाह ने इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री एवं ग्रीन केमेस्ट्री विषय पर विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक आयामों तथा आचार्य राय के अनुसंधानों, स्वदेशी रासायनिक उद्योगों और वैज्ञानिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा और अनुसंधान की भावना विकसित करने का आह्वान किया।

रसायन शास्त्र विभाग के प्रो. राकेश पटले ने आचार्य राय के शोध कार्यों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की जानकारी दी, जबकि प्रो. सुखचंद्र ऐड़े ने भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय वैज्ञानिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के दौरान स्नातक प्रथम वर्ष से लेकर एमएससी अंतिम वर्ष तक के विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे ने किया तथा आभार प्रो. खिलेश्वर ठाकरे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. उषा सिंह, डॉ. रचना कोरी, प्रो. राहुल बाबा मेश्राम, डॉ. योगिता पटले, डॉ. ताराचंद बड़घैया सहित विभाग के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय जयंती मनाई गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता तथा आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के तत्वावधान में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत महान वैज्ञानिक एवं भारतीय रसायन शास्त्र के जनक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती मनाई गई।

कार्यक्रम में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जीवन, व्यक्तित्व एवं भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि उन्होंने वर्ष 1892 में कोलकाता में बंगाल केमिकल एंड फार्मास्यूटिकल लिमिटेड की स्थापना कर स्वदेशी उद्योग और भारतीय विज्ञान को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की थी। इस अवसर पर छात्राओं को स्वदेशी तकनीक से निर्मित औषधीय रसायनों, उनकी आणविक संरचना तथा भारतीय ज्ञान परंपरा में रसायन शास्त्र के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जीवन एवं कार्यों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया, जिससे छात्राओं को उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रभारी डॉ. सरोज घोड़ेश्वर, रसायन शास्त्र विभाग के सुनील कुमार राणा एवं डॉ. मनिका चौबे का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कार्यक्रम से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। अंत में सभी छात्राओं को स्वल्पाहार वितरित किया गया।

जिला प्रशिक्षण केंद्र बालाघाट में स्काउट-गाइड की एक दिवसीय बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला प्रशिक्षण केंद्र बालाघाट में भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ द्वारा एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य जिले में संचालित स्काउट-गाइड गतिविधियों की समीक्षा करना, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना तथा संगठन को अधिक प्रभावी एवं सक्रिय बनाना था। कार्यक्रम में जिले भर से लगभग 150 स्काउट-गाइड एवं स्काउटर-गाइडरों ने सहभागिता की।

बैठक का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन के निर्देशानुसार विद्यालय स्तर पर स्काउट-गाइड गतिविधियों को अधिक सक्रिय रूप से संचालित करने के उद्देश्य से किया गया। इस दौरान भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ बालाघाट के अध्यक्ष छगन हनवत, जिला संगठन आयुक्त इनेंद्र डहरवाल, जिला प्रशिक्षण आयुक्त डोलीराम भगत, कोषाध्यक्ष भेजेंद्र चौधरी, सचिव राजकुमार टेमरे, जिला काउंसलर हरिप्रसाद देशमुख, जिला संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती लक्ष्मी विष्णु पटले, जिला प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता बोपचे, श्रीमती जुंगा भलावी, श्रीमती उमावती मार्को, श्रीमती रेवती उइके सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्काउटर-गाइडर उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी प्रशिक्षण शिविरों, सेवा कार्यों, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण तथा अन्य जिला स्तरीय गतिविधियों की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित स्काउटर-गाइडरों ने अपने सुझाव साझा करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने स्काउट-गाइड की सेवा भावना को जन-जन तक पहुँचाने तथा विद्यालयों में गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने का संकल्प लिया।

कथा सम्राट प्रेमचंद की जयंती का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शास . एसएसपी महाविद्यालय में स्नातकोत्तर परिषद हिन्दी के सौजन्य से प्रेमचंद साहित्य जागरूकता क्लब की गतिविधियों के अन्तर्गत कथा सम्राट प्रेमचंद की जयंती का आयोजन महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलन कर एवं प्रेमचंद के छायाचित्र पर भी माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस एस गेडाम, डॉ. रक्षा निकोसे, कृष्णा पराते, नरेन्द्र डोंगरे, सरिता नागवंशी एवं डॉ.टीना बिसेन उपस्थित रहे। प्रेमचंद जयंती पर व्याख्यान विषय प्रेमचंद के कथा साहित्य एवं भारतीय समाज विषय पर छात्र-छात्राओं के द्वारा विचार रखे गये। मंच पर उपस्थित सरिता नागवंशी ने प्रेमचंद साहित्य की महत्ता प्रतिपादित कर लेखन कौशल विकसित करने की बात छात्रों के समक्ष रखी। श्री पराते के द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रेमचदं साहित्य पर शोध करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. टीना बिसेन के द्वारा प्रेमचंद का परिचय एवं साहित्यिक अवदान पर चर्चा की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. रक्षा निकोसे ने प्रेमचंद साहित्य और भारतीय समाज पर चर्चा करते हुए कहा कि साहित्य में सभी के हित का भाव छिपा होता है,प्रेमचंद के साहित्य ने समाज के सभी पहलुओं को स्पर्ष किया। जैसे स्त्री हो या पुरूष, किसान हो या जंमीदार, मजदूर हो या पूंजीपती, बालक हो या वृद्ध वर्तमान में भी प्रेमचंद का साहित्य प्रासंगीक है। सोषल मीडिया के वर्तमान युग में प्रेमचंद की कहानी ईदगाह, बालमन का मनोवैज्ञानिक विष्लेषण करने के साथ वर्तमान में भारतीय समाज के एकल परिवारों में बालकों के बीच बढ़ते एकाकीपन, संवाद की कमी और बढ़ते पीढ़ी अंतराल की गहराई को पाटने का कार्य करती है। इस दृष्टि से प्रेमचंद की ईदगाह कहानी वर्तमान में प्रासंगिक है। कार्यक्रम के अंत में श्री पराते के द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफ ल मंच संचालन नरेन्द्र डोंगरे के द्वारा किया गया।

गहोई वैश्य समाज ने धूमधाम से मनाई गई राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के सांई लॉन में ३ अगस्त को श्री गहोई वैश्य समाज के तत्वाधान में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती गरिमामय वातावरण में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ राज रूसिया, वीरेंद्र सोहाने,श्रीमती मनो सोहाने, श्रीमती कुसुम देवी रूसिया एवं श्रीमती मंजुला गुप्ता सहित समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति में हुआ। सर्वप्रथम राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त समाज के आराध्य देव भगवान सूर्य एवं मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत गरिमा सोहाने, कंचन सोहाने एवं राधिका सोहाने ने सुमधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। क ार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के जीवन और उनकी कालजयी रचनाओं पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक संध्या में समाज के नन्हे मुन्ने बच्चों ने फैंसी ड्रेस एवं डांस प्रतियोगिता में विभिन्न देवी देवताओं के स्वरूपों की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं समाज की महिलाओं के द्वारा प्रस्तुत राम सीता विवाह पर आधारित नृत्य नाटिका विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसके बाद सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही कक्षा १० वीं और १२ वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र छात्राओं को ट्रॉफी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष विनय रूसिया, श्रीमती शैल सोहाने, अंकुर रूसिया, श्रीमती पूजा रूसिया, श्रीमती कीर्ति रूसिया, शौर्य रूसिया सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

बालाघाट के नए कलेक्टर कुमार सत्यम ने संभाला कार्यभार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2017 बैच के अधिकारी कुमार सत्यम ने सोमवार 03 अगस्त को बालाघाट जिले के नए कलेक्टर के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने जिला अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और प्रशासन की कार्यशैली को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं।

कलेक्टर कुमार सत्यम ने कहा कि प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को अधिक से अधिक फील्ड विजिट करने, समस्याओं का मौके पर जाकर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। साथ ही बालाघाट जिले को विकास और सुशासन के हर पैमाने पर प्रदेश के अग्रणी जिलों में बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। कलेक्टर श्री सत्यम ने आगामी 7 अगस्त से प्रारंभ होने वाले मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शासन के निर्देशानुसार आयोजित होने वाले शिविरों में सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता और निष्ठा के साथ निर्वहन करें तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दें। उल्लेखनीय है कि कुमार सत्यम इससे पूर्व एसडीएम डिंडोरी, एसडीएम सौंसर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत मंदसौर तथा अतिरिक्त कलेक्टर ग्वालियर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके प्रशासनिक अनुभव का लाभ अब बालाघाट जिले को मिलेगा।

तहसीलों में थमा राजस्व कार्य, पटवारियों ने शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल

15 दिन में दूसरी बार आंदोलन पर उतरा पटवारी संवर्ग, 5 सूत्रीय मांगों पर अड़े कर्मचारी, तहसील से सबंधित कार्यो को लेकर हितग्राही होते रहे परेशान दिनभर काटते रहे तहसील चक्कर, अध्यक्ष बोले- जब तक पूरी नहीं होगी मांगे, जारी रहेगी हड़ताल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले सहित प्रदेशभर के पटवारी सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं।15 दिनों के भीतर यह दूसरी बार है जब पटवारी संवर्ग ने अपनी लंबित मांगों को लेकर काम बंद कर शासन के खिलाफ मोर्चा खोला है।जहा हड़ताल के पहले दिन ही तहसील कार्यालयों में राजस्व संबंधी कार्य लगभग ठप नजर आए। जहा पटवारियों के बैठक कक्ष खुले रहे, लेकिन अधिकांश सीटें खाली रहीं। इससे अपने जरूरी कामों के लिए तहसील पहुंचे किसानों और आम नागरिकों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा है।

राजस्व के कार्य हुए प्रभावित

पटवारियों की इस अनिश्चितकालीन हड़ताल का सीधा असर राजस्व विभाग पर पड़ा है।जहां हड़ताल के चलते राजस्व के भी कार्य प्रभावित हो गए है।जिससे लोगो को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। खास तौर पर नामांतरण, बंटवारा, फौती, नक्शा-बटांकन, जाति प्रमाण पत्र के सत्यापन, न्यायालयीन प्रकरणों की जांच, फार्मर रजिस्ट्री, प्राकृतिक आपदा से जुड़े कार्य, राजस्व वसूली, कानून व्यवस्था से संबंधित रिपोर्ट तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के प्रकरणों सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो गए हैं। आगामी दिनों में प्रस्तावित प्रधानमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम पर भी इसका असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

हितग्राही दिनभर होते रहे परेशान

हड़ताल की जानकारी नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में लोग रोजमर्रा की तरह तहसील कार्यालय पहुंचे, लेकिन वहां पटवारी नहीं मिलने से उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। जहा नामांतरण, बंटवारा और फौती के मामलों में आए कई हितग्राही भी दिनभर कार्यालयों के चक्कर लगाते रहे।

पांच सूत्रीय मांगों पर अड़ा पटवारी संघ

पटवारी संघ का कहना है कि वर्षों से लंबित 5 सूत्रीय मांगों के निराकरण के लिए कई बार शासन का ध्यान आकर्षित किया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसी के चलते पटवारी संवर्ग को अनिश्चितकालीन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है।

इन मांगों को लेकर हड़ताल पर गए पटवारी

संघ ने कैडर रिव्यू लागू करने, समय पर पदोन्नति, समयमान वेतनमान का लाभ, नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा शीघ्र आयोजित करने, पटवारियों के लिए प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने, वर्षों से लंबित वित्तीय भुगतान करने तथा संघ पदाधिकारियों के नियम विरुद्ध किए गए स्थानांतरण निरस्त करने की मांग उठाई है। संघ का आरोप है कि हालिया पदोन्नति प्रक्रिया में पटवारी संवर्ग की उपेक्षा की गई, जो उनके साथ भेदभाव है।

मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा आंदोलन

संघ ने स्पष्ट किया है कि यह आंदोलन केवल एक दिन का विरोध नहीं, बल्कि पटवारियों के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई है। जब तक शासन उनकी न्यायोचित मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेता, तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने शासन से जल्द वार्ता कर समाधान निकालने की अपील भी की है।

हमे नही मालूम कि पटवारियों की हड़ताल है- श्रीराम

तहसील कार्यालय में पिछले 2 घण्टे से पटवारी के आने की राह देख रहे ग्राम भमोड़ी निवासी किसान श्रीराम बिसेन ने बताया कि किसान सम्मान निधि से जुड़ी समस्या के समाधान के लिए पटवारी से मिलने आए थे, लेकिन पटवारी नही मिले इसलिए बिना काम कराए वापस लौटना पड़ रहा है।हड़ताल को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने बताया किहमे नही मालूम कि पटवारियों की हड़ताल है।यदि पहले ही मालूम होता तो हम अपना काम धंधा छोड़कर तहसील कार्यालय नही आते।

एक नजर में

15 दिन में दूसरी बार हड़ताल पर गए पटवारी
सोमवार से प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू
पांच सूत्रीय मांगों को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा
तहसीलों में नामांतरण, बंटवारा, फौती सहित कई काम प्रभावित
किसान और अन्य हितग्राही दिनभर परेशान रहे
पटवारी संघ ने कहा— मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा आंदोलन
हड़ताल से प्रभावित हुई कई सेवाएं
नामांतरण एवं बंटवारा,फौती प्रकरण,नक्शा-बटांकन
किसान फार्मर रजिस्ट्री,जाति प्रमाण पत्र जांच न्यायालयीन प्रकरणों की रिपोर्टप्राकृतिक आपदा संबंधी कार्य,राजस्व वसूली,मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
प्रधानमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम से जुड़े कई कार्य ठप हो चुके है।

वादा खिलाफी कर रही सरकार- बिरनवार

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला पटवारी संघ अध्यक्ष अरुण बिरनवार ने बताया कि नवंबर 2025 में आयोजित महाधिवेशन के दौरान शासन ने मांगों पर चर्चा के लिए अलग से समय और तिथि तय करने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक न तो महाधिवेशन की तिथि घोषित हुई और न ही मांगों पर कोई निर्णय लिया गया। इससे पूरे प्रदेश का पटवारी संवर्ग स्वयं को उपेक्षित और शोषित महसूस कर रहा है।सरकार लगातार वादा खिलाफी कर रही है।आवेदन निवेदन ज्ञापन पर भी कोई सुनवाई नही की जा रही है।इसलिए प्रदेश संगठन के आव्हान पर जिले सहित सम्पूर्ण प्रदेश के पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है।अब जब तक हमारी मांग पूरी नही होती यह हड़ताल जारी रहेगी।

जिला अस्पताल में सुरक्षा गार्ड से मारपीट

सुरक्षा व्यवस्था पर फिर उठे सवाल, नशे में धुत युवक ने ड्यूटी पर तैनात गार्ड से की अभद्रता, जान से मारने की धमकी देकर हुआ फरार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शहीद भगत सिंह शासकीय जिला अस्पताल में रविवार देर रात एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए।जब कथित रूप से शराब के नशे में धुत एक युवक ने ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन और पुलिस हरकत में आई तथा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम ओकासी निवासी ओम नगपुरे 34 जिला अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के पद पर कार्यरत हैं। ओम नगपुरे की 2 अगस्त की रात्रि 8 बजे से 3 अगस्त की सुबह 8 बजे तक ड्यूटी थी । इसी दौरान रात लगभग 11:15 बजे एक निजी एंबुलेंस से जुड़ा युवक अस्पताल परिसर में पहुंचा। आरोप है कि युवक शराब के नशे में था और आते ही सुरक्षा गार्ड को अश्लील गालियां देने लगा। गार्ड ओम नगपुरे ने जब उसे गाली गलौज करने से रोका तो युवक जिसने अपना नाम योगेश टेकाम उर्फ जोजो बताया वह आक्रोशित हो गया। उसने कहा कि तेरे डॉक्टर की भी औकात नहीं है मुझसे बात करने की और इसके बाद सुरक्षा गार्ड का गला पकड़कर उसके साथ हाथ मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी।हंगामा बढ़ने पर वार्ड बॉय हेमंत मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर सुरक्षा गार्ड को युवक के चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद शख्स गार्ड ओम नगपुरे को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया।घटना के तुरंत बाद सुरक्षा गार्ड। ओम नगपुरे ने सीएचएमओ, सुपरवाइजर नरेंद्र गोंड फोन करके घटना के संबंध में बताएं वही ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर तुषार को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। साथ ही डायल 112 पर भी सूचना दी गई। पुलिस टीम अस्पताल पहुंची। लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षा गार्ड से घटना की जानकारी लेकर मामला कोतवाली थाना भेज दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है तथा आरोपी की तलाश की जा रही है।

बार-बार हो रही घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

जिला अस्पताल में कर्मचारियों और चिकित्सकों के साथ अभद्रता और विवाद की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार असामाजिक तत्व बिना किसी रोक टोक के अस्पताल परिसर में प्रवेश कर कर्मचारियों एवं डॉक्टरों से दुर्व्यवहार कर चुके हैं। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। अस्पताल परिसर में आने वाले लोगों की प्रभावी निगरानी पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई से ही ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है।

खेत घूमने गई वृद्धा पर जंगली सूअर का हमला-गंभीर रूप से घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। वर्षाकाल के दौरान जिले के ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्रों में वन्य प्राणियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ दिनों में जिले के कई इलाकों में वन्य जीवों के हमलों से जनहानि और लोगों के घायल होने की घटनाएं सामने आई हैं। इसी क्रम में सोमवार सुबह भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम भानपुर में खेत की ओर घूमने गई एक 70 वर्षीय वृद्धा जंगली सूअर के हमले में घायल हो गई। घायल वृद्धा भूलकन बाई पति ओमराज पटले को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी

के अनुसार ग्राम भानपुर निवासी भुलकनबाई पटले का परिवार खेती किसानी करता है। उनका खेत घर के पीछे ही स्थित है। कृषि कार्य पूरा होने के बाद भुलकनबाई प्रतिदिन सुबह खेत की ओर टहलने जाया करती थीं। 3 अगस्त को सुबह लगभग 10:30 बजे भुलकन बाई खेत की ओर घूमने चली गई थीं। इसी दौरान जंगल की तरफ से आए एक जंगली सूअर ने अचानक पीछे से उन पर हमला कर दिया और हमला करने के बाद जंगल की ओर भाग गया। हमले में भुलकनबाई की जांघ सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। उनकी चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें घर लाने के बाद तत्काल मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां उनका उपचार जारी है। ज्ञात हो की वारासिवनी वन परिक्षेत्र में आने वाले ग्राम मंगेझरी में महीने भर के भीतर जंगली सूअर के हमले में एक महिला सहित तीन लोग घायल हो चुके हैं।गौरतलब है कि इन दिनों बालाघाट, कटंगी, वारासिवनी और लालबर्रा क्षेत्र में वन्य प्राणियों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। खेतों में फसलों और ग्रामीणों पर लगातार हमले होने से लोगों में भय का माहौल है।

तीन तीन बेटे फिर भी अकेले रह रहे थे बुजुर्ग

75 वर्षीय वृद्ध की कुएं में गिरने से दर्दनाक मौत

पदमेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम भोरवाही में सोमवार की दोपहर एक 75 वर्षीय बुजुर्ग की कुएं से पानी निकालते समय पैर फिसल जाने से कुएं में गिरकर मौत हो गई। किरनापुर पुलिस ने मृतक सोहनलाल पिता स्व.घसिया सिल्लारे का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भोरवाही निवासी सोहनलाल सिल्लारे अपनी पत्नी दुर्गाबाई सिल्लारे के साथ गांव में रहते थे। उनके तीन बेटे हैं।जिनमें देवानंद और विजय गांव से बाहर रहते है। जबकि बड़े बेटे राजकुमार सिल्लारे 40 वर्ष अपने परिवार के साथ किरनापुर में निवास करते हैं। राजकुमार समय-समय पर माता-पिता की देखभाल के लिए गांव आते रहते थे। लेकिन बुजुर्ग दंपती अधिकांश समय अकेले ही रहते थे। सोमवार 3 अगस्त को लगभग दोपहर 3 बजे सोहनलाल अपने घर के कुएं से पानी निकाल रहे थे। इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वे सीधे कुएं में जा गिरे। घटना के समय उनकी पत्नी दुर्गाबाई वहीं मौजूद थीं। उन्होंने पति को कुएं में गिरते देख शोर मचाया और मोहल्ले के लोगों को सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़े बेटे राजकुमार मौके पर पहुंचे। तब तक सोहनलाल का शव कुएं के भीतर पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलने पर किरनापुर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया।किरनापुर पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट